

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 मार्च, 2008

खण्ड-1, अंक-3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार 11 मार्च, 2008

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)1
सदस्य का नाम लेना	(3)15
वाक-आउट	(3)15
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)16

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3)25
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3)32
सदन की मर्यादा तथा गरिमा को बनाए रखने संबंधी	(3)33
अध्यक्ष महोदय का अवलोकन	(3)34
अनुपस्थिती की अनुमति	(3)34
अनुपस्थिती की सूचना	(3)35
सदस्य का नाम लेना	(3)36
वाक-आउट	(3)36
इंडियन नेशनल लोक दल के सदस्यों के दुराचरण तथा अनुउत्तरदायी व्यवहार की निंदा करना	(3)43
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(3)43
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)44

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 11 मार्च, 2008

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 09.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री रघुबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न संख्या 848

(यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री राम कुमार गौतम सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Construction of Roads by HSAMB

***889. Dr Sushil Indora:** Will the Agriculture Minister be pleased to state the number of roads constructed in the state by the Haryana State Agricultural Marketing Board during the last three financial years; together with the amount incurred on the construction of such roads during the said period?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha): Sir the Haryana State Agricultural Marketing Board has constructed 461 roads during the last three financial years and Rs. 7860.76 lacs have been incurred on the construction of these roads during the said period.

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय जब भी कोई सरकार बनती है और जब उसके मुख्यमंत्री बनते हैं तो समान

विकास की बात प्रदेश में करते हैं। सड़को का निर्माण भी विकास की उसी धुरी में आता है जिससे पता चलता है कि विकास के काम हो रहे हैं।

सरदार एच० एस० चटठा: स्पीकर सर, मेरा इनसे निवेदन है कि ये स्टेट वे क्वै चन करे तो मैं उसका जवाब दे दूंगा। इनको कथा नहीं कहनी चाहिए।

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय चूंकि सिरसा मेरी पार्लियामेंट्री कांस्टीच्यूएन्सी रही है इसलिए मैं पूछ रहा हूं। रोहतक पार्लियामेंट्री कांस्टरच्यूएन्सी से मुख्यंत्री जी प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। इसलिए मैं जानना चाहूंगा कि पिछले तीन वर्षों में सिरसा पार्लियामेंट्री कांस्टीच्यूएन्सी में कितनी सड़को का निर्माण हुआ है और रोहतक पार्लियामेंट्री कांस्टीच्यूएन्सी में कितनी सड़को का निर्माण हुआ है।

Mr. Speaker: it is very difficult to give answer, therefore, you may divide your supplementary in two-three parts. आप इस ए बी सी पार्ट में तबदील करके पूछ सकते हैं।

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय मैं आन दि फलोर आफ दि हाउस इस बात को सामने लाना चाहता हूं और यह देखना चाहता हूं कि प्रदेश में समान विकास के कार्य हो रहे हैं या नहीं।

श्री अध्यक्ष: जवाब तो तभी आएगा जब आप प्र न का ए बी सी पार्ट करके कुछ पूछोगे।

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय माननीय मंत्री जी तैयारी करके आए है या नहीं आए है that is not the question, जवाब देते है या नहीं that is not the question. मैंने उनसे यह जानना चाहा है कि पिछले वर्षों में सिरसा पार्लियामेंट्री कांस्टीच्यूएंसि में कितनी सड़को का निर्माण हुआ है और रोहतक पार्लियामेंट्री कांस्टीच्यूएंसि में कितनी सड़को का निर्माण हुआ है।

Mr. Speaker: Indora ji, please put your specific supplementary.

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय मैं यह देखना चाहता हूँ कि हरियाणा प्रदेश में समान विकास कार्य हुए है या नहीं। कहीं पर कोई डिसपैरिटी की गयी है या नहीं।

सरदार एच एस चटठा: स्पीकर सर, इन्होंने अपने मेन सवाल में यह नहीं पूछा है कि पार्लियामेंट्री सड़के कितनी बनी है और कितनी नहीं बनी है इसलिए मेरे लिए इस समय यह बताना मुश्किल होगा कि किस पार्लियामेंट्री हल्के के किस किस गांव में किस समय में कितनी सड़के बनी है। लेकिन मैं इनकी और हाउस की जानकारी के लिए सी० एम० साहब की निष्पक्षता के बारे में बताना चाहता हूँ। मैं इनकी ऐलनाबाद कांस्टीच्यूएंसि के बारे में बता देता हूँ। इनकी कांस्टीच्यूएंसि में 20 रोडज कम्प्लीट हुई है।

श्री अध्यक्ष: डा० साहब क्या आपको पार्लियामेंट का इलैकान लडना है?

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय मैं उस सिरसा कांस्टीच्यूएन्सी का प्रतिनिधित्व करता रहा हूँ इसलिए मैं इस बारे में पूछ रहा हूँ।

सरदार एच एस चटठा: स्पीकर सर, मैं हलके वाइज जितनी सडके बनी है उसको कम्पेरेटिव रूप से बता देता हूँ। सारे जिलो मे से सबसे ज्यादा इनके यहां सडके बनी है। सी० एम साहब और मैंने इनके हलके का ज्यादा ख्याल रखा है क्योंकि ये डाक्टर है।

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय अगर सरकार अच्छा काम करेगी तो हम उसके लिए इनका धन्यवाद करेंगे।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, असली बात यह है कि जैसा मंत्री जी ने कहा है कि चुंकि डाक्टर साहब मंत्री जी के चहेते है इसलिए वे इनका ज्यादा ख्याल रखते है।

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय मंत्री जी ने जवाब दे दिया और मैं उनके जवाब से संतुष्ट हो गया हूँ फिर सुरजेवाला साहब क्यों बीच में उठकर ऐसी बात कर रहे है।

श्री ई वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या रादौर हलके में मार्केटिंग बोर्ड की तरफ से कोई नयी सड़क बनाने का प्रस्ताव है? स्पीकर सर, मैं अपने हलके में पलाका से मंसूरपुर तक सड़क बनाने के लिए पिछले तीन साल से प्रयासरत हूँ लेकिन आज तक भी वह सड़क नहीं बनी है।

श्री अध्यक्ष: आपने अपनी सरकार के समय में क्यों नहीं बनवायी?

श्री ई वर सिंह पलाका: स्पीकर सर, हमारी सरकार के समय वह सड़क मंजूर हो गयी थी।

श्री अध्यक्ष: पलाका जी, आपकी बात आ गई है। अब मंत्री महोदय को जवाब देने दें।

सरदार एच एस चटठा: अध्यक्ष महोदय, पलाका साहब हलके के हिसाब से भी मरे ग्वांडी है और इनका घर भी मेरे घर के साथ है लेकिन इन्होंने मेरे यहां आने की कभी तकलीफ नहीं की है। ये मेरे यहां आएँ, चाय भी पिएँ और सड़को के बारे में भी बताएँ, इनका कोई काम रुकेगा नहीं।

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मेरे हलके डबवाली के अंदर पिछले तीन साल में मार्केटिंग बोर्ड द्वारा कितना पैसा खर्च किया गया है, क्या कोई नयी सड़क भी मंजूर की गई है?

Sardar H.S. Chaha: Mr. Speaker: Sir, at this time it is not possible to give reply of this query. Hon'ble Member can ask separate question in this regard.

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय मैंने पहले भी पूछा था लेकिन आज तक नैगेटिव मे ही जवाब आया है।

श्री अध्यक्ष: आपने एक सवाल पूछा है और Hon'ble Minister has said that you can ask separate question in this regard. It is not possible for the Hon'ble Minister to give reply of every question.

श्री साहिदा खान: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूँ कि मेरे तावडू हल्के मे एक भी सडक की मार्किटिंग बोर्ड की तरफ से रिपेयर नहीं की गई है। मेरा खुद का गांव भी उसमें शामिल है वहां सडक की रिपेयर ही नहीं हुई है। नयी सडक की तो बात ही बहुत बडी है। सिकरावे से अलावलपुर तक की सडक ऐसी हालत मे है कि लोग खेत मे से होकर चलना पसंद करते है लेकिन सडक पर चलना पसंद नहीं करते है। िंकारपुर से तावडू सडक की हालत भी खराब है और बणैणी रोड से पालावास तक की सडक की हालत खराब है। इसी तरह से 20 सडके है जिन पर अब तक एक पैच भी नहीं लगा है।

श्री अध्यक्ष: आप इस बारे मे मंत्री जी के पास लिखकर भिजवा देना।

श्री साहिदा खान: मैं लिखकर दे चुका हूँ।

सरदार एच एस चटठा: सर, मेरे पास अभी तक लिखकर नहीं आया है। डिपार्टमेंट की तरफ से यह पूरी कोशिश की जाती है कि जो सड़के 5 साल पुरानी बनी हुई हैं उनकी पहले रिपेयर की जाए। आप आज ही लिखकर भिजवा दें तो आज से ही पौसैस भुरु हो जाएगा।

श्री साहिदा खान: मैं हाउस में इस बारे में तीन बार कह चुका हूँ।

श्री अध्यक्ष: बात हो गई है, आप लिखकर भिजवा दें।

Prime Minister Scholarship Scheme

***805. Dr. Sita Ram:** Will the Education Minister be pleased to state the details of the Prime Minister Scholarship Scheme togetherwith the criteria for Scholarship and the benefits thereof for the students?

शिक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): स्पीकर सर "प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति स्कीम" के नाम से शिक्षा विभाग में कोई भी स्कीम नहीं चलाई जा रही है। अध्यक्ष महोदय, फिर भी मैं सदस्य की और माननीय सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि शिक्षा विभाग में स्वर्गीय श्री राजीव गांधी के नाम से शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक 'स्कालरशिप फार ऐक्सीलेंसी इन ऐजुकेशन' नामक स्कीम मिडिल, उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही है। उक्त स्कीम 2005-06 के दौरान प्रारंभ की गई थी इस स्कीम के अन्तर्गत कक्ष

6 से 12 तक पढने वाले एवं परीक्षा मे प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन के तौर पर नकद राशि दी जाती है। इस हेतु कक्षा 6 से 12 तक प्रत्येक विद्यालय के एक छात्र को और एक छात्रा को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। माध्यमिक, उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को छात्रों को और छात्राओं को यह राशि 750 रुपये प्रति मास के हिसाब से व मिडिल कक्षा से उपर के छात्रों को 1 हजार रुपये पर मंथ के हिसाब से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

डा० सीताराम: अध्यक्ष महोदय, मुझे यह जवाब दिया गया है कि इस तरह की कोई छात्रवृत्ति स्कीम ऐजुकेशन डिपार्टमेंट की तरफ से लागू नहीं है। अब इन्होंने इस बारे में यहां पर यह जवाब दिया है। मैं चाहूंगा कि मेरे पास यह जवाब लिखित में भिजवा दें।

श्री अध्यक्ष: यह प्रोसीडिंग में आ जाएगा और आपके पास लिखित में करैव इन के लिए आएगा। जो कहा है उस हिसाब से आपके पास आ जाएगा।

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मैंने जानकारी दे दी है। अगर फिर भी ये लिखित रूप में जानकारी लेना चाहते हैं तो इनको लिखित रूप में जानकारी भिजवा देंगे।

Construction of By-Pass of Narnaul City

***814. Sh. Radhey Shyam Sharma:** Will the P.W.D (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a by-pass for Narnaul City; if so, the time by which the work is likely to be started thereon?

irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Yes, Sir, a Consultant has been appointed to examine feasibility of the by-pass. Decision regarding construction of by-pass will be taken after examining the feasibility report.

श्री राधे याम भार्मा अमर: अध्यक्ष महोदय, जो यह कन्सलटैण्ट एप्वायंट किया गया है इसके लिए तो मैं मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ। लेकिन मंत्री जी यह बताये कि अगर कन्सलटैण्ट अपनी समय पर रिपोर्ट दे देता है तो इस बाई-पास का काम कब तक भुरु करवाएंगे।

श्री अध्यक्ष: आपका सवाली आ गया है अब आप बैठ जाइये।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, जो नारनौल का बाई पास है इसको बनाने की बड़ी भारी जरूरत है। यह बात मैं भी मानता हूँ इस को बनाने में लगभग 20 करोड 30 लाख रुपये की लागत आयेगी। इस बाई पास को बनाने के लिए सरकार ने मैसर्ज स्काटविलसन इंडिया लिमिटेड नामक कंपनी को प्रोजैक्ट रिपोर्ट दी है और हमें उम्मीद है कि उसकी रिपोर्ट हमें 3-4 महीनो में मिल जायेगी। यह प्रोपोजड बाई पास नारनौल

निजामपुर, वाया नांगल चौधरी, बुडवाल काटपुतली रोड 3.80 किलोमीटर है। उसके बाद नारनौल वाया रामबास रोड, नारनौल कुलतारपुर रोड, नारनौल सिंधाना रोड से होते हुए महेन्द्रगढ नारनौल रोड पर नांगल तिहाडी पर जाकर मिलेगा जिसकी लैथ कुल 8 किलोमीटर होगी। इसकी लैड एक्विजी 1न को लगाकर तकरीबन 40 करोड रुपए खर्च होंगे। दूसरी जो हमारी यह रिपोर्ट आ जायेगा तो उसके बाद हम बाकी की कार्यवाही भुरु करेंगे।

श्री अरजन सिंह: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से यह रिक्वैस्ट करना चाहूंगा कि मेरे हलके के गांव मे बुढिया खदरी देवधर रोड है जिसे बी के डी रोड कहते है तो 24 किलोमीटर का टुकडा है उसको मंत्री जी कब तक पूरा करवा देंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, इस टुकडे को हम जरुर रिपेयर करवाएंगे।

श्री नरे । यादव: अध्यक्ष महोदय, नारनौल को बाई पास बनाने के बारे में मंत्री जी ने यह कहा कि कन्सलटेंट की रिपोर्ट 3-4 महीने मे आ जायेगी। क्या मंत्री जी बाई पास को जोडने वाली बाकी की सडको को जैसे सेका मंडाना रोड, नौनी हबल रोड, चाहे नांगल चौधरी रोड चारो तरफ की सडको का बहुत बुरा हाल है, को भी तभी ठीक करवाने का काम भुरु करेंगे।

Mr. Speaker: it is not possible.

कैप्टन अजय सिंह यादव: जहां तक बजट का सवाल है 4 करोड 53 लाख रुपये नारनौल कानस्टीच्युएंसी को अलाट हुए है। इसके अंदर माननीय सदस्य के गांव भी बीच में ही आते है। मैं समझता हूं कि यह जो कुछ सडको का काम चल रहा है एक तो जो राधे याम जी के हलके निजामपुर से नारनौल की सडक पर एक करोड दो लाख रुपये एप्रूव हुए है। इसलिए राजस्थान बोर्डर पर लगने वाली सडक को जल्दी ही रिपेयर किया जायेगा। दूसरा नयागांव बायल वाली रोड पर वर्क इन प्रोग्रैस है ओर इस पर तकरीबन दो करोड 59 लाख रुपये नाबार्ड की स्कीम के तहत खर्च किए जायेंगे। एक हमने एस पी के तहत काम लिया हुआ है। इनकी कांस्टीच्युएंसी के लिए दो करोड 50 लाख रुपये का कार्य अब तक हो चुका है। बाकी और भी जो सडके होगी उनकी हम रिपेयर करवाएंगे। पिछले दिनों मैं नरे 1 जी के हलके मे गया था, इनके हलके मे मैं समझता हूं कि पिछले 5 सालो के आंकडे देखें और अब के आंकडे देखें तो इनके यहां की सडको पर काफी काम हुआ है। नाबार्ड और प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत नरे 1 जी के हलके में कई सडको के काम की भुरुआत की गई है। बाकी जो बची हुई सडके है उनको भी ठीक करवाएंगे।

श्री साहिदा खान: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी हमारे यहां के ग्रिवेंसिज कमेटी के चेयरमैन रहे है और वे हमारे यहां बाई रोड गए है, मेवात का एक रोड भी ऐसा नहीं है जिस पर आदमी आसानी से चल सकता हो। हमारे रास्ते मे एक कुलवाडी गांव

पडता है, मंत्री जी इस गांव मे एक प्रोग्राम के लिए गए थे तो लोगो ने पर्सनली डिमांड रखी थी कि जहां से गुडगांव खत्म होता है और मेवात जहां से भुरु होता है वहां आदमी सडको पर चलने मे बहुत परे गानी उठाता है। बिलासपुर से होडल जाना होता है तो कम से कम 4-5 घण्टे लग जाते है, 50 किलोमीटर जाने के लिए 5 घण्टे लग जाते है। सडको की इतनी बुरी हालत है। आपकी सरकार का एक आदमी ऐसा है जिसने डम्परो से 32-32 टन वनज लोड करके सारी सडके तोड दी है। जब भी मुख्यमंत्री महोदय वहां जाते है तो वे हैलीकाप्टर से जाते है लेकिन कैप्टन साहब हमे गा बाई रोड गए है तो इनको तो मेवात के बारे में पूरी जानकारी है, मै मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वजह है कि मेवात में काम नही होते।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी की जानकारी के लि बताना चाहता हूं कि अभी पिछले दिनों एन सी आर के तहत 588 करोड रुपये मंजूर हुए है। (विधन) गुडगांव, नूहं, अलवर रोड, राजस्थान बार्डर तक करीबन 348 करोड रुपए सडको के लिए मंजूर हुए है और इसके लिए जल्दी ही काम भुरु हो जाएगा। होडल, नूहं, पटोदी के रोड के लिए करीबन 240 करोड रुपये सरकार ने मंजूर किए है। इसके अलावा 25.75 करोड रुपये से ओल्ड गुडगांव अलवर रोड नूहं टाउन तक पिनुवा, िाकरवा रोड, सोनपुर, कौल गांव, धोवा और कुछ महत्वपूर्ण सडको पर काम कर रहे है और लिंक रोड पर भी

इम्प्रूवमेंट कर रहे है जिसके लिए 6 करोड रुपए खर्च करेंगे जिसके लिए टैण्डर्ज रिसीव हो गए है और इस पर जल्दी ही काम भुरु करेंगे। ऐसा नही है कि हमें मेवात की सडको की हालत के बारे में पता नही है। इसके अलावा नूहं पलवल रोड पर साढे सात करोड रुपए के काम के लिए टैण्डर्ज रिसीव हो गए है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत 53.86 करोड रुपए के काम चल रहे है और यह जरुरी भी है क्योकि मेवात की सडको की हालत बहुत खराब थी। लेकिन हमारा फिलहाल जो फाइनेयल इयर है उसमे हम काफी एरियाज मे काम करेंगे (विघ्न)।

श्री बलवन्त सिंह: अध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ से हिसार, रोहतक और जींद जाने के लिए अम्बाला भाहर से होकर जाना पडता है और उस सडक पर काफी जाम लगा रहता है और उस सडक पर रोज हादसे भी होते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या अंबाला भाहर में बाई पास बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है और अगर विचाराधीन है तो यह बाई पास कब तक बनाया जाएगा?

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि अंबाला मे 4 लेनिंग का काम चल रहा है और अंबाला मे पूल का काम भी चल रहा है। फिर भी हम माननीय साथी की बात को एग्जामिन करके केंसलटेंट अप्वायंट कर देंगे।

**Financial aid given by the NABARD to reclaim
Water Logged Land of the State**

***826. Sh. Ranbir Singh Mahendra:** Will the Irrigation Minister be pleased to state-

(a) whether any financial aid is being given by the NABARD to reclaim the water logged land of the State;

(b) if so, the amount of the financial aid being given togetherwith the names of the places where the said amount is being sent; and

(c) whether any project has been prepared by the Drainage Department in this regard; if so, the details thereof?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Sir, a statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir, Financial aid is being given to NABARD in the shape of refundable loan and not as grant for execution of new drainage schemes to prevent water logging in the area.

(b) Sir, few schemes namely Sular Drain, Hissar Ghaggar Multipurpose Channel, Bass and Hansi Multipurpose Channel, Rangoi Khariff, Channel, Bhiwani Ghaggar Drain, Mithathal Ghuskani Link Drain are being executed with NABARD Financing, Total approved cost of these schemes is Rs. 203.20 Crores against which NABARD share is Rs. 158.31 Crores. These schemes are being executed in Ambala, Hisar, Fatehabad, Sirsa, Kaithal and Bhiwani districts. An expenditure of Rs. 170.20 Crores has been incurred against

these schemes so far. A list showing details of schemes is also enclosed.

(c) Sir, few schemes amounting to Rs. 18.93 Crores have been executed as ditch/seepage drains by Irrigaion Department, Haryana during the year 2004-2007. CADA has prepared a Pilot Project (under WJC VI) for bio-drainage under which 1000 hectares of water logged area will be reclaimed in Rohtak District for which Government of India has agreed to give 50% funds at the rate of Rs. 15000/- per hectare (Total Rs. 1.5 Cr) In this project, cloned variety of Eucalyptus will be used to facilitate bio-drainage. It is further proposed to take up 1000 hectare per year till 2019-20 under bio-drainage scheme by CADS, Haryana in water logged areas of Rohtak, Jhajjar, Sonapat, jind, Panipat & Bhiwani Districts of Haryana State.

List of Schemes for prevention of water logging.

(Rs. in lacs)

S N o.	Name of Scheme	Total Sancti oned Cost	NABA RD Share	Expen diture	District	upto date progres s
1	Excavation on Sullar Drain from RD 0-20100 off taking from village Sullar and outfalling in SYL	118.98	84.48	106.63	Ambala	Comple ted

	Paralleld drain at RD 28431.					
2	Constructing Hisar Ghaggar Multipurpose Channel from RD 0-398600	8813.59	6696.87	6806.88	Hisar, Fatehabad, Sirsa	98%
3	Constructing Bass Multipurpose Channel from RD 0-155580 and Hansi Multipurpose Channel from RD 0-38320.	4229.11	3008.61	4179.7	Hisar, Kaithal	96%
4	Excavation of Rangoi Kharif Channel from RD 0-278000 outfalling at RD 2760.9624500. Dabra Ghaggar Drain and linking with river Ghaggar.	3548.37	2611.05	3680.98	Sirsa, Faridabad	Completed
5	Const. Bhiwani Ghaggar Drain from RD 0-166200	849.09	2760.92	1751.66 (on land	Bhiwani	5%

	outfalling at RD 384000/L Hisar Multipurpose Channel.			Acquisition)		
6	Stg. Mithalal Ghuskani Link Drain from RD 0-53350 outfalling at RD 28345/R Bhiwani Ghaggar Drain	849.09	806.63	491.36 (on Land acquisition)	Bhiwani	Work likely to be started shortly
	Total	20320.10	15830.56	14777.19		

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मिथाथल संपर्क ड्रेन में कौन कौन से गांव शामिल है?

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि मिथावल घुसकानी लिंक ड्रेन में ज्यादातर गांव भिवानी जिले के आयेंगे। इस लिंक ड्रेन पर 203 करोड़ रुपए की लागत आयेगी जिसमें से 158 करोड़ रुपए नाबार्ड का हिस्सा है। जहां तक माननीय साथी ने गावों के बारे में पूछा है कि इसमें कौन कौन से गांव आयेंगे इस बारे में मैं मेरे साथी को अभी नहीं बता सकता। केवल यही बता सकता हूँ कि इस ड्रेन में ज्यादातर गांव मुंढाल और भिवानी

हल्के के ही आयेंगे। इसके अतिरिक्त भिवानी जिले में भिवानी घग्गर ड्रेन भी सेम की समस्या दूर करने के लिए बनाई जा रही है। इसकी टोटल सैंग इन कोस्ट 2760 लाख रुपए है जिसमें 2662 लाख रुपए नाबार्ड का हिस्सा है। इसकी लैंड इक्वीजे इन पर 1751 लाख रुपए लगेंगे। इसकी डिस्चार्ज कैपेसिटी 100 क्यूसिक होगी और इसकी लैंथ 50.5 कि० मी० होगी तथा यह ड्रेन 30.6. 2009 तक बनकर तैयार हो जायेगी।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने गावों की जानकारी तो नहीं दी कि मिताथल घुसकानी में कौन कौन से गांव शामिल होंगे लेकिन हलको के नाम बताये हैं। अध्यक्ष महोदय मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि इस ड्रेन में घुसकानी, मिताथल, जिगडाना, मण्डाणा तक के गांव आयेंगे। मण्डाणा, लुहारी जाटू और उसके बाद के जो गांव हैं मुंढाल खुर्द, मुंढाल कलां, बडेसरा, जटाई, सुखपुरा, घनाना आदि गांव इस ड्रेन में नहीं आयेंगे। इन गावों को भी मंत्री जी स्टडी करवा लें। इसके अतिरिक्त मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि मिरान, सगबन आदि गावों में सेम की सबसे ज्यादा समस्या है इन गावों के लिए भी मंत्री जी कोई न कोई योजना अव य बनायें और जल्दी से जल्दी उस पर काम भुरु करवायें।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि जिन गावों का जिक्र माननीय साथी ने किया है उनको हम एग्जामिन करवा लेंगे।

मैं मेरे माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि मिताथल घुसकानी लिंक ड्रेन से सबसे ज्यादा लाभ मुंढाल हल्के के गावों को मिलेगा। यह ड्रेन घुसकानी, तिगडाना, राजपुरा और बापोडा गावों में होती हुई भिवानी घग्गर ड्रेन में जाकर मिल जायेगा और यह ड्रेन मुंढाल हल्के के गावों में होती हुई भिवानी घग्गर ड्रेन में जाकर मिल जायेगी और यह ड्रेन मुंढाल हल्के के गावों की सेम की समस्या दूर करेगी। मैं माननीय साथी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हम इस ड्रेन की 2008-09 में एक्सटेंशन करवा रहे हैं from RD 50100 to 60630 including construction of Prem Nagar Drain, extension Gujrali Drain and extension of Dhanana drain outflow falling in Ghuskanin linked drain. हो सकता है उसमें वे गांव कवर हो जायें जिनका जिक्र अभी माननीय साथी ने किया है। अगर वे गांव इसमें कवर नहीं होंगे तो उनको एग्जामिन करवाकर हम जरूर करेंगे और उनकी सेम की समस्या दूर करेंगे।

डा० विठ्ठल ठाकरे भारद्वाज: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि भिवानी घग्गर ड्रेन भी मिताथल घुसकानी लिंक ड्रेन के साथ लिंक होने वाली है और मेरे नोटिस में यह आया है कि इसके लिए 30 करोड़ रुपए भी सैंकशन हो चुके हैं लेकिन इस पर अभी तक भी काम भुरु नहीं हुआ है। दूसरी बात यह है कि एक और ड्रेन भी प्रस्तावित थी जो हुडडा ने बनानी है क्योंकि हुडडा के भिवानी भाहर में 13, 21, 23 और 26 सैक्टर हैं लेकिन डिस्पोजल कोई

नहीं है। यह भी मेरे नोटिस में आया था कि इस तरह का एक डिस्पोजल बनाकर उसको भी ड्रेन से जोड़ा जाएगा लेकिन उस पर भी अभी तक कोई काम भुरु नहीं हुआ है। मैं यह जानना चाहूंगा कि कब तक यह काम पूरा हो जायेगा?

कैप्टन अजय सिंह यादव: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि जो भिवानी घग्गर ड्रेन है इसका तकरीबन 5 प्रतिशत काम भुरु हुआ है और मैं समझता हूँ कि इसका लैंड एक्वीजिशन का काम अभी पेंडिंग है। लैंड एक्वीजिशन के लिए इरीगेशन डिपार्टमेंट ने पैसा दे दिया है लेकिन उसका अवार्ड नहीं हो पाया है। इसका कारण यह है कि वहां पर डी आर ओ नहीं है और उसकी वजह से ही हमने डी आर ओ रेवाडी को यह ड्यूटी दी है। इसमें 175 करोड़ रुपए तो हमें लैंड एक्वीजिशन के पे करने हैं और जो मिताथल घुसकानी लिंक ड्रेन है इसके उपर भी अभी लैंड एक्वीजिशन का कार्य हो रहा है। इसमें 49 करोड़ रुपए हमें देने हैं और इस पर अभी काम भुरु होगा जब इसका लैंड एक्वीजिशन का काम पूरा हो जाएगा। लेकिन वह अवार्ड होना बाकी है। हमने पैसा जमा करवा दिया है जैसे ही यह लैंड एक्वीजिशन का काम पूरा हो जायेगा उस पर काम भुरु हो जायेगा। मैं संबंधित मंत्री से अनुरोध करूंगा कि वे डी आर ओ की पोस्टिंग जल्दी कर दें ताकि इसका अवार्ड जल्दी हो जाये।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा: स्पीकर सर, मैं माननीय मंत्री जी से एक आग्रह और करना चाहता हूँ कि उन्होंने अभी भिवानी ड्रेन का जिक्र किया यह हालुवास, दिनोंद, बापौडा होते हुए हिसार की तरफ निकलेगी और जो मिताथल घुसकानी लिंक ड्रेन हैं इसमें रेवाडीखेडा और सय और मिला दिए जायें। इसको अगर ये एग्जामिन करवायें तो बहुत अच्छा रहेगा। जहां तक मुंढाल कलां, मुंढाल खुर्द, बडेसरा और जतई का संबंध है इनको आगे जाकर भिवानी घग्गर ड्रेन से मिलाने के लिए दूसरी ड्रेन आपको निकालनी पड़ेगी क्योंकि मिताथल घुसकानी लिंक ड्रेन से यह पानी नहीं जा पायेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव: स्पीकर सर, इन्होंने जो प्वायंटस रेज किए हैं इनको हम एग्जामिन करवा लेंगे और एग्जामिन करवाकर जो भी फिजिबिल्टी होगी उसके मुताबिक हम अपने अधिकारियों को आदे । दे देंगे।

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय मेरे हलके डबवाली के अंदर दो गांव हैं एक लोहगढ और दूसरा जोतावाली इनके अंदर सेम की बहुत बड़ी समस्या है। पिछले दिनों माननीय मुख्यमंत्री महोदय के ओ एस डी डा. के वी सिंह ने भी वहां पर दौरा किया था उन्होंने वहां आ वासन दिया था कि इस सेम की समस्या से जल्दी ही निजात मिल जायेगी तो मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि उस सेम की समस्या को दूर करने के लिए सरकार की तरफ से क्या प्रयास हुए हैं?

कैप्टन अजय सिंह यादव: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि वे इस बारे में मुझे अलग से लिखकर दें ताकि मैं इनको प्रोपर जवाब दे सकूँ।

डा० सीता राम: स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता हूँ कि राजस्थान कैनाल वहाँ से निकलती है उसकी सीपेज की वह से वहाँ पर सेम की समस्या पैदा हो गई है।

श्री नरे । यादव: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि हांसी बुटाना संपर्क नहर का निर्माण कब तक पूरा हो जायेगा क्योंकि माननीय साथी के हल्के में सेम की समस्या है और हमारे यहाँ वाटर लैवल नीचे जा रहा है जिसकी वजह से हमारे यहाँ सूखे की स्थिति पैदा हो रही है। स्पीकर सर, हांसी-बुटाना नहर के चालू हो जाने से दोनों समस्याएँ अपने आप हल हो जायेगी।

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय इनको भायद ज्ञान नहीं है। मैंने जो प्र न पूछा है वह राजस्थान कैनाल की वजह से है। कुछ गांव वहाँ पर नीचे है इसलिए यह सेम की समस्या है। इनको पता नहीं आपने क्या इंजैव न लगा दिया कि इन्होंने दक्षिण हरियाणा का जिक करना ही बंद कर दिया।

श्री अध्यक्ष: क्या इस प्रकार का कोई इंजैव न लगता है और क्या आपको भी इस प्रकार का इंजैव न लगा हुआ है?

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, जो बात श्री नरे । यादव जी ने उठाई है यह वास्तव में वाजिब है। सिरसा के इलाके में सेम की बड़ी भारी समस्या है और जैसा मैंने बताया कि उस पानी को ड्रेन किया जाये। करोड़ों, अरबों रुपये इस समस्या से निदान पाने के लिए हमारी सरकार खर्च कर रही है। अपने भोयर से ज्यादा पानी लेने की इनकी आदत बनी हुई है। जैसा माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा भी है कि जब हांसी बुटाना लिंक नहर बनकर तैयार हो जायेगी और पानी का समान बंटवारा हो जायेगा तो इनकी समस्या अपने आप दूर हो जायेगी। इस पर 350 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा और 98 परसेंट उसका काम पूरा हो चुका है लेकिन कुछ लोग खुराफाती करते रहते हैं। हमारे कुछ साथी इनकी भाह पर हाईकोर्ट में चले गये, वहां से उस पर स्टे ले आये और जब वह स्टे पूरा हो गया तो अब सुप्रीम कोर्ट में चले गये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, ये गलत कह रहे हैं। यह अनपार्लियामेंटरी लैंग्वेज है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: क्या ये आपको कह रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: सर, जब प्र न हमने पूछा है तो हमें ही कह रहे हैं (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप खुराफाती भाब्द को डिफाईन कीजिए, आप एक्सप्लेन कीजिए।

डा० सीता राम: सर, आप ही बताइये क्या यह पार्लियामैंटरी वर्ड है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कल आपने बी एस पी के विधायक के साथ जो किया क्या वह खुराफाती नहीं था? (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवनत सिंह: सर, यह सब आप जानबूझ कर करवा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप अपनी सीट पर बैठिए। Take your seat. I say sit down. (शोर एवं व्यवधान)

श्री अरजन सिंह: अध्यक्ष महोदय, ये मेरे साथ हाथापाई कर रहे थे।

श्री अध्यक्ष: आपका 9 आदमियों का ग्रुप है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप किसी अकेले आदमी के साथ ऐसा करेंगे। यहां पर 67 आदमियों का ग्रुप भी है। My duty is to protect the each and every member. (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: सर, यह सब जानबूझ कर करवाया जा रहा है। आप अपना कर्तव्य ठीक से नहीं निभा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जानबूझ कर कुछ नहीं हो रहा है। आप अपनी सीट पर बैठिये। (शोर एवं व्यवधान) I am performing my duty.

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, प्र नकाल चल रहा है। इनको न तो संसदीय प्रणाली की जानकारी है, न ही समझ है। इनके नेता ने पहले से ही इनको तैयार करके भेजा है। बिजली और पानी के इतने अहम प्र न पूछे जा रहे हैं लेकिन ये जानबुझ कर इनको सुनना नहीं चाहते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह: अध्यक्ष महोदय, ऐसे हाउस नहीं चलेगा।

Mr. Speaker: Nothing to be recorded प्र न काल चल रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, *****

श्री साहिदा खान: *****

Mr. Speaker: Please sit down. Please sit down. Mr. Speaker: Sahida, I am on my legs.

श्री बलवंत सिंह: अध्यक्ष महोदय, ***** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अब तक पूछे गये 20 सप्लीमेंटरी मे से 16 आपने पूछे है। जनता ने तो आपको ओपोजी न का स्टेटस भी नहीं दिया। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन ने नल लोक दल के कई माननीय सदस्यगण अपनी सीटो पर खडे होकर बोलते रहे)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर सर, इन लोगो का काम हर रोज व्यवस्था भंग करने का रहता है। (शोर एवं व्यवधान)

डा0 सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, *****

श्री अध्यक्ष: आप अपनी सीटो पर बैठें। क्वै चन आवर चल रहा है। (शोर एवं व्यवधान) डा0 साहब आप जानते है कि क्वै चन आवर कितना इम्पोर्टेंट है। (शोर एवं व्यवधान) I will give my ruling after the Question Hour. Pease don't interrupt the Questions Hour. (Interruptions) I will give my ruling during the zero Hour. (शोर एवं व्यवधान) अभी इतना इम्पोर्टेंट सवाल चल रहा है इसके आगे आपके मैम्बर साहिदा खान जी का सवाल भी लगा हुआ है। आप हाउस मे व्यवस्था बनाए रखें और अपनी अपनी सीटो पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) साहिदा जी का सवाल आ रहा है और इतनी इम्पोर्टेंट सप्लीमेंटरी चल रही है। आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता राम: अध्यक्ष महोदय, *****

श्री अध्यक्ष: आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठें।
(शोर एवं व्यवधान) मंत्री जी का सवाल का रिप्लाई देंगे।

श्री ज्ञान चन्द: अध्यक्ष महोदय, *****

श्री अध्यक्ष: आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठें।
जो भी ये लोग बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, ये लोग मन बना कर आये है कि इस हाउस की कार्यवाही को नही चलने देना है। इन लोगो को चाहिए कि ये लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठें और हाउस की कार्यवाही को चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: Don't cry like jackals (Interruptions)

श्री आनंद सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब ने जो कहा है वह श्री नरे । जी को कहा है न कि इन लोगो को कहा है। जैसे कि आपको पता ही है कि चोर की दाढी मे तिनका होता है इसलिए इनको ऐसा लग रहा है कि इनको यह कहा गया है। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, *****

Mr. Speaker: You are crying like jackals. Please take your seat.

श्री आनंद सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय ये लोग बार बार हाउस की कार्यवाही डिस्टर्ब कर रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

डा० सु गील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, *****

Mr. Speaker: Dr. Indora I warn you. (Interruptions)

Dr. Sita Ram: Mr. Speaker: Speaker Sir,

Mr. Speaker: Dr. Sita Ram, I warn you. please sit down. आपकी जो भी सप्लीमेंटरी बनती है या जब भी कोई सप्लीमेंटरी पूछने के लिए आप लोगो ने हाथ खड़े किए हैं मैंने आपको बोलने का पूरा समय दिया है। अगर आप कोई सप्लीमेंटरी पूछना चाहते हैं तो पूछें। हाउस की एक व्यवस्था होती है आप लोग उस व्यवस्था को बनाए रखें। जितना टाईम आप लोग बोलने के लिए लेना चाहते हैं आपको टाईम दिया जाएगा। (विघ्न)

Mr. Phool Chand Mulana: All the Hon'ble Members are elected. The Hon'ble Minister while replying only said that we are trying to construct the canal but there are certain Khuraphhtatis. जो कोर्ट में चले जाते हैं। ये आप लोग अपने ऊपर न लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: क्या आपने यह केस कोर्ट में करवा रखा है? यह जो खुराफाती कहा गया है यह आपको नहीं कहा गया है। (शोर एवं व्यवधान) इंदौरा जी आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: ***** (शोर एवं व्यवधान)

डा० सु गील इंदौरा: ***** (शोर एवं व्यवधान)

श्री फूल चंद मुलाना: यह मैने आपको नहीं कहा है।
(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: ये जो भी बोल रहे है वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नरे । यादव: बादल कोर्ट मे गया है। ये बादल को यहां क्यो ला रहे है।

श्री आनंद सिंह डांगी: कोर्ट मे जाने वाले खुराफाती है।
(शोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): जो कोर्ट मे गया है वह खुराफाती है। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सु गील इंदौरा: ***** (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. (Interruptions) I warn you, Indoraji, third time. It is question and it is very important but you are wasting the time of the House unnecessarily without assigning any reasons thereof.

सदस्य का नाम लेना

डा० सु गील इंदौरा: अगर आप मुझे सदन से निकालना चाहते हैं तो लोकतंत्र की हत्या होने के बारे में सदन से वाक-आउट करूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: हम सभी भी लोकतंत्र की हत्या होने के विरोध में वाक-आउट कर जाएंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ई वर सिंह पलाका: स्पीकर सर, आपका रवैया हमारे प्रति ठीक नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: इनका कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। आप किस तरह से बोल रहे हैं। मैं आपको वार्न करता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) आपकी पार्टी के साथी वाक-आउट करने की बात कर रहे हैं। क्या आप भी उनके साथ जाना चाहते हैं। मैं आपको वार्न करता हूँ कि आप इस तरह से बिहेव न करें। पलाका जी, मैं आपको वार्न करता हूँ (शोर एवं व्यवधान) मैं आपको नेम करता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ई वर सिंह पलाका: ***** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: पलाका जी, आपको नेम कर दिया गया है, आप सदन से बाहर जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मा लिल इनको सदन से बाहर ले जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

(At this stage, the Sergant at Arms with the aid of the Watch and Ward Staff took Sh. Ishwar Sing Plaka out of the House.)

वाक आउट

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, आपने हमारे एक साथी को नेम किया है, इसके विरोध में हम सदन से वाक आउट करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: सीता राम जी, आप बाहर जाएं। आपने वाक-आउट किया है। (शोर एवं व्यवधान) अब आप किस तरह से बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सदन में उपस्थित भी इंडियन ने नल लोकदल के सदस्य बोलते हुए सदन से वाक-आउट कर गए।)

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Development of Bidh Kaiyar in Kaithal

***831. Sh. Shamsheer Singh Surjewala:** Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state:-

(a) whether it is a fact that the Haryana Government/Kurukshetra Development Board has decided to develop/renovate the Bidh Kaiyar area in Kaithal town;

(b) if so, the total cost of the project together with details of the works which will be executed on this site; and

(c) the time by which this project is likely to be completed?

Urban Development Minister (Sh. A.C. Chaudhary):

(a) Yes, Sir,

(b) The total estimated cost of the project is Rs. 705.08 Lacs. The works envisaged to be executed on the site are as under:-

(i) Making arrangement for stoppage of entry of dirty water and storm water of the town in the lake at a cost of Rs. 273.00 Lacs.

(ii) Laying of underground pipe line for supply of fresh canal water in the lake from Keorak Minor at a cost of Rs. 53-77 Lacs.

(iii) Development of lake which includes its excavation, earth filling, construction of steps and ghats and path stone pitching, providing of fountain & illumination at a cost of Rs. 378.31 Lacs.

(c) Works mentioned at (i) & (ii) are likely to be completed by 31.1.2008 and work mentioned at (iii) is likely to be completed by 31.03.2009 subject to the availability of funds.

श्री एस एस सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, कैथल टाउन में विरुद्ध क्यार लेक है और कुरुक्षेत्र का एरिया बहुत ही ऐतिहासिक है जहाँ पर बहुत ही ऐतिहासिक मंदिर है और ये मंदिर महाभारत

के समय के है। वहां पर बहुत से पूर्ववत चिह्न भी है जिनकी प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी है। इस बारे में कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड ने और हरियाणा सरकार ने एक ज्वायंट प्रोजेक्ट बनाया हुआ है। इस बोर्ड का फिंलान्स्यास आज से साल-डेढ़ साल पहले महामहिम गवर्नर साहब और मुख्यमंत्री चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने ज्वायंटली किया था। इसलिए इस बात का महत्व बहुत ही बढ़ जाता है क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री जी और हैड आफ दि स्टेट गवर्नर साहब की प्रैस्टिज जुड़ी हुई है। चौधरी साहब का यह कहना कि अगर फंड अवेलेबल होंगे तो इस बारे में कुछ किया जाएगा। मैं तो यह कहूंगा कि यह जो will to do की बात है। मेरा इस बारे में यह कहना है कि सरकार इस बारे में कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड से भी कहे कि वे अपने फंडस से यह काम करे। मुख्यमंत्री जी ने और गवर्नर साहब ने जब ज्वायंटली वहां पर एक पत्थर रखा है तो उसको पूरा करने के लिए फंडज की दिक्कत नहीं होनी चाहिए ऐसी उम्मीद है। दूसरी बात, मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि पहले फेज में और दूसरे फेज में जो काम भुरु हुए हैं उनके अभी तक कितने कितने परसेंट काम पूरे हुए हैं?

श्री ए० सी० चौधरी: स्पीकर सर, सरकार इस बात से भली भांति परिचित है कि कुरुक्षेत्र एक ऐसा धार्मिक स्थल है जिसको भारत देश में प्रायः सभी जातियों के लोग सम्मान की निगाह से देखते हैं। माननीय सदस्य ने जिस स्थान पर एक लेक

का जिक्र किया है सौभाग्य से वहां पर मंदिर और मस्जिद भी है। मैंने इस प्रोजेक्ट को माननीय सदस्य के आग्रह पर भुरु करके 705 लाख रुपये इसके उपर खर्च होने का फैसला किया है। प्रायः इसके जो दो भाग है वह पब्लिक हैल्थ विभाग द्वारा पूरे होने वाले है। 31 अक्टुबर तक हम इसको पूरा कर रहे है। जहां तक तीसरे भाग का प्र न है यह तो हर कोई जानता है कि कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट की आय का अपना कोई साधन नहीं है। पिछली बार भी महामहिम राज्यपाल महोदय ने जब इस बोर्ड की अध्यक्षता की थी तो इसका जिक्र आया था और इसके लिए फंडज दिए गए थे। पिछले साल भी हमने इस पर एक करोड रुपया लगाया है और दो करोड रुपये अभी और इस पर लगने का अंदाजा है। चूंकि कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड के अपने कोई आय के साधन नहीं है इसलिए हम इस बारे में सरकार पर आश्रित है। मैं आज ही अपने अधिकारियों से कहकर एक और नोट पुट कर दूंगा ताकि और फंडज मांगकर इसको पूरा कर दिया जाए। यह तो हमारा धार्मिक कर्तव्य है इसलिए सरकारी जिम्मेदारी के साथ साथ दोनों कामों को हम पूरी निश्ठा के साथ पूरा करेंगे।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि थर्ड फाईनैस कमी ान में भायद पैसा आ गया है इसलिए इस साल में और अगले साल में पैसा भी उपलब्ध हो जाएगा। चूंकि इसके साथ पूरे कुरुक्षेत्र के इलाके के लोगो की धार्मिक भावनाएं जुडी हुई है इसलिए इसमें

पैसे की दिक्कत वाली बात नहीं है। थर्ड फाईनैस कमी टान से जो पैसा आया है उसमें से पैसा महकमे को एलोकेट करवाना पड़ेगा क्योंकि के० डी० बी० के पास पैसा नहीं है।

वित्त मंत्री (श्री बिरेन्द्र सिंह): स्पीकर सर, मैं इसको क्लैरीफाई कर देता हूँ। जो डिपार्टमेंटल काम है उनके लिए कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड तो एक नोडल एजेंसी है। उसको फंडज एलोकेट कर दिए जाते हैं और फंडज की हमारे पास कोई कमी नहीं है। बात खत्म।

श्रीमति गीता भुक्कल: स्पीकर सर, पिछले सत्र के दौरान भी कलायत कपिल मुनि सरोवर पर जो निर्माण कार्य चल रहा है, के बारे में एक प्रश्न किया गया था। चूंकि इसका भी निर्माण कार्य कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड के तहत ही चल रहा है और यह 49 कोस की भूमि के अंदर ही आता है इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि इसके लिए पहली किंमत तो मिल गयी है इसलिए अब इसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है लेकिन जब रि-एस्टीमेट्स करके दोबारा से केस भेजा गया तो उसके बाद से अभी तक और पैसा इसका नहीं आया है।

श्री अध्यक्ष: आप स्पैसिफिक क्वेश्चन पूछें।

श्रीमती गीता भुक्कल: स्पीकर सर, सरस्वती नदी के बारे में बताया जाता है कि यह पहले लुप्त हो गयी थी लेकिन आजकल वहां पर पानी बहुत तेज प्रवाह से चल रहा है। इसलिए काफी

लोगो ने वहां पर रिसर्च का काम भी भुरु किया है। चमन ऋशि का जो हमारा मंदिर था उसकी दीवारे भी टूट गयी है इसलिए मेरा मंत्री जी से कहना है कि पहली कि त का तो पैसा वहां पर लग गया है लेकिन पैसे की कमी की वजह से अभी भी काम अधुरा पडा है इसलिए इसकी दूसरी कि त कब तक भेज दी जाएगी ताकि उसका कोई नुकसान न हो?

श्री ए० सी० चौधरी: स्पीकर सर, वैसे तो इस प्र न का ताल्लुक विद्ध कयार लेक से था लेकिन मेरी बहन ने एक चिंता व्यक्त की है कि कोई काम भुरु होने के साथ रुक गया है तो मैं पूरी कोि । । करुंगा कि कल ही मैं कोई न कोई अधिकारी वहां भेजकर पूरी तरह से जानकारी लेने के बाद जो भी काम हो सकने वाले होंगे और जितने समय के अंदर होने वाले होंगे उसको हम पूरी वचनबद्धता के साथ लिखकर इनको भेज देंगे ।

श्रीमती सुमिता सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय निकाय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि करनाल मे कर्णताल के नाम से एक ऐतिहासिक पार्क है जहां पर राजा कर्ण बैठकर सोने का दान किया करते थे। अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी बंसीलाल जी मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने इस पार्क को डिवैल्प करवाया था। आज के दिन उस पार्क की बहुत ही दयनीय स्थिती है जो असामाजिक तत्व है वे दिन मे उस पार्क में ता । खेलते है रात में वहां बैठकर दारु पीते है। मैं मंत्री जी ने जानना चाहूंगा कि उस पार्क का सुधार करने की सरकार की कोई योजना है?

यदि योजना है तो उसे टाईम बाउंट किया जाये। जब मंत्री महोदय पिछले दिनों करनाल गए थे तो वहाँ के लोगों ने इनको इस बारे में बताया भी था।

श्री ए० सी० चौधरी: अध्यक्ष महोदय, सवाल तो विद्ध क्यार लेक का और 48 कोसी क्षेत्र का है लेकिन मेरी बहन इस बारे में 148 कोस पर पहुँच गई है। लेकिन फिर भी मैं उनके सवाल का आदर करते हुए यह कहना चाहूंगा कि यह पार्क म्यूनिसिपल कमेटी के एरिया में आता है और सौभाग्य से यह विभाग भी मेरे ही पास है। मैं उन नाते से इतना ही कह सकता हूँ कि और इस बात से सारा सदन भी सहमत होगा कि गर्मियाँ आने वाली है और इस वक्त पानी की एक एक बूंद का हमें सदुपयोग करना है। उस लिहाज से पार्क को सिंचित करना तो लोगों को प्यासा मारने वाली बात होगी। लेकिन यह मैं अब य सुनिश्चित करूंगा कि सारे हरियाणा के अंदर जो बड़े पार्क हैं उनके सौन्दर्यकरण का सरकार पक्का इरादा रखती है। करनाल के इस पार्क को मैं स्वयं जाकर प्राथमिकता के आधार पर देखूंगा।

श्री तेजेन्द्रपाल सिंह मान: अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल भी सुरजेवाला जी के सवाल से संबंधित है। मेरे हल्के में मुंदड गांव में लवकु 1 का मंदिर है और उस मंदिर की बहुत मान्यता है। माननीय फाइनेंस मिनिस्टर साहब ने कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड के पास किया था। उसके बाद मुख्यमंत्री जी स्वयं मेरे हल्के में गए थे और उनकी जो घोशणाएं थी उनमें भी यह शामिल है। क्या

मंत्री जी या फाइनेंस मिनिस्टर साहब इस साल मे उसके विकास के लिए फंड देंगे। यह टूरिज्म का भी एक स्पॉट बन सकता है।

श्री ए० सी० चौधरी: मैं भी आदरणीय सदस्य की बात से सहमति प्रकट करते हुए माननीय वित्त मंत्री जी से कहूंगा कि कुरुक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड मे काफी लिबरल फंडिंग की जरूरत है। जब तक ऐसा नहीं होगा तब तक हम कुछ भी कर सकने मे सक्षम नहीं हो पाएंगे। अगर फाइनेंस मिनिस्टर साहब फंडिंग देंगे तो मैं काम करवाने की जिम्मेदारी अपने उपर ले लूंगा।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, आदरणीय सदस्य ने बिल्कुल ठीक बात कही है। महामहिम राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता मे लवकुश मंदिर तीर्थ के बारे मे मिटिंग हुई थी और लौहदर तीर्थ जो भुक्कल मैडम के इलाके मे आता है और एक मेरी कांस्टीच्युएन्सी मे कसूर गांव मे काया भाोधन तीर्थ के नाम से महाभारत काल से यह जुड़ा हुआ है। इन सभी के बारे में ऐस्टीमेटस बनाए गए थे और उनको रिवाइज भी किया गया है। अब जो ऐस्टीमेटस है उनके तहत इनमे अच्छा पैसा लगाया जाएगा ताकि जो काम हो तो वह लोगो को नजर आए। मैंने पहले भी कहा है कि जिन डिपार्टमेंटस ने इनको इंप्लीमेंट करना है वे इस बारे मे प्रोविजन बना करके हमें भेजें।

Number of Boosting Stations in Barwala Constituency

***851. Sh. Ranbir Singh:** Will the Water Supply & Sanitation Minister be pleased to state the total number fo

boosting stations for the supply of water in Barwala Constituency togetherwith the number of those boosting stations which are working properly?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

Sir, A statement is placed on the table of the House.

Statement

17 Boosting Stations were sanctioned for supply of drinking water in Barwala Constituency the category wise details of which are as follows:

Boosting Stations Completed=7

Rs. in Lacs

Sr No.	Name of scheme	Estt. Cost	Expenditure incurred
1	Boosting station Daulatpur	11.80	5.54
2	Boosting station Litani	12.30	7.83
3	Boosting station Prabhuwala	12.50	11.50
4	Boosting station Kapro	8.00	7.80
5	Boosting station Kheri Jalab	12.00	10.80
6	Boosting station Koth Kalan	12.75	11.80

7	Boosting station Khera	8.80	6.42
---	------------------------	------	------

Boosting Stations where work is in progress=7

Rs. in Lacs

Sr No.	Name of scheme	Estt. Cost	Upto date funds	%age achiev ement	Likely date of completio n
1	Boosting station and renovation W/S Kharak Punia	60.00	33.00	80%	2008-09
2	Boosting station Banbhuri	10.40	7.00	80%	2008-09
3	Boosting station Mirchpur	13.70	13.70	70%	2008-09
4	Boosting station Bhada	12.00	6.00	70%	2008-09
5	Boosting station Gianpura	13.00	5.00	70%	2008-09
6	Boosting station Kinnar	9.50	3.00	80%	2008-09
7	Aug. and Boosting station Barwala Town	56.95	20.00	90%	2008-09

	Total	175.5	87.70		
		5			

Boosting Stations where work is being taken in hand=1

Rs. in Lacs

Sr No.	Name of scheme	Estt. Cost	Upto date funds	Likely to complete
1	Boosting station Milkpur	13.65	2.00	2008-09

Boosting Stations where work not started due to non-availability of land=2

Sr No.	Name of scheme	Estt. Cost	Upto date funds	Likely to complete
1	Boosting station at Dhani Khan Bahadur	10.20	3.00	Land not available
2	Boosting station at Dhani Garan	8.20	8.20	Land not available

Other Works (Urban)

Rs. in Lacs

Sr No.	Name of scheme	Estt. Cost	Upto date funds	Likely to complete
1	Sewerage scheme for	720.00	175.00	Work in

	Barwala town			progress
--	--------------	--	--	----------

श्री रणधीर सिंह: स्पीकर सर, स्टेटमेंट जो दी हुई है उसके हिसाब से सात बूस्टिंग स्टे इन कंप्लीट हो चुके हैं और कार्य कर रहे हैं। लेकिन वास्तव में इनकी संख्या 17 है और 17 में से 10 बूस्टिंग स्टे इन बचे हैं। माननीय मंत्री जी ने इसके लिए समय दिया है लेकिन समय के हिसाब से 2008-09 बहुत ही लंबा समय दिया गया है। गर्मियों का सीजन आने वाला है। बरवाला कस्बे में बरवाला भाहर का जो बूस्टिंग स्टे इन है उसको जो कार्य है वह 90 परसेंट पूरा हो चुका है और एक दूसरा बूस्टिंग स्टे इन बरवाला भाहर के लिए.....

श्री अध्यक्ष: आप स्पैसिफिक क्वै चन ही पूछें।

श्री रणधीर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि कितने समय में इन बूस्टिंग स्टे इनो को बनाने का काम पूरा हो जायेगा और दूसरा बूस्टिंग स्टे इन इसी प्लान में सरहेडा के नजदीक बरवाला में बनाना है उसको बनाने का काम क्या इस वर्ष में भुरु हो जायेगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मैं सदस्य को बताना चाहूँगा कि जिन सात बूस्टिंग स्टे इनो पर काम चल रहा है, मैंने महकमे से इस बारे में बात की है उन्होंने यह बताया है कि इनका 70-80 प्रतिशत काम हो चुका है और मेरा प्रयास

यह होगा कि जुन से पहले इनका काम पूरा हो जाये ताकि गर्मियों मे पानी की दिक्कत न हो ।

Illegal selection of Deputy Director, Agriculture

***879. Sh. Karan singh Dalal:** Will the agriculture Minister be pleased to state:-

(a) whether the State Government has received any representation against the illegal selection of Deputy Directors of Agriculture by the Haryana Public Service Commission headed by Dr. K. C. Bangar in pursuance to any order and direction of Hon'ble Punjab and Haryana High Court dated 20.09.2005; and

(b) if so, the contents of the representation and the findings of the enquiry, if any and details of action taken together with the time frame granted by the Hon'ble High Court alongwith the cogent reasons for non-adherence to time frame granted by the Hon'ble Court for taking action?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha):

(a) Yes, Sir. The information is laid on the table of the House.

(b) The information is laid on the table of the House.

Information

(a) A representation was received by the Department of Agriculture Govt. of Haryana on 25.10.2005 from Dr. Som Parkash and others regarding the alleged illegal selection of

Deputy of Agriculture by the Haryana Public Service Commission (HPSC).

A requisition of 13 posts of Deputy Director of Agriculture was sent by the Government on 31.07.2003 to HPSC. Consequent to this, HPSC carried out the selection process and recommended 12 persons for appointments to the post of Deputy Director of Agriculture in the Department of Agriculture, Haryana, on 10.06.2004 and one more recommendation of Sh. Chand Ram was made on 23.07.2004. They were consequently given appointment vide appointment letters issued on 18.06.2004 and 08.11.2004 respectively.

The representation of Dr. Som Prakash and other was made pursuant to the decision of the Hon'ble High Court dated 20.09.2005 CWP No. 9789 of 2004 in which Dr Som Parkash and nine others challenged the appointment of the following as Deputy Directors in the Agriculture Department by the Haryana Public Service Commission:

S/Shri-

(i) Suresh Kumar son of Shri Sahab Singh,

(ii) Ram Partap son of Shri Jagdish Chander,

(iii) Jagdeep Singh son of Shri Devi Dayal,

(iv) Atma Ram son of Shri Chet Ram,

(v) Rohtash singh son of Shri Bhoop Singh,

(vi) Pardeep Kumar Meel son of Shri Balwant Singh

Meel,

- (vii) Manjeet Singh son of Shri Bhag Singh,
- (viii) Anil Sehrawat son of Shri Raghbir Singh,
- (ix) Surender Singh son of Shri Ram Kishan,
- (x) Surender Singh son of Shr. Ram Kanwar,
- (xi) Mahavir Singh son of Shri Jagdish Rai,
- (xii) Partap Singh son of Shri Luxmi Chand.

This writ petition was decided on 20.09.2005 with the directions to the petitioners (Dr. Som Prakash and others) to make representation to the Respondents (Govt. of Haryana) within a period of three weeks from that day so that the Govt. may look into the matter and take action if warranted at its own level. It was also made clear that proper procedure be followed at the time of the enquiry and that either party, which may fail before the Government, would be entitled to approach the Court yet again. The Secretary of the Department or his nominee not below the rank of Joint Secretary was requested to conduct the enquiry and complete the same within four months from the date the parties first appearing before him.

A C.M application was filed by the Department stating that it had been decided to entrust the enquiry to the Vigilance Department as the same is already conducting similar enquiry vide order dated 21/4/2005 against Shri K. C. Bangar, Ex-Chairman, Haryana Public Service Commission and there is no need to conduct a paralld enquiry at the level of Joint Secretary in the same matter. The application

was allowed on 24.03.2006 with the directions that the enquiry by the Vigilance Department be completed within six months.

(b) The Deputy Inspector General of Police, State Vigilance Bureau, Ambala Range was requested on 03.05.2006 to complete the enquiry within stipulated period. Since, the enquiry was not completed within the stipulated period, a COCP was filed by Sh. Pardeep Kumar which was heard on 17.10.2006 and was adjourned to 8.12.2006 for filing the reply. The Director, State Vigilance Bureau, Haryana, Panchkula submitted his enquiry report on 28.11.2006. The Hon'ble Court was accordingly informed that the enquiry report of the Vigilance Department has been received and decision in relation thereto is under process and is likely to be taken within one month. The COCP was disposed of on 8.12.2006 with a direction to take final decision in the matter on or before 31st January, 2007. It was also desired that the final outcome of the Vigilance enquiry to be communicated to the petitioners.

In the representation submitted by Dr. Som Parkash and others they had alleged irregularities in the selection of DDAs by the HPSC on which a Vigilance enquiry was carried out. The enquiry report of the Vigilance Bureau was submitted on 28.11.2006. As per the enquiry report of the Vigilance Bureau out of eight appointees under enquiry the allegations were partially/fully proved against four namely; Sh. Suresh Kumar Sh. Manjeet Singh, Sh. Chand Ram and Sh. Rajesh Sihag. Consequently, as follow up action on the enquiry report of the Vigilance Department, an order dated 6.4.2007, giving details of the decision taken on the allegation leveled was

issued by the financial Commissioner & Principal Secretary to Govt. Haryana, Agriculture Department and all the petitioners in C.W.P No. 9789 of 2004 were informed. The Govt. has decided to take action under section 420/467/468/471 of IPC against Sh. Suresh Kumar, and also under the Haryana Punishment and Appeal Rules, 1987, and to chargesheet Sh. Manjeet Singh and Sh. Chand Ram for major penalty under the Haryana Punishment and Appeal Rules, 1987. the matter relating to Sh. Rajesh Sihag was closed by the competent authority since he allegation was not proved.

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय जो घोटाले हुए जिनमे कहीं तो एच० पी० एस० सी० की सिलैव इन मे घोटाला, दूसरा जे० बी० टी० स्कैम और तीसरा जो औम प्रका 1 चौटाला जी की सरकार के समय डिप्टी डायरेक्टर, एग्रीकल्चर की भर्ती की गई वह जल्दबाजी मे की गई और नाकाबिल और निकम्मे लोगो को भर्ती किया गया जब उनको यह दिखाई दे रहा था कि उनकी सरकार अब नही आयेगी तो उन्होने अपने लोगो को जो नाकाबिल थे, जो भर्ती के लिए नियमो को पूरा नही करते थे जिनका तजुर्बा नही था जो बांगड के रि तेदार थे और जिनकी डेट आफ बर्थ ठीक नही थी उनके लिए उन्होने फाड किया और सरकार ने जानबूझकर ऐसे लोगो को भर्ती किया जो नाकाबिल थे, उनको कृशि जैसे महत्वपूर्ण विभाग मे बैठाया गया जिसके बारे मे कल एक सवाल लगा था कि कृशि का उत्पादन घट रहा है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्र जी से पूछना चाहता हूं कि जिन नाकाबिल लोगो को इतनी

बडी तादाद मे बैठा रखा है इसके बारे में हाई कोर्ट ने भी विभाग को बकायदा डायरेक्ट ऑर्डर दे दी है और कहा है कि अगर यह रिप्रैजेंटेशन में और इस रिट पेटिशन में कोई दम है तो उनके खिलाफ ऐक्ट ऑर्डर लिया जाए। हाई कोर्ट का आदेश हो चुका है और यह साबित हो चुका है कि उनमें कई नियमों को ताक पर रखा गया है और गैर कानूनी तरीके से रिट देकर इस महकमे में आये हैं तो उनको महकमे से निकाल करके उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज करें। क्या विभाग उनके खिलाफ ऐक्ट ऑर्डर लेगा और जिन अधिकारियों ने इन नाकाबिल लोगों को नियुक्त पत्र दिए हैं उनके खिलाफ भी विभाग क्यों नहीं कार्यवाही कर रहा?

Sardar H.S. Chatha: This is very unfortunate question and I am dealing it. पहले हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन ने 13 व्यक्ति सिलेक्ट करने थे लेकिन 13 में से 12 व्यक्तियों की लिस्ट भेजी थी। 12 कैंडिडेट्स में से जो नम्बर 1 पर था उसकी डेट ऑफ बर्थ गलत थी उस दिन वह व्यक्ति ओवरएज था। उसने यह लिख कर दे दिया कि मेरी डेट ऑफ बर्थ गुम हो गई है और मैं दोबारा से सबमिट कर दूंगा। उस व्यक्ति ने उस डेट ऑफ बर्थ को गुम करने की बजाए करैक्ट करने के लिए पहले भिवानी में अप्लाई किया जब वहां पर कुछ नहीं हुआ तो उसने सिविल कोर्ट में केस डाल दिया और 4 महीने की एडवांस डेट ले ली गई। He was not fit. He could not appear in the test because he was over-age on that day. दूसरा, जो अनफोचूनेटली व्यक्ति भर्ती हुआ है उसका नाम मनजीत सिंह है। मनजीत सिंह के

बारे में एक अजीब सी स्थिति है कि एक्सपीरियंस पूरा करने के लिए वह दो-दो जगह से स्कालरशिप लेता रहा और वह एक जगह तो मेरठ से स्कालरशिप लेता रहा और उन्हीं दिनों दूसरी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी लुधियाना से स्कालरशिप लेता रहा। अब यह बात समझ से परे है कि वह रातों-रात कैसे मेरठ और लुधियाना पहुंचता था और हाजरी कैसे लगती थी। तीसरा केस भी बड़ा अजीब है। पहले तो हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन ने 12 कैण्डिडेट्स की लिस्ट पहले भेजी और 13वें व्यक्ति की लिस्ट नहीं दी क्योंकि 13वां आदमी सिलैक्टेशन में आता ही नहीं था। 13वें व्यक्ति का नाम चांद राम था। वह जनरल कैटेगरी के अगेंस्ट अपीयर हुआ था लेकिन जब उसका जनरल कैटेगरी में सिलैक्टेशन नहीं हुआ तो उसने यह लिखकर दे दिया कि मुझे एक्स सर्विसमें कोटे का बेंनीफिट दे दिया जाए जबकि वह ए0 डी0 ओ की पोस्ट पर यह बेंनीफिट पहले ही ले चुका था इस प्रकार इन तीनों व्यक्तियों ने धोखा किया और धोखा करके ये सिलैक्ट हुए। यह केस हाई कोर्ट में गया, हाई कोर्ट सरकार को भेजा और सरकार ने विजीलेंस की इन्कवायरी करवाई।

श्री अध्यक्ष: धोखा किया गया या करवाया गया।

सरदार एच0 एस0 चटठा: धोखा तो उन्होंने किया, पब्लिक सर्विस कमीशन की मर्जी से हुआ वैसे तो हो नहीं सकता। मैंने अब इन तीनों को सस्पेंड कर दिया है और इनके खिलाफ केस दर्ज करवा दिए हैं इनमें से एक के खिलाफ तो केस

दर्ज हो गया है और मैं आपको विवास दिलाता हूँ कि बाकी दोनो की खिलाफ भी जल्दी ही केस दर्ज हो जाएगा।

Mr. Speaker: Now, the question hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित
प्रश्न एवं उत्तर

Construction of New Roads in Pataudi Constituency

***862. Sh. Bhupinder Chaudhary:** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government for construction of new roads in Pataudi constituency are under various schemes; if so, the names of the roads and the time by which roads are likely to be constructed?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): हां श्रीमान् जी। पटौदी से रिवाडी तक वाया जाट जार्टी, 5.40 कि० मी० की लंबाई की सडक अनुमोदित की गई है। इस कार्य के लिए निविदाएं 17.3.08 को प्राप्त होने की सम्भावना है जिसके अनुसार कार्य 6 मास में पूर्ण होना है।

Completion of Link Roads connecting neighbouring States

***903. Sh. Sahida Khan:** Will the P.W.D (B&R) Minister be pleased to state-

(a) whether there is any scheme of the Government to complete the link roads connecting neighbouring States; and

(b) if so, the time by which the road connecting Nagig (Mewat) to Tizara (Rajasthan) will be completed?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) नहीं श्रीमान् जी।

(ख) (क) को मध्येनजर रखते हुए प्र न ही नहीं उठता।

Shortage of Doctors in Ch. Bansi Lal Govt. General Hospital, Bhiwani

***868. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj:** Will the Health Minister be pleased to state:-

(a) whether the Government is aware of the fact that there is shortage of Doctors in Ch. Bansi Lal Govt. General Hospital, Bhiwani; if so the time by which the shortage of doctors is likely to be met out; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide and improve the facilities such as Cobalt-therapy, Cardiac care unit and Neonata unit in above said Hospital?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी):

(क) हां, श्रीमान् जी। 232 चिकित्सा अधिकारियों (जिस में जिला भिवानी सम्मिलित है) के रिक्त पदों को भरने के लिए मांग पत्र हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेज दिया है। जैसे ही

चयन सूचि प्राप्त होगी डाक्टरों के रिक्त पदों को भरने के लिए कार्यवाही आरम्भ कर दी जाएगी। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों को सीधी भर्ती द्वारा भरने के लिए कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

(ख) हां, श्रीमान् जी। कोबाल्ट थैरेपी यूनिट सामान्य अस्पताल, भिवानी में स्थापित किया जा रहा है। जहां तक कार्डिऐक केयर यूनिट और नियो नेटल यूनिट का संबंध है, वर्तमान पिडियाट्रिक्स और चिकित्सा विभाग को अपग्रेड करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

Upgradation of Sub-Stations

***913. Sh. Bharat Singh Chhoker:** Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the 32 KV Sub-Stations of HVPN at Dikadla and Behroli and also to upgrade the Sub-Station of Samalkha to 220 K.V; if so, the time by which these Sub-Stations are likely to be upgraded?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): बेहोली में 2x20/25 एम० वी० ए० 132/33 के० वी० क्षमता का एक नया 132 के० वी० उपकेन्द्र निर्माण करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया है। यह उपकेन्द्र मार्च, 2010 तक पूर्ण किया जाना सम्भावित है।

डिकाडला के पास गांव बेहोली मे ही 132 के0 वी0 उपकेन्द्र के निर्माण को ध्यान मे रखते हु डिकाडला मे 33 के0 वी0 उपकेन्द्र का दर्जा बढा के के0 वी0 उपकेन्द्र करने का कोई प्रस्ताव नही है ।

132 के0 वी0 उपकेन्द्र समालखा का दर्जा बढा कर 2x100 एम0 वी0 220 / 132 के0 वी0 क्षमता के साथ 220 के0 वी0 स्तर का करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है । इस उपकेन्द्र का कार्य मार्च, 2010 तक पूर्ण होना सम्भावित है ।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र न एवं उत्तर

Separate Electricity Line of Pump Houses

***919. Sh. Somvir Singh:** Will the Irrigation Minister be pleased to state:

(a) whether the Irrigation Department has taken separate electricity line for the pump houses No. 6, 7 and 8 of the Loharu canal on its own expenditure; and

(b) whether it is a fact that connections have been provided to the private tubewells from the said pump houses; if so, the time by which the said private connections will be disconnected from the electricity line of the canal?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) जी हां, श्री मान् जी। सिंचाई विभाग लोहारु नहर के पम्प हाउस सं० 6, 7 तथा 8 के लिए अपने खर्च पर एक पृथक बिजली लाईन ली हुई हैं।

(ख) जी नहीं, श्रीमान् जी। लोहारु नहर के पम्प हाउस सं० 6,7 तथा 8 से कोई निजी नलकूपों को कनेक्ट नही दिए गए हैं। यद्यपि लोहारु नहर के पम्प हाउस सं० 6 के स्वतंत्र फीडर से लोक निर्माण, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग को 5 स्थानों पर तथा औद्योगिक प्रदूषण संस्थान, बेरला को एक स्थान पर जोडा हुआ है। दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम ने आवासन दिया है कि इन कनेक्टनों को भीड़ ही हटा दिया जायेगा।

Facilities in the Stadiums in Villages

***893. Sh. Sher Singh:** Will the Minister of State for Sports and Youth Affairs be pleased to state the type of facilities which will be provided in the stadiums being constructed in the villages by the Government?

वन राज्य मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी): ग्रामीण स्टेडियमों में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जायेंगी—

1. ब्लॉक स्तरीय स्टेडियम में 400 मीटर का एथलैटिक ट्रैक, हाकी/फुटबाल/हैण्डबाल मैदान, बास्केटबाल कोर्ट, वालीबाल कोर्ट, कुत्ती, मुक्केबाजी एवं जुडो हेतु बहुउद्देशीय हाल, स्टेज, दर्शक दीर्घा, चेंजरूम, चारदीवारी व प्रसाधन सुविधाएं

है। ब्लाक स्तरीय स्टेडियम के लिए प्रि शिक्षक-कम-प्रबंधक अनुबंधित किया जा रहा है।

2. ग्रामीण स्तरीय स्टेडियम में चारदीवारी, जोगिंग ट्रैक, स्टेज, दार्क दीर्घा, चेंजरूम, 200 मीटर एथलैटिक ट्रैक, फुटबाल/हाकी/हैंडबाल मैदान, बास्केटबाल एवं वालीबाल कोर्ट की सुविधाएं हैं।

Old age pension

***897. Sh. Tajender Pal Singh Mann:** Will the Social Justice and Empowerment Minister be pleased to state the total amount paid as old age pension during the year 2006&07 and during nine months from 1.4.2007 to 31.12.2007 togetherwith the amount contributed by the Government of India during the said periods separately?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी): श्रीमान् जी, वर्ष 2006-07 के दौरान तथा 1.04.2007 से 31.12.2007 तक नौ मास के दौरान वृद्धावस्था भत्ता के रूप में अदा की गई कुल राशि तथा भारत सरकार द्वारा दी गई अंशदान राशि का पृथक पृथक विवरण निम्न प्रकार से है—

वर्ष	वृद्धावस्था भत्ता की कुल राशि	भारत सरकार द्वारा दी गई अंशदान राशि

2006-07	366.71	28.46
1.4.07 से 31.12.07	276.86	25.20

To Revive the Sub-Tehsil Station of Village Badli

***900. Sh. Naresh Sharma:** Will the Minister of State for Revenue and Disaster Management be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to revive the Sub-Tehsil status of Village Badli?

राजस्व मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल): जी, नहीं।

Establishment of Medical College at Karnal

***908. Smt. Sumita Singh:** Will the Minister for Health be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to establish a Medical College at Karnal; and

(b) if so, the time by which it is likely to be established?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी):

(क) हां, श्रीमान् जी।

(ख) आव यक धनराि ि उपलब्ध होने के बाद करनाल में चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित कर दिया जाएगा।

**Judicial Enquiry, Commission on Fire Tragedy of Dabwali
Town**

***847. Sh. Ram Kumar Gautam:** Will the Chief Minister be pleased to state:-

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

(a) the terms and conditions of the Judicial Enquiry Commission appointed to enquire into the fire tragedy of Dabwali town; and

(b) whether there was anytime bound schedule to submit the report by the said commission; and

(c) if so, the reason of delay in submitting the report.

मुख्यमंत्री (भुपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान् जी। वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

डबवाली कस्बा अग्निकांड में पीड़ितों को मुआवजा निर्धारित करने हेतु माननीय पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा सिविल याचिका नं० 13214/96 में न्यायाधीश टी० पी० गर्ग (सेवानिवृत्त) एक व्यक्ति आयोग नियुक्त किया गया जिसकी भांति निम्न है:-

1. माननीय न्यायाधीशों का आयोग, उसके वेतन व भत्ते के समान वेतन व भत्ते के (वेतन में से पैसे काटकर) हकदार होंगे।

2. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को चिकित्सा पर खर्च होने वाली राशि ले रहे हैं के समान ही चिकित्सा पर खर्च होने वाली राशि लेने के हकदार होंगे।

3. प्रतिमाह 10000 रुपये बतौर मुफ्त मकान किराया भत्ता।

4. प्रतिवर्ष 3600 मि० ली० तक मुफ्त पानी।

5. प्रतिवर्ष 10000 यूनिट तक मुफ्त बिजली।

6. प्रति माह घरेलू दूरभाष से 5000 तक मुफ्त काल व कार्यालय से असीमित दूरभाष काल का अधिकार होगा।

7. एक कार (वातानुकूलित) व 200 लि० पेट्रोल प्रति माह या वास्तविक खपत (जो भी कम हो)

8. सहायता के लिए कर्मचारीगण व कार्यालय का फर्नीचर।

जिला में कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत स्थापना के लिए जरूरी आवास व स्टाफ का प्रबंध आयुक्त हिसार मण्डल करेंगे।

वित्त वर्ष 2003-04 के दौरान मेजर हैड "2070 ओ0 ए0 एस स्पे ल कमी न आफ इंकवायरी" के अन्तर्गत खर्चा वहन किया जायेगा।

आयोग अपनी रिपोर्ट छः महीने में प्रस्तुत करेगा।

(ख) जी हां, प्रारंभ में समय सीमा छह महीने थी, परंतु माननीय उच्च न्यायालय द्वारा समय समय पर समय सीमा बढ़ा दी गई। आयोग की समय सीमा दिनांक 31.03.2008 को समाप्त हो रही है।

(ग) पीडितों के कानूनी सलाहकारों की अनुपलब्धता एवं अन्य प्रशासनिक एवं कार्य संबंधी कठिनाईयों के कारण आयोग अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर पाया।

Waiving off Electricity Bills of Farmers

***820. Sh. Sushil Indora:** Will the Power Minister be pleased to state-

(a) the details of amount of electricity bills of farmers waived off so far under the electricity bill waiving off scheme worth Rs. 1600 crores; and

(b) the number of persons to whom the no dues certificates have been issued under the said scheme to-date?

बिजली मंत्री (श्री रणदप सिंह सुरजेवाला): श्रीमान् जी, विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) आधारभूत संरचनाओं की कमी, जनसंख्या एवं गांव का कोई विशेष पहलू सामान्य तौर पर माडल गावों के चयन के लिए मानदण्ड के रूप में अपनाए गए हैं जिनमें मुख्यता गलियों का पक्का करना, नालियों का निर्माण तथा पेय जल आपूर्ति सुविधाओं का उपलब्ध करवाना शामिल है।

पंचायत विभाग द्वारा गलियों को पक्का करने व नालियों के निर्माण करने हेतु 175 करोड़ रुपये एवं पेय जल आपूर्ति सुविधाओं हेतु जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग द्वारा 41.68 करोड़ रुपये उपलब्ध करवाए गए हैं।

(ख) 91 गावों को माडल गावों के रूप में चुना गया है जिनमें से 74 गावों में विकास कार्यों को करवाने की प्रासंगिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। भोश 17 गावों के प्रस्ताव कार्यवाही अधीन है। अप्रैल, 2006 से 29.02.2008 तक खर्च की गई राशि का जिला वार ब्यौरा निम्न प्रकार से है:-

जिला का नाम	माडल गावों की संख्या	गलियों को पक्का करने एवं नालियों के निर्माण पर खर्च की गई राशि (करोड़ों में)
-------------	----------------------	--

अम्बाला	5	2.49
भिवानी	16	14.46
फरीदाबाद	1	0.10
फतेहाबाद	1	1.05
गुडगांव	1	0.05
हिसार	9	16.94
झज्जर	12	8.61
जींद	6	10.18
कैथल	6	5.58
करनाल	1	1.80
कुरुक्षेत्र	3	0.22
मेवात	2	1.71
पानीपत	1	1.80
रिवाडी	2	1.85
रोहतक	18	13.40

सोनीपत	6	2.94
यमुनानगर	1	0.42
कुल	91	83.60

इसके अतिरिक्त जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग द्वारा चयन किए गए 91 माडल गावों में से 70 माडल गावों में पेय जल आपूर्ति सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 29.02.2008 तक 33.15 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा चुकी है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Bonus for Paddy Crops

***109. Dr. Sita Ram:** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether the bonus of Rs. 50/-50/-, i.e. Rs. 100/- has been distributed to the farmers as declared by the Government on the paddy crops?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द मोहन): हां श्रीमान् जी। राज्य स्तर की खरीद संस्थाओं द्वारा 161.16 करोड़ रुपए की राशि जो अदा किए जाने वाले बोनस की राशि का 91 प्रतिशत है, संस्थाओं द्वारा किसानों को भुगतान किया जा चुका है। इसी प्रकार नीजि चावल मिल मालिकों द्वारा खरीद किए गए लेवी धान के विरुद्ध 15.71 करोड़ रुपए जो अदा किए जाने वाले बोनस की कुल राशि का 19 प्रतिशत है, पूर्ण दस्तावेजों की प्रस्तुति के

आधार पर प्रतिपूर्ति की जा चुकी है। बोनस की राशि का भूगतान दिनांक 30.09.2008 तक किया जाना है।

Amount spent under the Employment Guarantee Scheme

107. Sh. Naresh Yadav: Will the Chief Minister be pleased to state the block-wise details for the amount spent under the Employment Guarantee Scheme in district Mahendergarh?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान् जी। रोजगार गारंटी योजना के अधीन जिला महेन्द्रगढ़ में प्रारंभ से खर्च की गई राशि का ब्यौरा निम्न प्रकार से है—

क्रम सं०	ब्लाक का नाम	खर्च की गई राशि
1	कनीना	545.59
2	नांगल चौधरी	392.61
3	अटेली	516.95
4	महेन्द्रगढ़	411.84
5	नारनौल	345.89
	कुल	2212.88

Financial Help on the Marriages of Sons and Daughters of Freedom Fighters

108. Dr. Sita Ram: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any scheme of the Government to provide financial aid on the marriages of sons and daughters of the freedom fighters; if so, the amount spent so far on the marriages of the sons and daughters of such freedom fighters since the start of the said scheme?

मुख्यमंत्री (श्री भुपेन्द्र सिंह हुड्डा): जी हां, श्रीमान् जी। स्वतंत्रता सेनानियो/आजाद हिन्द फौज के सदस्यो/विधवाओ को उनकी पुत्रियो/आश्रित बहनो की भादी के लिए वित्तिय सहायता देने के बारे हरियाणा सरकार की योजना है। स्वतंत्रता सेनानियो/आजाद हिन्द फौज के सदस्यो को उनके पुत्रो की भादी के लिए वित्तीय सहायता देने बारे ऐसी कोई योजना नही है। इस स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1984 जबसे इस योजना को लागू किया गया है, अब तक 2466000 रुपये की राशि खर्च हुई है।

सदन की मर्यादा तथा गरिमा को बनाए रखने संबंधी अध्यक्ष महोदय का अवलोकन

Mr Speaker: Hon'ble Members, in a democratic setup the Members have the right to speak in a free and frank manner in the House but this right enjoins upon them the duty to restrain themselves and refrain from indulging into manhandling with other Members and creating unruly scenes in the House. The unprecedented scenes witnesses yesterday have pained me greatly and I am sure it has pained all other who have a staunch and unshakeable faith in democratic institutions. The members of the Indian National Lok Dal

made every effort to interrupt the proceedings of the House and even they did not allow their own leader to speak. Their leader Shri Om Parkash Chautala also cast aspersions on the Chair unfortunately not only once but many a times. it is not only the duty of the Speaker to maintain decorum and dignity of the House but of the other Members of various parties. The Speaker cannot perform his duty well without the whole-hearted cooperation of the Members of both the sides. The Members of the Indian National Lok Dal manhandled/misbehaved with Shri Arjan singh, a member of the BSP, keeping in view the fact that he is the lone member of his party. Had they manhandled/misbehaved with the Members of the ruling party, whose strength is more than 65, either they would have dared to manhandle/misbehave with them, or they would have got a befitting reply from them. Therefore, I feel it my duty to make it quite clear that in case of any disturbances or attempts to interfere with the proceedings of the House, these will be taken care of in accordance with the prestige and dignity of the House and the Members will not be allowed to breach the privilege of the House as it is the duty of all of us to uphold and enhance the dignity of this House. It is the duty of the Speaker to protect the interest of all the Members of all parties being a custodian of the House. I hope that the Members of Indian National Lok Dal will improve their behaviour and all the Members will cooperate me in the smooth conduct of the proceedings of this House.

अनुपस्थिती की अनुमति

(i)

Mr. Speaker: Hon'ble Member, I have received leave of absence dates 11th March, 2008 from Shri lachman Dass Arora, Industries Minister, which reads as under:-

“Speaker Sir,

As I am not feeling well, I may please be allowed leave of absence from the House today on 11^h March, 2008”

Mr. Speaker: It is the pleasure of the House that the leave of absence be granted to Shri Lachhman Dass Arora, Industries Minister to remain absent from the sitting of the House today, i.e. the 11th March, 2008?

Voices; Yes.

(The leave was granted)

(ii)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received leave of absence dated 7th March, 2008 from Shri Nirmal Singh, M.L.A which reads as under:-

“Sir,

I will not be able to attend the Session on 11th and 12th of March. Therefore, I leave of absence may kindly be granted to me.”

Mr. Speaker: It is the pleasure of the House that the leave of absence be granted to Shri Nirmal Singh, M.L.A to remain absent from the sitting of the House on 11th to 12th March, 2008?

Voices: Yes,

(The eave was granted.)

अनुपस्थिती की सूचना

(i)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a letter from Senior Secretary to Smt. Kartar Devi, Health Minister dated 11th March, 2008. that she is not feeling well and unable to attend the sitting of the House today, i.e. the 11th March, 2008.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a letter from Private Secretary to Sh. Anil Thakkar, Paliamentary Secretary, Revenue dated 11th March, 2008, that he is not feeling well and unable to attend the sitting of the House today, i.e. the 11th March, 2008.

सदस्य का नाम लेना

श्री औम प्रका 1 चौटाला: अध्यक्ष महोदय, अभी ज्यों ही मैं सदन में दाखिल हुआ आपकी तरफ से हमारे एक विधायक को नेम किया गया। कल भी हमारी पार्टी के एक सदस्य को सदन की भोश अवधि के लिए नेम कर दिया गया।

श्री अध्यक्ष: चौटाला जी, वाक-आउट करने के बाद सदन में नहीं ठहरना चाहिए। वाक आउट करने के बाद वे सदन में क्या कर रहे थे? (शोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका । चौटाला: अध्यक्ष महोदय, नेम करने के बाद हमारे उस सदस्य को सदन से बाहर ले जाया जा रहा था लेकिन पिछे से उसे सदन की भोश अवधि के लिए निश्कासित कर दिया गया, जैसा कि हमने सुना है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के सदस्यो को बोलने की अनुमति प्रदान नही की जाती और कोई सदस्य यदि बोलने के लिए खडा होता है तो आप उन पर कमेंटस कसते रहते है। आज भी पता नही आप किस किस्म के कमेंटस कस रहे है। (शोर एवं व्यवधान)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को कोई अधिकार नही है कि वे इस प्रकार के एस्पर्सन चेयरमैन साहब के प्रति कास्ट करे। ये जब भी सदन मे आते है कोई न कोई एस्पर्सन चेयर के प्रति कास्ट करते है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका । चौटाला: अध्यक्ष महोदय, सदन के सभी सदस्य सम्मानित सदस्य है। आपको यह अधिकार नही है कि आप किसी को बोलने का अवसर न दें।

श्री अध्यक्ष: चौटाला जी, अभी मैने जो पढा है, क्या वह आपने सुना है। (शोर एवं व्यवधान) आप अंग्रेजी समझते है या नही समझते।

श्री अर्जन सिंह: अध्यक्ष महोदय, क्या हम सम्मानित सदस्य नहीं हैं। कल इन्होंने मेरे साथ कौन सा सम्मान किया था। क्या आज ये वह बात भूल गये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जब हम बोल रहे होते हैं तो आप इस गारा करके दूसरे मੈंबर को खडा कर देते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: It is wrong to suggest. (Noise and Interruptions) चौटाला जी यह आपके लैवल की बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, this is seriously condemnable and objectionable. (Noise and Interruptions)

श्री अध्यक्ष: चौटाला जी, आप बहुत बड़े बाप के बेटे हो। आप सदन में इस तरह का व्यवहा करके क्यों उनका नाम मिट्टी में मिला रहे हो। (शोर एवं व्यवधान) आपको सदन की कार्यवाही में विघ्न डालने का क्या अधिकार है? Please sit down. (Noise and Interruptins) Chautala Ji, I warn you, I am on legs. Please sit down. If you don't know the decency and decorum of the House, then you please sit down. (Noise and interruptions)

श्री औम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप किसी के प्रति भी कामैंटस कसते रहते हो। (शोर एवं व्यवधान) आपकी अपनी गरिमा तो है नहीं लेकिन आप इस चेयर की गरिमा का तो

ध्यान रखें। (शोर एवं व्यवधान) हम जीरो आवर मे अपनी बात कह रहे है। क्या आपका यही तौर तरीका रहेगा। (शोर एवं व्यवधान) आपकी यही मं ता है कि हम सदन मे न आये।(शोर एवं व्यवधान) क्या आप हमारी बात नही सुनेंगे।

Mr. Speaker: Mr. Chautala, you please sit down. i warn you. (Interruptions). Nothing to be recorded.

श्री औम प्रका ट चौटाला: अध्यक्ष महोदय, *****

श्री अध्यक्ष: चौटाला जी, कल जो घटना हुई उसी को आज आप फिर क्यों दोहरा रहे है। (शोर एवं व्यवधान) प्लीज आप बैठे। (शोर एवं व्यवधान) Nothing to be recorded.

श्री औम प्रका ट चौटाला: अध्यक्ष महोदय,

Mr. Speaker: Chautala Ji, I name you. Please you may leave the House. (Noise and interruptions)

(At this stage Sh. Om Parkash Chautala, M.L.A withdrew from the House.)

वाक आउट

डा० सु गील इंदौरा: अध्यक्ष महोदय, आपने हमारी पार्टी के नेता को नेम किया है, इसलिए हम एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सीता राम: ***** (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत हि सढौरा: *****

Mr. Speaker: Nothing to be recorded.
(Interruptions)

श्री ई वर सिंह पलाका: ***** (शोर एवं व्यवधान)

श्री साहिदा खान: ***** (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Whatever they had said nothing to be recorded. (Noise and Interruptions)

At this stage all the members of Indian National Lok Dal present in the House staged a walk out from the House.)

इंडियन ने ानल लोक दल के सदस्यो के दुराचरण तथा अनुत्तरदायी व्यवहार की निंदा करना

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, इस सदन की कुछ परिपाटियां है, कुछ मर्यादाएं है, कुछ परम्पराएं है। अध्यक्ष महोदय, किसी भी हाउस का सम्मान उसके जो चुने हुए सदस्य आते है उनके व्यवहार और उनके self restraint तथा दूसरे सदस्यो के प्रति उनके सम्मान से बडा होता है। अध्यक्ष महोदय, चाहे किसी राजनैतिक पार्टी का एक सदस्य हो चाहे किसी राजनैतिक दल का बहुमत हो, सभी सदस्य इस सदन मे समान है। ये लोग एक समय यहां बैठते है। उस समय इनमे बहुत ज्यादा अहंकार और घमण्ड होता था। इनके उसी अहंकार और घमण्ड की वजह से हरियाणा की 2.50 करोड जनता ने औम

प्रकाश चौटाला को घमण्ड को अपने एक वोट की पावर से एक झटके में चकना चूर कर दिया। इनकी संख्या इतनी कम रह गई है कि आज इनका नेता रिकोगनाईज्ड विपक्ष का नेता भी नहीं बन सकता। अध्यक्ष महोदय जैसा की एक कहावत है कि 'रस्सी जल गई मगर बल नहीं गया' आज यही हालत चौटाला जी का है। अध्यक्ष महोदय, इस बात की आपने भी चर्चा की है कि कल जिस प्रकार का व्यवहार लोकदल के सदस्यों ने किया कि 8-9 सदस्य इकट्ठे होकर बहुजन समाज पार्टी के एक सदस्य के विरुद्ध खड़े हो गये। बहुजन समाज पार्टी के अगर एक सदस्य है तो कांग्रेस पार्टी चाहे एक सदस्य हो और चाहे 10 हो और चाहे वे 80 हो सबके लिए समान सम्मान चाहते हैं। आप यहां के कस्टोडियन हैं। अध्यक्ष महोदय, आप एक सदस्य को भी उसी नजर से देखते हैं जिस नजर से आप सत्ता पक्ष के सदस्यों को देखते हैं। और आप हमें 11 चाहे वह लोकदल के सदस्य हो, चाहे वे भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हो, चाहे वे निर्दलिय सदस्य हो, आपने हमें 11 सभी को एक नजर से देखा है और आप सभी को लगातार मौके देते रहे हैं। अध्यक्ष महोदय कई बार तो सत्ता पक्ष के लोगों को यह भी लगता है कि जैसे उनके साथ पक्षपात हो रहा है जैसे आपने 16 सप्लीमेंटरी में से केवल 10 लोकदल के साथियों को पूछने की इजजात दी। परंतु अध्यक्ष महोदय, श्री औम प्रकाश चौटाला जी ने यह निर्णय कर रखा है कि वे इस सदन को सुचारु रूप से नहीं चलने देंगे क्योंकि जब तक वे सदन में नहीं आते इस सदन की कार्यवाही बहुत सलीके से, पूरी तहजीब से, बहुत अदब

से एक दूसरे के प्रति परस्पर सम्मान की भावना रखते हुए चलती है। राजनीति में मतभेद होते हैं। हमारी और उनकी विचारधारा मेल नहीं खाती यह सच है हमारे और बहुजन समाज पार्टी की विचारधारा भी मेल नहीं खाती परंतु उसका यह मतलब नहीं है कि हम राजनीति के मानदण्ड हैं, जो इस सदन की मर्यादाएं हैं उनका घोर उल्लंघन करें। किसी का सम्मान ही न करें और यहां तक स्थिति पहुंच जाये कि हम किसी माननीय सदस्य को भारीरिक तौर पर नुकसान पहुंचाने तक उतारु हो जाए और अनर्गल भाशा का इस्तेमाल करें। श्री औम प्रकाश चौटाला जी जब भी इस सदन में आते हैं वे यह मन बनाकर आते हैं, वे आने से पहले ही स्पीकर के लिए एस्पर्सन कास्ट करना भुरु कर देते हैं और जाते समय तक यही उनका व्यवहार और रवैया रहता है। वे इस सदन को भी उस रंग के अंदर रंगना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, आपके संरक्षण में यह संभव नहीं है। इस सदन की मर्यादा, इस सदन की परिपाटी, इस सदन की परम्परा और उनका निर्वहन आपके संरक्षा के अंदर सभी दलों को सदस्य करेंगे। मेरा आपकी अनुमति से इस सदन से अनुरोध है कि ऐसा व्यवहार जो आज भी श्री औम प्रकाश चौटाला और उनकी पार्टी का रहा है, आज भी चेयरमैन साहब के साथ जिस प्रकार वे अपमान की भाशा का लगातार इस्तेमाल करते रहे और कल भी जो उनका व्यवहार रहा उसके ध्यान में रखते हुए इस सदन को सर्वसम्मति से श्री औम प्रकाश चौटाला और उनकी पार्टी के इस व्यवहार को कंडैम करना चाहिए।

शिक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): स्पीकर सर, हरियाणा के लोग अपने इलाके की और प्रदेश की भलाई के लिए हमें अपने वोट के माध्यम से चुनकर भेजते हैं। इस हाउस में बैठने के बाद चेयरमैन साहब पर बैठे स्पीकर सर, सभी सदस्यों को सम्मान की दृष्टि से अपने हलके और प्रदेश की समस्याओं पर बोलने का आदेश देते हैं। इसी प्रकार से हम सभी सदस्यों का भी यह कर्तव्य बनता है कि हम चेयर के आदेशों की पालना करते हुए और स्पीकर साहब का सम्मान करते हुए उनके हर आदेश को मानें। हमें बोलने का आदेश मिले तो हम बोले और बैठने का हुक्म हो तो बैठ जाए। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस हाउस में दोनों तरफ बैठने का मौका मिला है। 50 प्रतिशत टाइम मिला मुझे रूलिंग की तरफ बैठने का और 50 प्रतिशत के करीब टाइम मिला विपक्ष में बैठने का। श्री औम प्रकाश चौटाला 5 साल इस सदन में लीडर ऑफ दी हाउस रहे उस समय मैं विपक्ष में बैठता था और उनके पिता चौधरी देवी लाल जी भी जब विधान सभा में लीडर थे उस वक्त भी मैं विपक्ष में बैठता था। लेकिन अध्यक्ष महोदय, विपक्ष में बैठते हुए हमने कभी भी चेयरमैन साहब की अवहेलना नहीं की बल्कि आदर और सम्मान किया। मैं यह कह सकता हूँ कि पूरे पीरियड में कभी भी स्पीकर को यह मौका नहीं दिया कि हमें हाउस से निकाला जाये या नेम किया जाये। विपक्ष में बैठते हुए चेयर का सम्मान किया। अध्यक्ष महोदय, ऐसा मौका तो ऐसा आया कि उस समय चौ० देवी लाल मुख्यमंत्री थे और मैं विपक्ष में होने के नाते सरकार के खिलाफ जनता की भलाई के लिए हाउस में

आवाज उठाता था। मैंने पूरे तथ्यों के साथ जो सवाल मुख्यमंत्री जी से पूछा था उस पर बहुत हंगामा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, यह बात रिकार्ड है कि हाउस एडजर्न हो गया था। जब दोबारा हाउस भुरु हुआ तो मुख्यमंत्री जी ने उस सवाल का जाब दिया और यह कहा कि श्री मांगे राम गुप्ता जी, जो कि विपक्ष के विधायक है और उन्होंने सरकार पर जो उंगली उठाई है, हमने पूरी तसल्ली की है, उसमें पूरी सच्चाई है। उन्होंने अधिकारियों को हुक्म दिया कि गुप्ता जी ने जो बात कही है उस पर पूरा अमल होना चाहिए और सरकार की तरफ से इस बारे में कोई मुखलफत नहीं होगी। इसलिए मैं यह बात कह रहा हूँ कि विपक्ष के विधायक भी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने हलके के लिए, प्रदे 1 के लिए और जनता के लिए ठीक तरीके से अपनी बात इस हाउस में कहें तो मुझे नहीं लगता कि कोई स्पीकर किसी भी सदस्य को बाहर निकालेगा या नेम करेगा। सभी सदस्यों का यह कर्तव्य बनता है कि वे सैंसिबल होकर बैठें, दिमाग में किसी प्रकार का धमंड नहीं होना चाहिए। कोई बहुत बडा लीडर बनकर हाउस में बैठने की बात कहे और यह कहे कि जैसे मैं कहूँ वैसे यह हाउस चले। यह काई अच्छी प्रथा नहीं है। हम इस बात की तसलीम करते हैं कि जब से आप इस चेयर पर बैठे हैं आपने सभी सदस्यों को बराबर का समय दिया और सम्मान दिया। आपसे मेरी विनती है कि इसी तरह की प्रथा को कायम रखते हुए हाउस के प्रत्येक सदस्य को अपने हलके की समस्याओं को उठाने का पूरा मौका दें ताकि हम

अपने फर्ज को पूरा करते हुए हल्के की जनता का पूरा वि वास जीत सकें। यही मैं कहना चाहता था। धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि प्रदेश में लम्बे अर्से तक जो मुख्यमंत्री पद पर रहने के बावजूद अपने पद की गरिमा को ही नहीं समझ पा रहा है। अध्यक्ष महोदय, पूरा सदन देख रहा है कि श्री औम प्रकाश चौटाला जी जब आते हैं तो आपके प्रति और दूसरे सदस्यों के प्रति जानबूझ कर गलत भावों का इस्तेमाल करते हैं यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है। ऐसा लगता है कि जो उनकी गुस्ताखियां हैं जो उनकी काली करतूतें इस हरियाणा में रही हैं, जिस बेहुदा तरीके से प्रदेश को उन्होंने लाठी से हांका है और प्रदेश को बदनाम किया है उससे ऐसा लगता है कि आज की सरकार के सामने आने की इनकी हिम्मत नहीं हो रही है। इस सरकार का मुकाबला करने की इनकी हिम्मत नहीं हो पा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध है कि अगर ये इसी तरीके से भागते रहे तो यह तो इनकी अपनी चाल है। आप बड़े दिल के मालिक हैं, आपने इतना अच्छा सदन बना कर दिया है मेरा आपसे अनुरोध है कि इस सदन की मर्यादा को देखते हुए अगर आप ठीक समझे तो सभी दलों के विधायकों की एक बैठक आप अपने चैम्बर में बुलाएं। उसमें आप श्री औम प्रकाश चौटाला जी को भी बुलाएं, बहुजन समाज पार्टी के सदस्यों को भी बुलाएं, भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को भी बुलाएं और हमारे कांग्रेस के

सदस्यों को भी बुलाएं और ये जो बेहुदगी कर रहे हैं यह नहीं होनी चाहिए। प्रदेशों के लोग उम्मीद करते हैं कि बजट से इन में उनके दुःख तकलीफों की चर्चा होगी। सरकार की कारगुजारियों की जानकारी लोगों को मिलेगी। सरकार ने लोगों के लिए बजट में क्या क्या सपने संजोये हुए हैं उसकी जानकारी लोगों को मिलेगी। स्पीकर सर, ये लोग जानबूझ कर क्वैचन आवर की कार्यवाही को डिस्टर्ब कर रहे हैं और सदन की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। यदि आप ठीक समझते हैं तो आप उन लोगों को एक और मौक दें ताकि वे आकर सदन की कार्यवाही में हिस्सा लें। यह सारा हाउस आपकी फाखदिली को देख रहा है। आप सारी पार्टियों के प्रतिनिधियों को अपने चैम्बर में बुलाए। चौधरी औमप्रकाश चौटाला जी को बुलाएं, बी एस पी, बी जे पी और कांग्रेस के हमारे पार्लियामेंटरी अफेयरज मंत्री जी और निर्दलिय साथियों में से जिसे भी आप मुनासिक समझे बुलाएं और उनसे बात करें। यदि इन लोगों की तरफ से ठीक बिहेव करने का आवासन मिलता है तो आप इस बारे में कोई निर्णय लें।

श्री नरेन्द्र यादव (अटेली): अध्यक्ष महोदय, आज और कल विधान सभा में जो कुछ हुआ वह अफसोसजनक है। हमारे माननीय सदस्य श्री अर्जुन सिंह के साथ जिस प्रकार का व्यवहार हुआ अगर सारे सदस्य और निर्दलिय साथी नहीं पहुंचते तो कल एक बड़ा हादसा हो जाता और उस हादसे के कारण हमारा प्रदेश भी यूपी और बिहार की विधान सभाओं की तरह बदनाम हो

जाता। कल यह हादसा होने से बच गया। आज इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात चल रही थी। एक तरफ हमारे भाई हिसार सिरसा में इस बात की परे पानी से परे पान थे कि वाटर लागिंग हो रही है और सेम की समस्या हो रही है। वे लोग पानी को निकालने के लिए परे पान हो रहे थे। इस बार भी वहां पर कृषि मेला लगा था और वहां पर कृषि मेले में कृषि मंत्री जी गए थे वहां पर 10 हजार किसान आए थे और उन्होंने मांग की कि हमारा वाटर लैवल बहुत उपर आ गया है दूसरी तरफ हमने सप्लीमेंटरी की थी कि दक्षिणी हरियाणा में जो पानी का लैवल नीचे जा रहा है इस समस्या को क्या समाधान हो सकता है। हांसी बुटाना नहर ही एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हमें पानी मिल सकता है। मैंने इस बारे में मंत्री जी से इतना ही जानना चाहा था कि इस नहर के बनने में क्या परे पानी है, क्या रुकावट है। इस बारे में माननीय मंत्री जी ने कहा था इसमें रुकावट कोर्ट कचहरी की है। अध्यक्ष जी कोर्ट कचहरी की जो रुकावट है वह सभी लोग जानते हैं, सभी मैम्बरज जानते हैं कि उसके अंदर रुकावट पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल है या दूसरे हमारे माननीय सदस्य है। हमारे माननीय सदस्य सदन में आए और इस बात को बताएं कि हांसी बुटाना लिंक नहर लोगों के हित में बन रही है। कुछ लोग उसका विरोध कर रहे हैं। पानी हमारी जीवन रेखा है। जो लोग इसके बनने में बाधा डाल रहे हैं उसका विरोध कर रहे हैं उनका बहिष्कार होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हाउस में इस प्रकार की वारदात दोबारा नहीं होनी चाहिए। इस बारे में माननीय

कर्ण सिंह दलाल जी ने जो सुझाव दिया है मैं उसका समर्थन करता हूँ। (विघ्न)

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move a resolution.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):
Sir, I beg to move-

That this House condemns the misbehaviour and irresponsible attitude of the members of the Indian National Lok Da and the unruly scenes created by them yesterday the 10th March, 2008.

Mr. Speaker: Is it the pleasure of the House to adopt the resolution moved by the Parliamentary Affairs Minister condemning the misbehaviour and irresponsible attitude of the Members of Indian National Lok Da?

Voices: Yes, Sir,

Mr. Speaker: motion moved

That this House condemns the misbehaviour and irresponsible attitude of the members of the Indian National Lok Da and the unruly scenes created by them yesterday the 10th March, 2008.

Finance Minister (Sh. Birender Singh): Sir, I want to speak. स्पीकर सर, यहां पर एक बात बार बार दोहराई जाती है और हाउस की परम्पराएं, हाउस की मर्यादा और आगस्ट हाउस की बात कही जाती है। पहले तो हमें यह देखना है कि ये

मर्यादाएं ये परम्पराएं, ये मुल्य क्या है। अध्यक्ष महोदय, मैं 1977 से इस हाउस का मैम्बर हूं। हमने परम्पराएं तो डाली नहीं। जो भी यहां पर ट्रेजरी बेंचिज पर बैठते हैं वे विपक्ष को बुलडोजिंग करने की कोशिश करते हैं अगर विपक्ष कभी भासक्त और मजबूत हुआ तो जो कोई अभद्र भाशा बोल सकता है उन्होंने उसका इस्तेमाल किया। मैं खुद यह महसूस करता हू। इस कान्फ्रेंस का जिक्र भाई कर्ण सिंह दलाल जी ने भी किया था, यह कान्फ्रेंस थी All India Conference of Presiding Officers, chief minister, Ministers, Ministers, Ministers for Parliamentary Affairs, leaders and Whips of the parties on "Discipline and Decorum in the Parliament and Legislative Assemblies". This conference was held in the year 2001 at New Delhi and after that there were repeated meetings of the different whips from all over the country. सर, अल्टीमेटली इन कान्फ्रेंस का कन्कलूजन यह निकला कि पार्लियामेंट की सीटिंगज 110 होनी चाहिए। बडी स्टेट्स की सीटिंगज 90 होनी चाहिए और जो छोटी स्टेट्स हैं उनकी सीटिंगज कम से कम 50 होनी चाहिए। सर, कल आपने भी पढकर सुनाया था कि हरियाणा में पिछले पांच साल में जब चौटाला साहब की सरकार थी तो उस वक्त बजट सैशन की 16, 15, 14, 9 या 8 ही सीटिंगज हुई थी। यही नहीं कांग्रेस की गवर्नमेंट के वक्त में भी कोई ज्यादा सीटिंगज नहीं होती थी। सर, जो भी चीफ मिनिस्टर की सीट पर बैठता था उसकी कोशिश होती है कि सैशन जल्दी से रैप-अप हो, खत्म हो। सर, अगर आप हाउस की 50 सीटिंगज करना चाहते हैं तो हमें यहां पर नई परम्पराएं डालनी

होंगी। अगर हम यह कहें कि यह हमारी हाउस की परम्परा है, 40 साल हरियाणा को बने हुए हो गए है और साल की हाउस की एवरेज सीटिंग्ज 16 है तो इससे भार्मनाक बात कोई और नहीं हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी यहां पर कहा था कि महाराष्ट्र विधान सभा का नागपुर और मुम्बई मे दो जगह सै इन होता है और उनकी 108 एवरेज सीटिंग्ज होती है। सर, आपने हाउस की रैनोवे इन करवाई है, यहां पर कहा था कि यहां पर नई सीटस लगवाई है, अपने कमरो की भी रैनोवे इन करवाई है और वहां पर भी नया फर्नीचर वगैरह लगवाया है यदि हम इन कुर्सियों का 50 दिन भी प्रयोग नहीं कर सकते है और हम यह समझते है कि ये कुर्सियां सिर्फ 16 दिन या 10 दिन के प्रयोग के लिए ही बनी है तो मै नहीं समझता हूं कि We are doing justice with out people. मै आपसे यह भी गुजारि । करता हूं कि I totally agree with Mr. Karan Singh Dalal that you must call all the M.L.As of all the leader of the parties so that a decision can be taken. यह नहीं हो सकता है कि हमें कई आदमी अच्छे लगते है या कई बुरे लगते है। अब रणदीप सिंह सुरजेवाला जी है इन्होने 3-4 इलैक् इन औम प्रका । चौटाला जी के सामने लडे है। इसी तरह से हमारी कोई भी पुरानी पार्टी हो सकती है, डांगी साहब, की पुरानी पार्टी थी औरो की भी दूसरी पार्टी हो सकती है। अगर हम इलैक् इनो को आधार मानकर यहां पर कोई बात करें ओर सोचें कि हाउस हमारी विल पर चले तो यह अन्फोरचुनेट होगा कि हम हाउस की कार्यवाही को छोट कर दें तो I don't

subscribe to this. यदि हम डिबेट का जो स्तर है, उसको नीचे ले जाएं तो यह बिल्कुल ठीक नहीं होगा। माफ करना सर, कल जब औम प्रका 1 चौटाला जी बोल रहे थे यदि आप उनको बोलने देते तो वे ज्यादा समय नहीं बोल सकते थे क्योंकि वे तैयारी करके नहीं आये थे। स्पीकर सर, इन चीजों का बहुत असर हरियाणा के लोगों पर पड़ता है। बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो हम सरकार को नहीं बोल सकते हैं। बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो हम यहां पर मंत्री बनकर खड़े होकर नहीं बोल सकते हैं। सर, 50 दिन की सीटिंग्स बहुत बड़ी होती है। 50 दिन means 200 घंटे। अगर इन 200 घंटों में हम हरियाणा के लोगों का चित्रण कर सकें। तो करना चाहिए। सभी विधायक मिलकर कर सकें, एज ए ग्रुप कर सकें। सभी पालिटिकल पार्टिज कर सकें तो हम हरियाणा के लोगों में एक संदेश दे सकेंगे। एग्जीक्यूटिव पर हमारी डिपेंडेंस नहीं है। हमारी डिपेंडेंस तो उस पर है जिसके अध्यक्ष स्पीकर साहब आप स्वयं हैं। जिनके नीचे 90 एम0 एल0 एज0 बैठकर हरियाणा की विभिन्न समस्याओं पर विचार रखते हैं और सुझाव देते हैं उन सुझावों को अगर आप ठीक मानते हैं और यदि सरकार उनको ग्रहण करती है तो हरियाणा के लोगों को उसका फायदा होता है। मेरा आपसे बस इतना ही अनुरोध है कि आप इनको हाउस में बुला लें और इनसे पूछ लें।

श्री अध्यक्ष: बुला तो लेंगे लेकिन उनको लाएगा कौन?
औम प्रका 1 चौटाला बी0 ए0 सी0 के भी मैम्बर है but he has

not attended even a single meeting. दलाल साहब, अगर आप उनकी गारंटी ले लें तो I wil call a meeting.

श्री कर्ण सिंह दलाल: स्पीकर सर, आप मीटिंग बुला ले उसमें अगर वह आए तो ठीक है और अगर न आए तब आप देख लेना।

श्री बिरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, आप मीटिंग बुलाओ। अगर वे उसमें न आए तो न आए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वे उसमें न आए तो आप मीटिंग ही न बुलाए। आप मीटिंग बुलवाओ और उनसे कहो कि भई, आप आ जाएं, आप आकर मामला भागेट आउट करें।

श्री अध्यक्ष: ठीक है, मीटिंग बुला लेते हैं उस मीटिंग में आप भी आए और बी० जे० पी० की तरफ से मलिक साहब आ जाएं। इसी तरह से इस मीटिंग में एक बी० एस० पी० के विधायक, आजाद विधान और मांगे राम जी भी आए।

श्री बिरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, बी० जे० पी० वालों से तो पूछ लो कि अगर इन्होंने उनसे समझौता करना है तो फिर इनकी भी जरूरत नहीं है।

श्री अध्यक्ष: हम आज ही साढ़े चार बजे मीटिंग बुला लेते हैं या फिर कल नौ बजे मीटिंग बुला लेते हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर सर, मेरी भी आपसे यही रिक्वैस्ट है कि आप कल नौ बजे मीटिंग रख लें।

श्री कर्ण सिंह दलाल: स्पीकर सर, आप इस मीटिंग का नोटिस इ ़ु करवा दीजिए।

श्री बिरेन्द्र सिंह स्पीकर सर, अगर आप मेरे को बुलाना चाहते हैं तो फिर यह मिटिंग आज ही बुला लें क्योंकि कल मैं तो यहां पर नहीं रहूंगा।

Mr. Speaker: Question is-

That this House condemns the misbehaviour and irresponsible attitude of the members of the Indian National Lok Dal and the unruly scenes created by them yesterday the 10th March, 2008.

The motion was adopted unanimously.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under rule 121, regarding nominations of various Committiees.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):
Sir, I beg to move-

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate ot the constitution of the-

- (i) Committee on Public Accounts;
- (ii) Committee on Estimates;
- (iii) Committee on Public Undertaking; and
- (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Schedules Tribes and Backward Classes;

for the year 2008-2009 be suspended.

Sir, I beg to move-

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2008-2009, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the-

- (i) Committee on Public Accounts;
- (ii) Committee on Estimates;
- (iii) Committee on Public Undertaking; and
- (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Schedules Tribes and Backward Classes;

for the year 2008-2009 be suspended.

Sir, I beg to move-

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committies for the year 2008-2009, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Question is-

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertaking; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Schedules Tribes and Backward Classes;

for the year 2008-2009 be suspended.

Sir, I beg to move-

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committies for the year 2008-2009, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussin on the Governor's Address will resume. Smt. Geeta Bhukal was on her eegs. Smt. Bhukkal may continue her speech.

श्रीमती गीता भुक्कल (एस० सी० कलायत): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्यवाद करती हूँ। सबसे पहले इस गरिमामय सदन में जो आपकी गरिमामय चेयर है मैं उसका भी अभिनन्दन करती हूँ। आपने इस विधान सभा भवन का रैनोवे बन करके जो इसका कायाकल्प किया है। इस बात के लिए महामहिम राज्यपाल महोदय ने भी धन्यवाद किया। हम इस बात के लिए आपका स्वागत करते हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण के दौरान सदन में बार बार मेजे थपथपाई गई, सीमा सदस्यों ने मेजे थपथपाई ओर जो कार्य हुए हैं उनके होने का पूरा प्रमाण दिया। हरियाणा प्रदेश में जो प्रगति और विकास के कार्य चल रहे हैं उन पर चर्चा क्यों न हो। हरियाणा में बड़ी तेजी से बिजली के उत्पादन के कार्य चल रहे हैं। न केवल हरियाणा में बल्कि दूसरे राज्यों में भी यहां हो रहे विकास कार्यों की ओर जो स्कीम यहां चलाई जा रही है उनकी चर्चा हो रही है। केन्द्र सरकार का जो बजट आया है और सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये के ऋण माफ करने की घोषणा की है मैं उसका स्वागत करती हूँ। हमारा जो हिन्दुस्तान है वह सारा गांवों में बसता है। गांव के किसान के दुखदर्द की किसी ने यदि

सीमा की है तो वह हमारी यूपीए की चेयरपर्सन माननीय श्रीमती सोनिया गांधी जी ने व प्रधानमंत्री डा० मनमोहन सिंह ने की है। हमारे हरियाणा प्रदेश के यशवी मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने संभाल की है। हमारी पार्टी के सांसद और विधायकगणों ने हमारी यूपीए की चेयरपर्सन से किसानों की दुर्दशा पर चर्चा की थी और उसी का यह नतीजा हुआ कि केन्द्र सरकार ने बजट में किसानों का 60 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। हमारी केन्द्र सरकार ने इसके लिए पहले से कोई वायदा नहीं किया था लेकिन यह कर्ज माफ करके अपना पूरी तरह से किसान हितैशी होने का प्रमाण दिया है। हमारी सरकार की हमें 11 से ही सोशल सैक्टर के उत्थान और इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवैलपमेंट की प्रयोरिटी रही है। हमारी सरकार ने विशेष तौर से कृषि क्षेत्र में बहुत से ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। पिछली सरकार में आपने देखा होगा कि खोखले वायदे करते रहे, किसानों पर गोलियां चलवाईं लेकिन हमारी सरकार ने तीन साल के भासन काल में सच्ची किसान हितैशी सरकार होने का पक्का प्रमाण दिया है और जो किसानों के दुःख के आंसू थे वे खुशी के मोती बनकर उभरे हैं। किसान आज बहुत ज्यादा खुशहाल हैं। सार्वजनिक कार्यों के लिए हमारी सरकार जो भूमि अधिग्रहण करती है उसके लिए फ्लोर रेट जो सरकार ने फिक्स किया है वह सबसे अधिक है। रिहैब्लिटेशन पॉलिसीज जो अभी हाल ही में हमारी स्टेट में नोटीफाई हुई हैं उनके मुताबिक किसान भी हमारे लेजिटिमेट पार्टनर बनते हैं। इसके लिए मैं हमारी सरकार का तहेदिल से

धन्यवाद करती हूँ। इस अवधि में हां कहीं भी प्राकृतिक आपदायें आईं तो हमारे मुख्यमंत्री जी ने स्वयं उन एरियाज का दौरा किया और तुरंत राहत कार्य करवाए व सबसे ज्यादा मुआवजा किया। गन्नौर में हमारी सरकार मार्किटिंग बोर्ड के द्वारा सबसे बड़ी टर्मिनल मार्किट बनाने जा रही है। जो कि 500 एकड़ एरिया में बनेगी। यह सबसे बड़ी होलसेल मंडी होगी और उसमें ऐग्री माल्स होंगे। यह प्रोजेक्ट भी हमारी सरकार को पास पैंडिंग है। इससे भी सरकार ने किसान और गरीब हितैशी होने का प्रमाण दिया है। भारु में ही हमारे मुख्यमंत्री जी ने सत्ता संभालते हुए एक कलम से किसानों के 1600 करोड़ रुपये के बकाया बिजली के बिल माफ किये। इसके अलावा जो कर्जा हमारे गरीबों ने और किसानों ने लिया हुआ था उसका ब्याज माफ किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के दौरान जो किसान कर्जा नहीं चुका सकते थे उनको गिरफ्तार कर लिया जाता था। हमारी सरकार ने सत्ता संभालते ही इस काले कानून को खत्म किया है। इसके अलावा जो ऐतिहासिक फैसला माननीय यू पी ए की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी ने लिया है वह है 6000 करोड़ रुपये का कर्जा माफ करना। जिससे सही मायनों में जो हम किसानों को धरती पुत्र कहते हैं आज वे हमने खुलाहाल बनाये हैं। आपने देखा होगा कि इस फैसले से खुलाहाल होकर हमारे किसान दिल्ली के रामलीला मैदान में हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में श्रीमती सोनिया गांधी और माननीय प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करने पहुंचे थे। आज हमारे किसानों को अपनी जमीन का इतना

ज्यादा मुआवजा मिला है कि वे खु तहाल हो गये है। हमारी सरकार ने किसानो की समस्याओ के समाधान के लिए किसानो को मोबाइल सेवा उपलब्ध करवायी है क्योंकि हमारे ज्यादातर किसानो के पास आजकल मोबाइल है। उस मोबाइल सेवा का नम्बर 9915862026 है और वे इस मोबाइल सेवा के माध्यम से सरकार को एस एम एस कर सकते है इसके अलावा सरकार ने एक टोल फ्री नम्बर 1551 भी किसानो के लिए उपलब्ध करवाया हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारो के समय चाहे वह केन्द्र की सरकार रही हो या हरियाणा राज्य की सरकार, उन सरकारो ने किसानो के साथ हमे ता भददा मजाक किया है। इसके अलावा हमारी सरकार ने किसानो के दर्द के आंसू पौंछे है। अब मै अपने हल्के कलायत के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगी। कलायत क्षेत्र पिछले 20-25 सालो से काफी पिछडा क्षेत्र रहा है इस दौरान कलायत हल्के मे कभी भी टेल तक पानी नही पहुंचा और हमारे पडोस का हल्का श्री औम प्रका त चौटाला जी का था लेकिन उन्होने हमारे हलके मे कभी भी कोई विकास कार्य नही करवाया। लेकिन हमारी सरकार ने और माननीय सिंचाई मंत्री जी के प्रयास से आज कलायत हलके के हर क्षेत्र में टेल तक पानी पहुंच रहा हैं। इस समय एस वाई एल कैनाल का निर्माण कार्य अभी पैडिंग पडा है और हांसी बुटाना लिंक नहर का कार्य जोर भाोर से चल रहा है। दादुपुर नलवी परियोजना का कार्य प्रगति पर है। पिछले तीन सालो मे हमारे सीसर माईनर पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है ओर उसमे पानी चल रहा है, बालू सैंडिल और कपिलमुनि

माईनर का कार्य प्रगति पर है। अब सब जगह रिपेयर और रिमाडलिंग का कार्य पूरे जोरो से चल रहा है। अब मैं वाटर सप्लाई और सैनीटे इन के बारे में बात कहना चाहूंगी। हमारी सरकार प्रतिबद्ध है वह हर भाहर मू और हर गांव में पीने का पानी पहुंचाने के लिए पूरे प्रयास कर रही है। हम स्वच्छ जल और पीने का पानी देने के लिए पूरे प्रयासरत हैं। पिछले दिनों श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्मदिवस पर 19 नवम्बर को श्रीमती सोनिया गांधी जी ने जींद की रैली में इंदिरा गांधी पेयजल योजना की शुरुआत की थी। इस सदन में इस बात की चर्चा है कि गांवों में जब भी पानी पहुंचाया जाता है तो अनुसूचित जाति के लोगों तक पानी नहीं पहुंच पाता था। लेकिन हमारी सरकार ने एक ऐतिहासिक घोशणा की है कि हरियाणा के गांवों में रहने वाले 8 लाख अनुसूचित जाति के परिवारों को मुफ्त पानी, टैंक और टूटी के लिए प्लेटफार्म दिया जायेगा। इस समय साढ़े तीन लाख परिवारों को मुफ्त पानी के कनेक्शन दे दिये गये हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है। इस समय चारों तरफ वाटर वर्क्स बनाये जा रहे हैं, बुस्टिंग स्टेशन लगाये जा रहे हैं, जहां पानी नहीं पहुंच पाता था वहां पानी पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। आज घर घर में पानी दे दिया है। पहले हमारी माता बहने सिर पर मटका रख कर पानी भरती नजर आती थी। लेकिन आज वे घरों में ही कपड़े धोती नजर आती हैं और घरों में ही भैंसे और गायों को नहलाती नजर आती हैं। लेकिन केवल मात्र अगर कुछ डिपार्टमेंट इसमें पंचायती राज, पी डबल्यू डी और पब्लिक हेल्थ ये सब विभाग आपस में

कोआर्डिनेट करे तो यह काम आसान हो सकता है क्योंकि इस समय विकास कार्य प्रगति पर है। हर जगह भी ठीकी तरह गलियां बन रही है। अगर उस समय पाईपलाईन बिछाई जाये और कंसर्ड भाग को इसकी इन्फर्मेंशन दे दी जाये तो जो बाद में सरकार के लोसिज होते हैं वे नहीं हो सकेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार इस समय बिजली के मामले में बहुत चिंतित है। इस पर बहुत गंभीरता से कार्य किये जा रहे हैं। वैसे तो सत्ता के लिए लड़ाई हमें आती रही है लेकिन ये बिजली की कमी जो है यह पिछली सरकार का करा धरा है। पिछली सरकार के दौरान बिजली की कमी की जह से लोग धरने देते थे और जलूस निकालने की कोशिश करते थे, ये लोग दुनिया को बहकाते थे लेकिन इनकी सरकार के दौरान कोई भी बिजली का संयंत्र इन्होंने नहीं लगाया। हमारे मुख्यमंत्री श्री भुपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने इस समय क्षेत्र में बहुत काम करवाए हैं। 300 मैगावाट के पावर प्लांट से एक नवम्बर 2007 से बिजली उत्पादन शुरू हो गया है। दूसरा 300 मैगावाट के पावर प्लांट से मार्च 2008 के आखिर तक बिजली का उत्पादन शुरू हो जाएगा। राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट खेदड का शिलान्यास डा मनमोहन सिंह ने किया है और उसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। 1500 मैगावाट का एक कोड बेस्ड पावर प्लांट का झज्जर में शिलान्यास यू पी ए अध्यक्षा सोनिया गांधी ने पिछले दिनों किया है और उसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। उसके साथ साथ 1200 मैगावाट का एक पावर प्लांट झज्जर में लगाने का

प्रपोजल पैडिंग है। हमारी सरकार ने जितनी भी पुरानी तारे थी और टूटी हुई तारे थी उनको बदलने की मुहिम चलाई हुई है। गावों में पहले टूटी हुई तारों की जह से बहुत से हादसे होते थे। गावों में जगह जगह पर जो ट्रांसफार्मर्ज जल गए थे उनको बदलने का काम इस सरकार द्वारा किया जा रहा है। गांव में रहने वाले गरीब लोग और बी पी एल फैमिलीज के लिए राजीव गांधी विद्युत परियोजना के तहत मुफ्त कनेक्शन देने का काम जोरो भोरा से चल रहा है। हर गांव में, हर भाहर में नए सब-स्टेशनो का निर्माण कार्य प्रगति पर है और जो सब-स्टेशन इस समय हैं उनको अपग्रेड किया जा रहा है और इसका भी निर्माण कार्य जोरो पर है। उपाध्यक्ष महोदय जितने भी हमारे सरकारी दफतर हैं उनमें पीले बल्ब लगते थे अब हमारी सरकार ने आदेश दिये हैं कि सरकारी दफतरों में सी एफ एल लगाए जाएंगे क्योंकि इससे बिजली की खपत कम होती है। गरीबों को ये सी एफ एल के सफेद बल्ब मुफ्त देने का काम जोरो से चल रहा है। अक्षय उर्जा के स्रोतों को बढ़ाने के काम में हमारी सरकार पूरी तरह से प्रयासरत है। हमारी सरकार ने किसानों का, गरीबों का, बेरोजगारों का, कर्मचारियों का, व्यापारियों का और अनुसूचित जाति और हर एक वर्ग का विशेष ध्यान रखा है। इस समय इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात करे या फिर रोड्स की बात करे तो चारों तरफ हरियाणा में निर्माण कार्य प्रगति पर है। सबसे ज्यादा यह हमारी गवर्नमेंट की प्रायोरिटी भी रही है। किसी देश की डिवैल्पमेंट की तस्वीर उसकी सड़कों से नापी जाती है। कोई भी यात्री जब निकलता है तो यदि

सडके अच्छी होंगी तो अच्छी सरकार का प्रमाण मिलता है। मैं इस समय कहूंगी कि हमारी सरकार ने राजीव गांधी पुल एवं सडके आधारभूत संरचना विकास कार्यक्रम भुरु किया है जिसके तहत विभिन्न परियोजनाओ के लिए गवर्नमेंट आफ इंडिया के वैरियस मंत्रालयो के कोर्डिने इन से इस समय चारो तरफ निर्माण कार्य चल रहा है। हमारी सरकार ने सडको को चौडा करने का काम किया है, कही सडके 4 लेनिंग की जा रही है और कहीं 6 लेनिंग का काम चल रहा है। कलायत जो कि मैं समझती हूं कि पिछले मुख्यमंत्री औम प्रका 1 चौटाला जी का पडोसी हल्का रहा है उस समय सडको की हालत बहुत बुरी थी, कही कही गडडो मे सडके नजर आती थी। मैं मुख्यमंत्री भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी का धन्यवाद करुंगी की बैकवर्ड एरियाज मे उन्होने नई और अच्छी सडके बनाने का काम किया है। इस समय सडको के नए नए जाल बिछाउ जा रे है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करती हूं और उनको बधाई देती हूं। सडको की कंडी इन अच्छी होगी तो व्यापारी कमि रियल एक्टीविटीज अच्छी होगी तो लोगो को रोजगार के साधन मिलते है, लेबर के साधन मिलते है। इस समय हरियाणा मे जितने भी बस स्टैंड है उनका निर्माण कार्य जोरा से चल रहा है। बस स्टैण्ड के आधुनिकीकरण के कार्य चल रहे है। बस स्टैण्डो के साथ साथ बसो मे मुफ्त यात्रा करने का कार्य भी चल रहा है, जो 100 परसेंट हैंडीकैप्ड है या ने इनल अवार्डी है उनको यह सुविधा दी जा रही है। मैट्रो लिंक का काम दिल्ली गुडगांव ओर दिल्ली बहादुरगढ के लिए हमारी सरकार ने किया है

ताकि राश्ट्रीय राजधानी से यहां आवागमन सही तरीके से हो सके। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से इंडस्ट्रीज ओर लेबर एम्पलाईमेंट की बात करना चाहूंगी। इस समय हरियाणा का वातावरण बहुत ही स्वच्छ, साफ और अच्छा है। बाहर के इंडस्ट्रीयलिस्ट भी आज के दिन हरियाणा प्रदेश में इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं। इसके मुख्य कारण यही हैं कि हरियाणा प्रदेश में इंडस्ट्री के लिए अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर है। इस समय हरियाणा में 92 प्रोजेक्ट एस सी जैड के पेंडिंग हैं और IMTs का निर्माण कार्य प्रगति पर चल रहा है। इंडस्ट्रीयल माडल टाउनशिप के अंदर इंडस्ट्रीज, रैजिडेंशियल कॉलोनीज, हेल्थ ओर एजुकेशन का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त लेबर की समस्याओं की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनके बच्चों की एजुकेशन और मनोरंजन की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारी सरकार ने पूरी तरह से ट्रांसपियरेंसी लाने के लिए ई-गवर्नैंस का प्रयास किया है। हमारी सरकार ने न केवल साहूकारों और इंडस्ट्रीयलिस्ट का ध्यान रखा है बल्कि गरीब लोगों का ध्यान रखने के लिए लेबर पालिसी बनाई है जिसमें गरीबों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके अतिरिक्त गरीब वेलफेयर स्कीमज भी बनाई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप देखें तो पता चलता है कि पिछले दिनों जो एक्सीडेंट्स होते थे उनमें भारी मात्रा में कमी आई है। हमारी सरकार ने पिछले तीन सालों में बहुत ही ऐतिहासिक फैसले लिए हैं उसके लिए मैं हमारे मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देती हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक टूरिज्म की बात

है। हरियाणा एक ऐतिहासिक नगरी है। कुरुक्षेत्र को कृष्ण भूमि के नाम से जाना जाता है। टूरिज्म की तरफ हमारी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। हाल ही में अधिसूचित राज्य पर्यटन नीति 2008 से यह बात साबित होती है। पब्लिक पार्टिनिपेण के साथ मिलकर टूरिस्ट प्लेसिज को डिवैल्प किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बाहर से आने वाले और हरियाणा में रहने वाले टूरिस्ट को सुविधा देने के लिए होटल मैनेजमेंट के कोर्सिज की भुरुआत की जा रही है और नीजि क्षेत्र के सहयोग से तिलयार झील, रोहतक और बडखल झील, फरीदाबाद में होटल मैनेजमेंट के कोर्सिज की भुरुआत की जा रही है। इसके अतिरिक्त हमारे जितने भी धार्मिक स्थान हैं हमारी सरकार ने उनकी तरफ भी विशेष ध्यान दिया है। कलायत में कपिल मुनि का मंदिर है वह बहुत ही ऐतिहासिक है। जो कि हिंदुसन में अपने तौर का एक मात्र मंदिर है। उस मंदिर को साज संवारने का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त चाहे के डी पी के तहत आने वाले जितने भी मंदिर हैं उनको भी साज संवारने का निर्माण कार्य इस समय चल रहा है। इसके अतिरिक्त चाहे सूरजकुण्ड है, पिन्जौर है वहां पर भी पूरी तरह से कार्य चल रहा है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं अर्बन डिवैल्पमेंट की बात करना चाहूंगा कि भाहरो की तरफ भी हमारी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। भाहरो की हालत सुधारने के लिए हमारी सरकार विशेष सहायता दे रही है और म्यूनिसिपल कमेटिज की हालत सुधारने के लिए बहुत अच्छे फैसले लिये जा

रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय भाहरी नवीकरण मिशन के तहत फरीदाबाद भाहर को करोडो रुपये दिये जा चुके हैं। इसके साथ साथ अब पंचकूला को भी चंडीगढ़ और मोहाली के साथ साथ चलते हुए त्रिनगरीय महाबस्ती या ट्राई सिटी के एक भाग के रूप में जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय भाहरी नवीकरण मिशन में शामिल किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार न केवल भाहरो में रहने वाले अमीर और अच्छे लोगों की तरफ ध्यान दे रही है बल्कि भाहरो में रहने वाले गरीबों की तरफ भी विशेष ध्यान दिया है। भाहरो में रहने वाले गरीबों के प्रति भी हमारी सरकार पूरी तरह से चिंतित है और समेकित आवासन तथा मलिन बस्ति विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 12 भाहरो में 238.84 करोड रुपए की लागत की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भारत सरकार से अनुमोदित हो चुकी है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ। इसके अतिरिक्त एल ए डी टी स्कीम के तहत भी भाहरो को पैसा दिया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, चाहे हमारे केन्द्र की सरकार है चाहे हरियाणा की सरकार है इनको भाहरो में रहने वाले गरीब भाईयों की बहुत चिंता है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने गरीब भाईयों के लिए आवास योजना कार्यान्वित की है। जिसके तहत चार मंजिल मकान हुड्डा द्वारा बनाए जा रहे हैं। इस समय 2072 प्लैट का निर्माण कार्य पंचकूला में युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके अतिरिक्त गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले भाईयों के लिए आवास बोर्ड, हरियाणा ने आगामी तीन वर्षों के दौरान 50000 मकानों का निर्माण करने के लिए भूमि की व्यवस्था के लिए

कदम उठाए है। उसके लिए हाउसिंग बोर्ड के तहत मकान बनाने का कार्य इस समय प्रगति पर है और इसमें यह बहुत खुशी की बात है कि विशेष तौर से महिलाओं का हमारी सरकार ने हमें ध्यान रखा है। इसमें 33 प्रतिशत कोटा महिलाओं के लिए रिजर्व रखा गया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने न केवल भाहरो की तरफ ध्यान दिया है बल्कि गांवों में भी रहने वाले जो हमारे किसान और गरीब भाई हैं और हमारे जो गांव हैं क्योंकि अधिकतर हमारा हिन्दुस्तान और विशेष तौर पर हरियाणा गांवों में ही बसता है और हमारी सरकार ने प्राथमिकता के तौर पर गांवों में भी भाहरो जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास किया है। हमारे गांवों में रहने वाला हर एक व्यक्ति अपने आपको सरकार का हिस्सा समझ सके, उसे यह लगे कि सरकार में अच्छी प्रकार से हिस्सेदारी है। हमारी सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में विशेष तौर से ग्रामीण अंचल में रहने वाले लोगों के उपर पूरी तरह से ध्यान दिया है। स्वर्ण जयंती स्वयं रोजगार योजना के तहत स्वयं सहायता समूह गांव गांव में बन गये हैं जिनहोंने इकट्ठे होकर चाहे उनकी क्रेडिट की फ़ैसिलिटी हो, मार्केटिंग की हो, टैक्नीकस की हो सभी पर पूरी तरह से धन दिया गया है। इस पर इस समय हमारे सैल्फ हैल्प ग्रुप्स बहुत अच्छी तरह से कार्य कर रहे हैं। नेशनल रुरल एम्प्लायमेंट गारंटी स्कीम के तहत जो पहले कुछ जिलों में भी हरियाणा में सिरसा और महेन्द्रगढ़ में थी लेकिन हमारे महामंत्री श्री राहुल गांधी जी के प्रयासों से इस नेशनल

रुरल एम्पलायमेंट गारंटी की स्कीम को पूरे हिन्दुस्तान के सभी जिलो मे पूरी तरह से लागू किया जायेगा। अब अंबाला और मेवात मे भी इस पर काम भु3 किया जा चुका है जिसमे कि 365 दिन मे से हम यह सुनिश्चित करते है कि हमारे बेरोजगार भाई और बहने जिनको रोजी रोटी की चिंता है उनको साल मे कम से कम 100 दिन का रोजगार हम सुनिश्चित कर सके। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह के बहुत से ऐतिहासिक फैसले है जो हमारी केन्द्र और हरियाणा सरकार ने गरीबो के सम्पूर्ण एत्थान हेतु लिये है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने 9 दिसम्बर, 2007 को दलित समान रैली मे मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति ग्रामीण उत्थान योजना और मलिन बस्ती विकास योजना की घोशणा की थी उसके तहत किसी भी गांव मे जहां पर 50 प्रति शत से ज्यादा अनुसूचित जाति के लोगो की संख्या होगी वहां पर हमारी सरकार की तरफ से 50 लाख रुपये दिये जाए ताकि उनके रहने की कंडी शन को सुधारा जा सके। पूरी तरह से पीने के पानी का उसमें प्रावाधान किया जायेगा। हमारी सरकार ने पिछले दिनों जब झाडली मे माननीय राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी आई थी तब ये घोशणा की थी क्योंकि गरीबो के लिए उनके दिल में बहुत दर्द है। कांग्रेस पार्टी का हमें ता से यही नारा रहा है कि कांग्रेस का हाथ गरीब आदमी के साथ। हमारी सरकार 36 बिरादरी की सरकार है लेकिन विशेष तौर पर कांग्रेस पार्टी में गरीबो पर विशेष ध्यान दिया जाता है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने 100 100 गज के प्लाट देने की जो ऐतिहासिक घोशणा की है उससे हरियाणा मे रहने वाले

हर एक आदमी में बहुत ही खुशी की लहर है कि उसके रहने का ठिकाना दिया जायेगा। इससे पहले हमारी राष्ट्रीय नेता स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी ने भी अपने समय में प्लॉट दिये थे। हमारा जो गरीब समाज है वह हमें गांधी कांग्रेस पार्टी का और माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवादी रहेगा। न केवल ये 100-100 गज के प्लॉट दिये जाएंगे बल्कि इनको पूरी तरह से डिवैल्प भी किया जायेगा। इसमें पीने के पानी की सुविधा, लाईट की सुविधा, गलियां और इस तरह से इनको पूरी तरह से तैयार करके गरीबों को यथा शीघ्र देने की प्रक्रिया इस समय चल रही है। गांवों में रहने वाले जो हमारे गरीब भाई हैं उनका भी चुल्हा टैक्स माफ करने की घोषणा हमारी सरकार ने और माननीय मुख्यमंत्री जी ने की जिसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद करना चाहती हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि जब हमारे राज्यपाल महोदय अपना अभिभाषण दे रहे थे तो हमारे साथी ने उनका जोरदार स्वागत अपनी मेजे थपथपाकर किया था क्योंकि राज्यपाल महोदय ने हमारी सरकार की तारीफ की और मुख्यमंत्री महोदय की पीठ थपथपाई क्योंकि हमने बहुत से अभुतपूर्व ऐतिहासिक फैसले लिए हैं कि गांवों की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाए। न केवल भाहरो की म्यूनिसिलपल कमेटरीज में बल्कि गांवों में भी हर जगह पर सफाई कर्मचारी लगाये जायें। 11 हजार सफाई कर्मचारी को लगाने की घोषणा माननीय मुख्यमंत्री जी ने की जो कि एक ऐतिहासिक फैसला है। इसके अनुसार जिस गांव में 2 हजार व्यक्ति होंगे वहां पर एक सफाई कर्मचारी नियुक्त

किये जाएंगे उससे ज्यादा मे 3 सफाई कर्मचारी नियुक्त किए जाएंगे और इसी तरह से गावों की सफाई और स्वच्छता का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। हमारी सरकार ने गंदगी से होने वाली जितनी भी बिमारियां है उनके फैलने के कारणों को होर्डिंग और स्लोगन लगा कर लोगों तक पहुंचाने का काम किया है। हमारी सरकार ने गावों मे सफाई की व्यवस्था की है। उपाध्यक्ष महोदय, जिन प्रान्तो मे दूसरी पार्टी की सरकारें है वहां भी हमारे कामो की प्र संसा होती है और हमारे कामो का अनुसरण किया जाता है। अभी आपने देखा होगा कि उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री ने भी हरियाणा मे हुए कार्यो की तर्ज पर ही उत्तर प्रदेश मे सफाई कर्मचारियो की नियुक्ति की घोशणा की है। हिमाचल प्रदेश की सरकार ने जहां दूसरी पार्टी की सरकार है वहां पर भी हमारे यहां जो लाडली स्कीम है उसी के तहत घोशणा की गई है और रक्षाबंधन पर हमारे यहां महिलाओ के लिए बसो मे जो मुफ्त यात्रा की सुविधा है उसी प्रकार उन्होंने भी मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की है। इसी प्रकार से करवा चौथ पर भी अवकाश की घोशाणा की है। उपाध्यक्ष महोदय, केवल ये ही राज्य नहीं बल्कि देश के सभी राज्य हरियाणा का अनुसरण कर रहे है। गावों मे महिला होने के नाते इस समस्या को हम बहुत ही गंभीरता से लेते है। महिलाओ के लिए भौचालय की बहुत बडी समस्या है। हमारी सरकार ने भारत सरकार की मदद से पहले जो मात्र 600 रुपये दिये जाते थे उसको बढ़ाकर 1200 रुपये कर दिया है। गावों मे भौचालयो के निर्माण के लिए पूरी तरह से कार्य चल रहा है ताकि

उनको गंदगी से मुक्ति मिल जाये। महिलाओ का मान सम्मान पूरी तरह से बरकरार रखा जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं यह कहना चाहूंगी कि जिस तरह से हमारी सरकार ने वर्ष 2007 को बालिका वर्ष घोषित किया था और बालिकाओ के लिए, महिलाओ के लिए बहुत सी धोशणाएं न केवल कागजो पर ही बल्कि उनको अमली जामा भी पहनाया गया था। उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार को बधाई देना चाहूंगी कि वर्ष 2008 को शिक्षा वर्ष घोषित किया गया है क्योंकि आजादी के तकरीबन 60 वर्ष के बाद भी आज शिक्षा के क्षेत्र मे हमारा हरियाणा कुछ हद तक पिछडा रहा लेकिन हमारी सरकार ने, माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस वर्ष को शिक्षा वर्ष घोषित करके इस चिंता को दूर करने का प्रयास किया है। आज ड्राप-आउट की जो समस्या है एलीमेंट्री एजुकेशन की जो समस्या है वह बरकरार है। पिछली सरकार ने कभी भी शिक्षा की तरफ ध्यान नहीं दिया। हमारी सरकार ने पहली से आठवीं तक के सभी बच्चो कापियां किताबे और वर्दियां देने का काम किया है। जो बच्चियां दूर के गावों से आती है उनको मुफ्त में साईकले देने का कार्य किया है। मिड डे मिल के रुप में स्कूलो मे खाना देने का काम हमारी सरकार कर रही है। डाक्टर भीमराव अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना के तहत जो भी बच्चे दसवीं मे 60 प्रतिशत अंक लेकर पास होते है उनको हमारी सरकार छात्रवृत्ति के रुप मे प्रोत्साहन राशि देती है। मुख्यमंत्री भौडयूल कास्ट उत्थान योजना जो कि मुख्यमंत्री जी ने हाल ही मे घोषित की है, एक ऐतिहासिक फैसला है। अगर हम देखें कि

हम हायर एजुकेशन की बात करते हैं। आज उच्च शिक्षा तो केवल वे ही बच्चे ले पाते हैं जो दूसरी और तीसरी पीढ़ी पार करते हुए उपर तक पहुंच जाते हैं। ड्राप-आउट की समस्या बहुत ही गम्भीर थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने मंथली छात्रवृत्ति की घोषणा की है यह एक ऐतिहासिक कदम है। इसके तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ रही अनुसूचित जाति की लड़कियों के लिए 150 रुपये से 400 रुपये मंथली छात्रवृत्ति दी जाएगी और लड़कों को 100 रुपये से 300 रुपये तक मंथली छात्रवृत्ति दी जाएगी। अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों के लिए इन सीपी योजनाओं पर प्रतिवर्ष 280 करोड़ रुपये का खर्च हमारी सरकार वहन करेगी। पिछली सरकार की लिस्ट उठाकर देखें तो पता लगेगा कि पिछली सरकार ने स्कूलों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। स्कूलों को अपग्रेड नहीं किया गया था। इस समय शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिया गया है और हमारे बहुत से स्कूलों को अपग्रेड किया जा रहा है। माडल स्कूल बनाये जा रहे हैं। कम्प्यूटर दिये जा रहे हैं। तथा एजुसैट प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। पूरे प्रयास किये जा रहे हैं कि कोई भी बच्चा स्कूल जाए बगैर न रहे। ऐसा करने वाली पंचायतों को प्रोत्साहन राशि हमारी सरकार की तरफ से दी जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं कहना चाहूंगी कि न केवल स्कूल शिक्षा की ओर बल्कि टैक्नीकल शिक्षा की ओर भी हमारी सरकार ने पूरा ध्यान दिया है। टैक्नीकल के मामले में जगह जगह पर पालीटैक्नीक खुल गये हैं। आई टी आई खुल गई है। ताकि हम एक ट्रेंड मैनपावर दे सकें। हमारे बच्चे ट्रेनिंग

लेकर इंडस्ट्री में काम कर सकें। इसके अलावा महिलाओं के लिए अलग से 25 प्रतिशत सीटें रिजर्व की गई हैं। 31 आई टी आईज खोलने के लिए काम चल रहा है जिनमें केवल महिलाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बात करूं तो हमारी सरकार ने न केवल सड़क, कृषि, सिंचाई पर ध्यान दिया है बल्कि शिक्षा की तरफ भी पूरा ध्यान दिया है। शिक्षा के साथ ही साथ हमारी सरकार ने खेलों की तरफ भी पूरा ध्यान दिया है। जैसे कि सभी को मालूम है कि हमारे गांवों में सभी जगहों पर रूरल स्टेडियम बनाए गए हैं और गांवों में खेलों की सुविधा दी गई है। जिन साथियों ने खेलों में मैडल जीते हैं हमारी सरकार ने उन साथियों के गांवों को आदर्श गांव बनाने की घोषणा करके सभी खिलाड़ियों को पूरा मान सम्मान दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार की भर्तियों में खिलाड़ियों के लिए पद आरक्षित करने का प्रावधान किया है। अगर मैं खिलाड़ियों की डायट की बात करूं तो खिलाड़ियों को जो डाइट दी जाती है उसमें भी हमारा हरियाणा प्रदेश हिन्दुस्तान में नंबर वन पर है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसके साथ ही सोशल वेलफेयर की बात कही है। वेलफेयर स्टेट के लिए हमारे पास इन्फ्रास्ट्रक्चर होना बहुत जरूरी है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी सरकार को बधाई देना चाहूंगी कि हमारी सरकार ने बहुत से ऐतिहासिक फैसले लिये हैं और कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। न केवल सोशल वेलफेयर बल्कि हेल्थ के बारे में भी हमारी सरकार ने बहुत अच्छे

प्रयास किये हैं। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शिता और विजनरी के तहत कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिससे इस सरकार की स्कीमों से लाभ न मिला हो। चाहे वह गांव में रहने वाला छोटे से छोटा व्यक्ति हो और चाहे बाहर में रहने वाला बड़े से बड़ा व्यक्ति हो उसकी तरफ पूरा ध्यान दिया गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ग्राउंड रियैलिटी से जुड़े हुए व्यक्ति हैं और अपनी सरकार को उसी के आधार पर चला रहे हैं। आपने देखा होगी कि दूसरे राज्यों की सरकारें भी हमारी सरकार का अनुसरण कर रही हैं हमारे गांवों में विपेज लैवल की कमेटियां बनाई हैं और गांवों में रहने वाली पढी लिखी महिलाएं और हमारी बच्चियां गांवों में मिल बैठ कर सरकार की नीतियों पर चर्चा करती हैं। इस समय तकरीबन 6500 वी एल सी सी अच्छी प्रकार से कार्य कर रही हैं। यह डैलिगे इन आफ पावर की बात है। गरीब महिला के हाथ में जब भी पावर आती है तो उसका हौंसला बढ़ता है और वह स्वयं काम करती हैं। इस समय स्वयं सहायत समूह गांवों में बहुत अच्छे तरीके से काम कर रहे हैं इन्हें भी हमारी महिलाएं और पढी लिखी बच्चियां कार्य कर रही हैं। वहां पर अवेयरनेस प्रोग्राम्स चलाए जा रहे हैं। सरकार की जितनी भी नीतियां हैं वह उन तक तथा जन जन तक पहुंचाई जाती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझती हूँ कि हरियाणा प्रदेश का पहला ऐसा राज्य है जिसने मैल न्यूट्रीशन को खत्म करने के लिए न्यूट्रीशन डायट की दर बच्चे के लिए दो रुपए से बढ़ाकर तीन रुपए की है और महिलाओं के लिए अढ़ाई रुपए से बढ़ाकर पांच रुपए की है। हमारे समाज में

चाहे विधवाओं की बात हो, बुजुर्गों की बात हो, हैंडीकैप की बात हो, चाहे बोनौ की बात हो, कोई भी समाज का ऐसा वर्ग नहीं बचा जिसको हमारी सरकार ने पैसा नहीं दी हो। भौडयूल्ड कास्ट सब प्लान हरियाणा में लागू किया गया है यह भी बहुत अच्छा काम है। उपाध्यक्ष महोदय, भौडयूल्ड कास्ट लोगों के लिए जो पैसा आता है वह अलग से लगा हुआ दिखाई देना चाहिए। हमारी सरकार ने जो अनुसूचित जाति के लोग हैं उनके विकास के लिए न केवल सामाजिक बल्कि उनके आर्थिक उत्थान के लिए बहुत से महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं मुफ्त में खाना, वर्दी, कपड़े, पढ़ने के लिए किताबें और चलने के लिए गाड़ियाँ सब कुछ हमारी सरकार ने दिया है। लोगों को कंप्यूटर ट्रेनिंग भी दी जा रही है। कंप्यूटर ट्रेनिंग के बाद मुफ्त में कंप्यूटर देने की घोषणा हमारी सरकार ने की हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त इंदिरा गांधी भागुन योजना के तहत जो हमारी बचिचियां हैं उनके लिए 15000 रुपये की राशि उनके विवाह के समय हमारी सरकार देती है। जैसे कि मैंने जिक्र किया राखी बंधन के मौके पर हमारी बहुत सी बहनें अपने भाईयों को राखी बांधने से वंचित रह जाती थीं लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक ऐसी घोषणा की जो आज तक हिन्दुस्तान में कहीं पर भी नहीं हुई। राखी के दिन अपने 15 वर्ष के बच्चे के साथ जो बहनें हैं वे अपने भाईयों को राखी बांधने के लिए बस में मुफ्त आ जा सकती हैं। इसके अलावा अगर बिजली का मीटर महिला के नाम पर है तो 10 पैसे पर यूनिट उसको सस्ती बिजली मिलेगी। उपाध्यक्ष महोदय, जो टीचर्स की भर्ती होने

जा रही है उसमे भी 33 प्रति शत आरक्षण महिलाओ को देने का प्रावधान किया गया है। हमारी सरकार ने महिलाओ के उत्थान के लिए विशेष प्रावधान किए है। गावों की महिलाओ के लिए चौपालो का भी प्रावधान किया है। हमारे गावों मे बहुत से आंगनवाडी सेंटर खोले जा रहे है और उनका निर्माण कार्य प्रगति पर है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर मैं सैक्स रे गो की बात करूं तो यह जो लिंग अनुपात मे फर्क आ गया था उसके कम करने के लिए हमारे मुख्यमंत्री जी ने और हरियाणा एवं पंजाब हाई कोर्ट के चीफ जस्टीस जी ने जगह जगह पर सैमिनार्ज का आयोजन किया है और इन सैमिनार्ज की वजह से लोगो में बहुत जागरुकता आई है। इसी तरह से हमारी सरकार ने लाडली स्कीम के तहत लउकी के नाम पर या उसके मा बाप के नाम पर बैंको पर 5000 रुपए जमा करवाने का काम किया है। नौकरियो मे जो महिलाओ का बैकलॉग था उसको भी पूरा करने का काम यह सरकार कर रही है।

श्री उपाध्यक्ष: मैडम जी, आप वाईड अप करें।

श्रीमती गीता भुक्कल: सर, मैं पांच मिनट और लूंगी। हमारी सरकार ने तीन साल मे बहुत से अच्छे कार्य किए है और बहुत सी अच्छी योजनाएं भुरु की है उनके बारे में बोलने के लिए थोडा समय और चाहिए। सरकार द्वारा किए सभी कामो के बारे मे सदन की छोटी सी कार्यवाही मे बोलना मुश्किल है लेकिन मैं कुछ बातें यहां पर जरुर करना चाहूंगी। हमारी सरकार ने

अम्बेडकर भवनो के लिए जगह जगह प्लाट देने का काम किया है। मैं स्वास्थ्य के बारे में बातें कहना चाहूंगी। ने नल रुरल हैल्थ प्रोग्राम के तहत हमारी सरकार गावों के लोगो की सेहत का ध्यान रखने का काम कर रही है। जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओ को सहायता राशि दी जा रही है। स्कूलो मे जो बच्चे अनिमिक हे उनको आर एन टैबलेटस बंटवाई गई है। जो बच्चे पेट मे कीडे होनी की वजह से दिक्कत मे रहते थे उनको एम्पोजोल दवाई पिलाई गई है। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना हरियाणा मे चलाई गई है जिसमे बी पी एल फैमलीज को कवर किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं और इस सरकार ने अपने 3 साल के कार्यकाल मे जो ऐतिहासिक फैसले लिए है उसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को और इस सरकार को बधाई देना चाहती हूं। धन्यवाद।

श्री धर्मबीर गाबा (गुडगांव): उपाध्यक्ष महोदय, मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, 7 मार्च को महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है इसके बारे में मैं समझता हूं कि यह सरकार के आने वाले साल के कार्यक्रमो का, पॉलिसियो का और डिवैल्पमेंट का एक अक्ष है, आईना है। सरकार की आने वाले साल की सारी पालिसियां

गवर्नर एड्रेस में होती है। अगर हम यह कहें कि यह एक ऐसा गुलदस्ता है जिसमें कई किस्म के फल हैं और इन फूलों में सभी फूल अच्छे हैं क्योंकि सभी फूलों की अपनी अपनी खुशबू होती है इसी तरह से इस एड्रेस में हर पालिसी अच्छी है। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं दिल्ली में हुई धन्यवाद रैली का जिक्र करना चाहूंगा। वहां पर बहुत कुछ कहा गया और हमने भी बहुत कुछ कहा। वहां पर लोग बहुत ज्यादा तादाद में आए थे। मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह जो 60 हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर दिए गए हैं, लेकिन पालिसी में यह कहीं नहीं बताया गया कि आईदा किसान कर्ज में नहीं दबेगा। किसान के कर्ज में न दबले का कोई भी उपाय नहीं बताया गया है। क्या ऐसी पॉलिसीज है कि किसान दोबारा इस इस तरह से कर्ज के अंदर नहीं फंसेगा, क्या उसके प्रोडक्ट्स की इतनी कीमत मिलेगी जिससे किसान को कर्ज लेने की जरूरत ही न पड़े? सर जब बिजाई या कटाई नहीं होती तो क्या उसके दोबारा से रोजगार दिया जाएगा जिससे वह दोबारा कर्ज में न फंसे? सर, यह हरियाणा गवर्नमेंट का काम है कि वह इन सारी बातों को भी देखें क्योंकि हरियाणा सबसे ज्यादा कृषि प्रधान स्टेट है। हरियाणा सरकार को सोचना ही होगा कि हमें इस बारे में क्या क्या उपाय करने चाहिए ताकि किसान दोबारा से कर्ज में न फंसे। सर, मैं फाइनेंस मिनिस्टर साहब को भी मुबारकबाद देना चाहता हूँ। जो यह 6650 करोड़ रुपये की वार्षिक प्लान प्लानिंग कमीशन से मंजूर हुआ है यह मैं समझता हूँ कि बेस्ट फाइनेंसियल मैनेजमेंट की वजह से हुआ है। आज हमें

प्लानिंग कमी इन से कही ज्यादा पैसा मिला है अगर इस पैसे को अच्छे ढंग से खर्च किया जाएगा तो मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी यदि यही पालिसीज चलती रही तो हो सकता है कि हमें और भी ज्यादा पैसा अगले साल में प्लानिंग कमी इन से मिल जाए। डिप्टी स्पीकर सर, अभिभाषण में बहुत सारी बातें कही गयी हैं। इसमें सबसे पहले एग्रीकल्चर के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। मैं भी पिछले बीस सालों से चौथी बार मੈम्बर बनकर आया हूँ। एक प्रोग्राम था की राई के अंदर फल फल की एक बहुत बड़ी मार्किट खोली जाएगी मुझे खुशी है कि अब भायद यह गन्नौर में खोलने जा रहे हैं। जो यह फल फूल की मार्किट खोलना चाहते हैं वह हरियाणा के लिए बहुत ही अच्छी होगी। अभी तो तकरीबन फल फूल हिमाचल से या कमीर से आकर दिल्ली जाता है और फिर सूखने के लिए सोनीपत, पानीपत और गन्नौर आता है। अगर यह मार्किट खोली जाती है तो मैं समझता हूँ कि यह हरियाणा की हिन्दुस्तान के लोगों के लिए एक बहुत बड़ी देन होगी क्योंकि एक तो पोल्यूटन्स इन से बचकर पोल्यूटन्स फ्री हो जाते हैं और दूसरे ट्रैफिक हर्ड नहीं रहेगी और साथ ही लोगों का सस्ता माल भी मिल जाएगा। इसलिए मैं समझता हूँ कि जितनी जल्दी हो सके इसको उतनी ही जल्दी बना देना चाहिए। डिप्टी स्पीकर सर, पिछले दस सालों से हमने देखा है क्योंकि एक बार मैं स्वयं भी वहाँ पर जाकर देखकर आया था। वहाँ पर इसका फाउंडेशन स्टोन रखा गया था लेकिन बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि अभी तक भी इसका काम पूरा नहीं हुआ है। हम इस सरकार

से उम्मीद रखते हैं कि वह इस काम को जल्द ही टेकअप करेगी। डिप्टी स्पीकर साहब मुझे एक बात की और खुशी है और मैंने पिछले साल भी सी एम साहब से कहा था कि मुझे ओर कोई खुशी हो या न हो लेकिन इस बात की जरूरत खुशी है कि हमारे सी एम साहब पहले ऐसे सी एम हैं जिनहोंने पानी का इक्विवलेंट डिस्ट्रीब्यूशन किया है। आज तक किसी ने भी ऐसा नहीं किया। डिप्टी स्पीकर सर, आप भी और मैं भी उसी इलाके से बिलोंग करते हैं जिस इलाके में पानी बिल्कुल नहीं मिलता लेकिन इसके बावजूद भी मैं समझता हूँ कि जो अभिभाषण में इस बारे में जिक्र किया गया है और मंत्री जी का भी बयान है कि हमें इस बारे में बहुत बड़ी राहत सरकार की तरफ से मिलने वाली है। यह बात सही है कि गुडगांव के लोगों को राहत मिली भी है। डिप्टी स्पीकर सर, आप भी उस इलाके के रहने वाले हैं इसलिए आपको भी पता है। पहले गुडगांव से दिल्ली आने जाने में डेढ़ घंटा लग जाता था लेकिन आज सुपर एक्सप्रेस हाई वेबन जाने के बाद सिर्फ 20-22 मिनट ही लगते हैं। यह सरकार की हमारे लोगों को बहुत बड़ी देन है। मैं कैप्टन साहब के नोटिस में एक बात जरूर लाना चाहता हूँ। अभिभाषण में भी इस बात का जिक्र है कि पानीपत में जो फ्लाई ओवर बन रहा है वह जल्द से जल्दी पूरा हो जाएगा। अखबारों में भी मंत्री जी का बयान आया था कि फरवरी में इसको चालू कर दिया जाएगा। अगर फरवरी में नहीं तो मार्च तक इसको जरूर चालू कर देंगे। लेकिन समालखा और गन्नौर के फ्लाई ओवर का अभिभाषण में कहीं कोई जिक्र नहीं

किया है। मेहरबानी करके इन्हे भी आप पूरा कर दीजिए ताकि उस रास्ते पर यदि हम चलें तो रास्ते में कहीं पर भी दिक्कत न हो। मैं मुबारकबाद देना चाहता हूँ कि जो आपने कुण्डली, मानेसर, पलवल की यह स्कीम निकाली है। वह हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए इतनी बड़ी देन होगी कि आज तक कोई सरकार ऐसी देन नहीं दे पाई होगी। सबसे बड़ी खुशी की बात मुझे यह है कि वह इंडस्ट्रियल काम्प्लैक्स हो जाएगा। एक और मेहरबानी कर दें तो मैं समझता हूँ कि बहुत अच्छा होगा कि नेशनल हाईवे पर ढाबे और पेट्रोल पम्प नहीं होनी चाहिए। यह हाईवे से आधा किलोमीटर अंदर होना चाहिए ताकि लोगों को रुकावट न हो। एसी चौधरी साहब यहां बैठे हुए हैं मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि इस अभिभाषण के अंदर जिक्र आया है कि सरकार म्यूनिसिपल डिवलपमेंट के लिए बहुत कुछ कर रही है इसके लिए हमें एन सी आर से भी बहुत पैसा मिल रहा है। जिक्र यह भी है कि म्यूनिसिपल कारपोरेशन का गुडगांव में सैटअप करने जा रहे हैं। जब मैं इस विभाग का मंत्री था तो मैंने भी इस बारे में प्रपोजल दी थी। चौधरी साहब मैं आपसे भी यही रिक्वेस्ट कर रहा हूँ कि आज यह गुडगांव का ही नहीं, बल्कि अम्बाला सिटी और अम्बाला कैंट की भी जरूरत है। जो म्यूनिसिपल काउंसिल गुडगांव है उसका आज 18 किलोमीटर का दायरा है और जो प्रपोजल आपने भेजी है उससे उसका एरिया 370 किलोमीटर का हो जाएगा। भाहरीकरण में जो गांव आ चुके हैं या आने वाले हैं उनको यदि हम उस हिसाब से पहले ही डिवलप कर देंगे तो यह बहुत अच्छी

बात होगी। 1911 में म्यूनिसिपल एक्ट बना था उसके बाद वर्ष 1971 में हरियाणा का एक्ट बना। 1963 में हमसे सबसे बड़ी गलती यह हुई कि म्यूनिसिपल कार्पोरेट्स एन व म्यूनिसिपल काउंसिल और कमेटीज तो बन गईं लेकिन उसमें यह भर्त्ता लगा दी कि 5 किलोमीटर के बाद प्लानिंग डिपार्टमेंट उसको सैंक एन करेगी। हदें बढ़ गईं लेकिन कंट्रोल एरिया वही रहा। आज कमेटीज को कोई पावर नहीं है। सिर्फ यही पावर है कि वेट एंड रिजल्ट। जो कालोनीज 1952 के अंदर रीसेटलमेंट के वक्त बनी थी, उस वक्त उनकी जरूरत नहीं थी लेकिन आज उनकी जरूरत है। उनके बारे में कौन निर्णय करेगा यह आज तक कोई पता नहीं है। आप इसको काउंसिल तक महदूद रखें या कार्पोरेट्स तक महदूद रखें। दलाल साहब यहां बैठे हैं ये भी इस बारे में कुछ सुझाव दें। मैं तो चौधरी साहब से भी इस बारे में अर्ज करूंगा कि प्लानिंग डिपार्टमेंट वालों ने तमा ना कर रखा है वह यह है कि 500 गज तक के प्लॉट का नक्शा तो कमेटी पास करेगी और उससे उपर का चंडीगढ़ में पास होगा। चंडीगढ़ नक्शा ना जाएगा तो वह दो साल में पास होगा। हमारे यहां गुडगांव में एक माल बन रहा है। वह 1600 गज एरिया में बन रहा है उसकी जब खुदाई की गई तो उसके आस पास की 4-5 जो बिल्डिंगज थी वे हिल गईं। पीडित लोग मुझसे मिलने आए और कहने लगे कि हमारे मकान तो गिरते जा रहे हैं इसलिए इस माल को बनने से रोको। जब कमेटी वालों को मैंने कहा तो वे कहने लगे कि हम इसमें कुछ नहीं कर सकते क्योंकि इसका नक्शा चंडीगढ़ से पास हुआ है इसलिए यह हमारी

जिम्मेदारी नहीं है। दलाल साहब गुडगांव में ऐडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म कमेटी की मीटिंग में आये थे। मैंने उनसे बात की थी और कहा था कि जब तक आप पावर्ज को डीसेंट्रलाइज नहीं करेंगे तक तक काम चलने वाला नहीं है। म्युनिसिपल कार्पोरेट में आपने डी सी स्तर के अधिकारी या दूसरे अधिकारी बैठा रखे हैं वे भी उतने ही कैलीबर के हैं जितने कि चंडीगढ़ में बैठे हुए हैं तो वे यह काम क्यों नहीं कर सकते हैं। ये काम वही होने दें ताकि लोगों को इस गलत रास्ते से बचाया जाये। मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि सरकार जो कुछ करे वह देख कर करे। इस पावर को वापिस करे ताकि म्युनिसिपल काउंसिल और म्युनिसिपल कमेटीज का जो कंट्रोल है वह उसी हद जहां खत्म होती है उसके पांच किलोमीटर बाद तक उसका कंट्रोल होना चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि चंडीगढ़ में बैठकर प्लानिंग कंट्रोल करे। क्योंकि कमेटी या कार्पोरेट में की हद तो बढ़ जाती है लेकिन उसका कंट्रोल एरिया नहीं बढ़ता। जबकि इसके एक्ट में यह साफ प्रोविजन है कि हद बढ़ाने के साथ साथ कंट्रोल एरिया भी बढ़ाया जाना चाहिए। इसके बाद हम खुश हो जाते हैं कि अर्बन डिवेलपमेंट के लिए इतना पैसा मिल रहा है। एजुकेशन के लिए इतना पैसा मिल रहा है। मुझे खुशी है कि एजुकेशन के लिए की वहां पर जरूरत है जहां पर इंडस्ट्रियल सिटी है जिनको हम इंटरनेशनल सिटी बनाने जा रहे हैं। जैसे इंडस्ट्रियल टाउन फरीदाबाद है, गुडगांव है, बहादुरगढ़ है और कुण्डली है। मैं समझता हूँ कि टेक्नीकल एजुकेशन की इन सेंटर्स में जरूरत है ताकि हम इंडस्ट्रियलिस्ट से

गाईडेंस लेकर सलाह करके कन्सल्ट कर सके कि उनको कितने लडको की जरूरत है ताकि उनके लडको को सही ट्रेनिंग दी जा सके। इस सैक्टर मे यह प्रिफैंस की जरूरत है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जितना पैसा हम खर्च कर रहे है उसको अगर हम ठीक ढंग से खर्च करें तो वह ठीक जगह पर पहुंच सकता है। यह तो एक हमारा मिशन है। हकीकत मे तो हमारा यह मिशन तब कामयाब होगा जब हम डिवैल्पमेंट करें तो इसके लिए सोच समझकर खर्च करें।

श्री उपाध्यक्ष: गाबा साहब, वाईड अप करें। आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गये है।

12:00 बजे

श्री धर्मबीर गाबा: उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप कहें तो मैं बैठ जाता हूं। वर्ष 1992-93 मे मैंने कुछ कालोनिया रेगुलराइज की थी जो फरीदाबाद, रेवाडी और गुडगांव की कालोनियां थी और उस समय 32-32 कालोनियां रेगुलराइज की गई थी। लेकिन प्लानिंग कमीशन उनको मानने को तैयार नहीं था। अब वे लोग कहते है कि हम कहां जाएंगे यह तो एक तमाशा बन कर रह गया है। ये जो दिक्कत हो रही है मेहरबानी करके आप ठीक ढंग से इन कालोनियो को रेगुलराइज करें। मैं एक बात कहता हूं कि जो सबसे उचित है। आज आप अर्बन डिवैल्पमेंट बनाने जा रहे है। क्या हो रहा है आप रेगुलराइज नहीं करते और प्लानिंग को भेज

देते हैं। नक्शा पास नहीं होता कमेटी वाले लोगो से कहते हैं कि इंतजार करो। इसी दौरान और झुग्गी झोपड़ी बढ जाती है। आज मैं समझता हूँ कि सरकार 20 हजार के करीब फ्लैट्स बनाने जा रही है। उसे अन अथोराइज्ड कालोनिया है वे रेगुलराइज्ड हो सकेंगी। यह एक बहुत बडा क्वैचन है। हरियाणा में अर्बन डिवैल्पमेंट की तर्ज पर हरियाणा रुरल डिवैल्पमेंट एथोरिटी बनाने जा रहे हैं। मेरा सजैान यह है कि आज गांव के अंदर कोई भी मकान 500 गज से कम नहीं है। क्योंकि उसको भैंस बांधने के लिए जगह चाहिए, उसको तुडे के लिए जगह चाहिए, घास के लिए जगह चाहिए। क्या अर्बन डिवैल्पमेंट वाले उनको इतनी जगह दे पायेंगे। क्या उनकी जरूरत के मुताबिक ये घर बनायेंगे या भाहर की तरह ढर्रे बन जाएंगे। यदि आप गां की डिवैल्पमेंट चाहते हैं तो खास तौर से गांव की जरूरत को आपको ध्यान में रखना होगा। यह सही है कि रुरल अर्बन डिवैल्पमेंट के द्वारा लोगो के घर तरकीब से बन जाएंगे, अच्छे बन जाएंगे। आप सीवरेज की, ड्रेनेज की, पानी की, बिजली की, नालियो की और सडको की फ़ैसिलिटीज दे पाएंगे। मैं इस बात को मानता हूँ कि गावों की सडकें टूट जाती है जिसकी वजह से ड्रेनेज नहीं हो पाता और आप ये सुविधाएं दे पाएंगे और मैं समझता हूँ कि इसे अच्छी बात कोई नहीं हो सकती। मैं एक बात पर मुख्यमंत्री महोदय की दाद देता हूँ कि मैंने उनको कहा कि आपकी एक्साइज पॉलिसी मुझे बहुत अच्छी लगी है, आपकी इक्वल डिस्ट्रीब्यूशन आफ वाटर की पॉलिसी भी मुझे बहुत अच्छी लगी है इसके लिए मैं आपकी तारीफ

करता हूँ। तीसरी बात जो मुझे सबसे अच्छी लगी है वह है एजुकेशन सिटी। आज हम बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर भेजते हैं तो कोई अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए मकान बेचता है कोई जेवर बेचता है और सोचता है कि हमारे बच्चे पढ़ लिख कर काबिल बन जाएं। अगर इसके लिए यहां प्रोविजन है या आप प्रोविजन कर देंगे तो हरियाणा पर ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान पर इस गवर्नमेंट का बहुत बड़ा एहसान होगी। राजीव गांधी एजुकेशन सिटी बनने जा रही है मुझे यह एजुकेशन सिटी का प्रोग्राम बहुत ही अच्छा लगा। एजुकेशन सिटी का यह प्रोग्राम सरकार का बहुत नेक कदम है इसका कभी मुकाबला नहीं हो सकता। इस बारे में आज नहीं बल्कि आने वाले समय में जनता बताएगी कि हरियाणा सरकार ने हमारे लिए क्या कुछ किया है। आज मैं मुख्यमंत्री की एक बात के लिए और दाद देता हूँ कि उन्होंने कभी कुछ नहीं छिपाया, मैंने 16 तारीख को मुख्यमंत्री को कहा कि आप लोगों को कह रहे हैं कि बिजली का हम सारा बंदोबस्त कर रहे हैं, आज तक किसी गवर्नमेंट ने ऐसे काम नहीं किए। 10 अप्रैल को तो सरकार आई और फरवरी में इलैक्ट्रिकेशन हो जाएंगे तो हम कैसे कह पाएंगे तो कहने लगे कि मैं झुठ नहीं बोलता। ये आदरणीय मुख्यमंत्री जी की भाराफत है कि जो असलियत है उसको कहने में कोई दिक्कत महसूस नहीं करते। आज एफ एम जी बैठे हैं उन्होंने बिजली के लिए बहुत पैसा दिया है। मुझे खुशी होती है मैं इनसे एक बार बात कर रहा था तो ये कहने लगे बिजली के लिए जितना पैसा मांगे हम देने के लिए

तैयार है ताकि गुडगांव मे बिजली आनी चाहिए, सारे हरियाणा मे बिजली आनी चाहिए। यदि इंडस्ट्री को 4 घंटे बिजली मिलती है तो इंडस्ट्री कैसे पनपेगी, कैसे लेबर को तनख्वाह दे पाएंगे और कैसे और कुछ कर पाएंगे। वित्त मंत्री महोदय, मेरी प्रार्थना है कि जो प्रूवडेंट फिजीकल मैनेजमेंट है उसका आपको 25 परसेंट ज्यादा पैसा मिला है, मैं समझता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि अगले साल इससे भी ज्यादा पैसा मिले ताकि लोगो की भलाई के लिए आप कुछ काम कर सकें। मैं इन भाब्दो के साथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्रीमती सुमिता सिंह (करनाल): उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं राज्यपाल महोदय ने जो 7 मार्च 2008 को अभिभाषण दिया है उसका अनुमोदन करती हूं। मैं हमारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी, हमारे मुख्यमंत्री भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी को बधाई देता हूं कि जिनहोने किसानो के 60 हजार करोड रुपए का कर्जा माफ करने का काम किया। पिछले साल जो 1600 करोड रुपए के बिजली के बिल किसानो के माफ किए गए उसके लिए भी मैं बधाई देती हूं। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि किसानो की तरफ पूरा ध्यान दिया जाए और उनकी भलाई की जाए क्योंकि किसान खुा तहाल होगा तो पूरा देा खुा तहाल होगा। वे धूप मे, ठण्ड में और बरसात मे हमारे लिए गेहूं, चावल और सब्जियां उगाते है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने प्रदेा के किसानो को देा मे सबसे ज्यादा भाव गेहूं,

जीरी और गन्ने का दिया है जिसके कारण आज सही मायने में किसानों के चेहरे पर खुशी दिख रही है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, इस समय देश में जितना भी उपलब्ध बिजली है उसमें से आधी बिजली कृषि क्षेत्र की सिंचाई के लिए दी जा रही है। किसानों की समस्याएं हल करने के लिए हमारी सरकार द्वारा नई मोबाइल फोन सेवा शुरू की जा रही है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, इस समय प्रदेश में जितना भी नहरी पानी उपलब्ध है उसका बराबर बंटवारा हमारी सरकार कर रही है। प्रदेश में सभी खालों को पक्का करने के लिए तेजी से काम चल रहा है और पुराने खालों की मरम्मत का काम भी तेजी से चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले कई सालों में कई सरकारें आईं और कई सरकारें गईं और कितने ही मुख्यमंत्री बने और हटे लेकिन किसी ने बिजली के उत्पादन की तरफ विशेष ध्यान नहीं दिया। आज यमुनानगर में, झाड़ली में और हिसार आदि जगहों पर थर्मल पावर प्लांट लगाये जा रहे हैं। हमारी सरकार का इन प्लांट्स से 5000 मैगावाट बिजली उत्पादन करने का लक्ष्य है। हमारी सरकार ने पिछले तीन सालों के दौरान जितनी भी खराब बिजली की तारें थीं उनको बदला है और नये खम्बे लगाये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त ट्रांसफार्मर्स को भी अपग्रेड किया जा रहा है। इन सब बातों के साथ साथ मैं सरकार का ध्यान बिजली के कटों की तरफ भी दिलाना चाहूंगी कि जब कभी बिना किसी विनियम के पांच दस मिनट बिजली आने के बाद कट लग जाता है तो किसानों और

लोगो को बहुत परेशानी होती है। इसलिए सरकार इस तरफ विशेष ध्यान दे और परोपर रिडयूल अपनाये जायें। पब्लिक को पता होना चाहिए कि कब बिजली आयेगी और कब कट लगेगा। उपाध्यक्ष महोदय, इस समय सरकार की तरफ से गावों और भाहरो मे सैंकडो ट्यूबवैल लगाये जा रहे है। उनमे से काफी ट्यूबवैल लगने के बाद अभी तक चालू नही हुए है इस ओर सरकार ध्यान दे। इसके अतिरिक्त मैं सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगी कि हमारे जो ट्यूबवैल अपरेटर लगे हुए है उनकी ड्यूटी के समय बिजली न होने के कारण वे ट्यूबवैल नही चला पाते। क्योंकि बिजली जब आती है उस समय वे ड्यूटी पर नही होते। जिसके कारण आम जनता को बहुत परेशानी होती है। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करुंगी कि जो पब्लिक हैल्थ के ट्यूबवैल है उनको होट लाईन के साथ जोडा जाए ताकि ड्यूटी के समय ट्यूबवैल अपरेटर ट्यूबवैल चला सके और आम जनता को समय पर पानी मिल सके। उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार को बधाई देना चाहूंगी कि इंदिरा गांधी पेय जल योजना के तहत गावों मे रहने वाले गरीब हरिजन भाईयो को मुत पानी की टंकी, टूटी और कनैक्शन दिया गया है। लेकिन मैं मुख्यमंत्री जी से अर्ज करना चाहूंगी कि गावों की तर्ज पर भाहरो मे रहने वाले गरीब हरिजन भाईयो को भी मुफ्त पानी की टंकी, टूटी और कनैक्शन दिया जाए। क्योंकि भाहरो मे भी गरीब हरिजन भाई रहते है और ज्यादातर अनएथोराइज्ड कालोनियो मे रहते है इस बारे मे जब प्रशासन से बात करते है तो वे कहते है कि इन जगहो पर पानी

और सीवरेज की सुविधा नहीं दी जा सकती क्योंकि ये कालोनियां अन-अथोराइज्ड हैं। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि भाहरो में ऐसी जगहों पर भी बेसिक सुविधाएं गरीब भाईयों को अवश्य दी जायें। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी का माना है कि अगर एक पक्षी के पास घोंसला होता है तो एक गरीब आदमी के पास भी अपना आश्रय होना चाहिए। यही कारण है कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने जिन लोगों के पास अपना मकान नहीं है उन गरीब लोगों को 100 100 गज के प्लॉट देने की घोषणा की है। इस घोषणा पर काम भी शुरू हो गया है और फार्म आदि भरे जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज के दिन जितने विकास कार्य हरियाणा प्रदेश में हो रहे हैं इतना विकास न तो पहले कभी हुआ और न ही सोचा था। कहीं पर सड़कें बन रही हैं तो कहीं पर ओवर ब्रिज बन रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा शिक्षा की तरफ भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस समय नये नये स्कूल और कालेज प्रदेश में बनाए जा रहे हैं और महिलाओं के लिए महिला यूनिवर्सिटी भी बनाई जा रही है। नये नये कालेज नये नये स्कूल बनाए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए स्पेशल यूनिवर्सिटीज बनाई गई हैं और अनुसूचित जाति के जो बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं ड्रॉप आउट हो जाते हैं उनके लिए सरकार ने मंथली स्टाइफंड शुरू किया है। इससे यह फायदा होगा कि बच्चे स्कूल छोड़ कर नहीं जाएंगे क्योंकि जब ये दसवीं कर लेंगे तो इनको जो ये पैसा इनका इकट्ठा होगी उसका आधा पैसा इनको मिलेगा और 12वीं के बाद इनको पूरा पैसा मिलेगा जिससे ये

अपनी हायर एजुकेशन के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। अनुसूचित जाति की लड़कियों को साईकिल दी जा रही है। कालेज की छात्राओं को भी साईकिल दी जा रही है और जो अनुसूचित जाति के बच्चे कंप्यूटर के छात्र हैं उनको मुफ्त में सरकार ने कंप्यूटर देना भी शुरू कर दिया है। इसके साथ माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक ऐतिहासिक फैसला किया है कि वह भाहो के रैजीडेंटियल घरों के उपर हाउस टैक्स हटाना। पिछली सरकार ने यह टैक्स इतना ज्यादा कर दिया था कि एक आम आदमी के साथ साथ एक अमीर आदमी भी हाउस टैक्स देने में दिक्कत महसूस करता था। ऐसा लगता था कि हम अपने घर में रहने का किराया दे रहे हैं। इसके लिए वाकई माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं जबकि किसी ने इस बात की आवाज भी नहीं उठाई कि हाउस टैक्स को समाप्त किया जाये। पानी और सीवरेज के बिल्स के उपर जो सरचाज्र था वह भी हमारी सरकार ने माफ किया और गावों में चुल्हा टैक्स माफ किया यह भी एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम हमारी सरकार का है। हमारी सरकार का ध्यान सफाई की ओर भी पूरी तरह से है। गावों में 11 हजार सफाई कर्मचारी लगाये गये हैं। इसके लिए भाहरो में भी वार्ड वाइज नये कर्मचारी रखने चाहिए और उनको परमानेंट रखना चाहिए न कि ठेके पर रखना चाहिए। ठेकेदारी की प्रथा को भी समाप्त करना चाहिए। मैं इस बात की बधाई देती हूँ कि हमारे हरियाणा में न्यूनतम वेज 3500 रुपये है जो कि सबसे ज्यादा है। किंतु जो भी हम सफाई कर्मचारी ठेके पर रखते हैं उनको ये 3500 रुपये नहीं मिलते हैं

क्योंकि ठेकेदार उनको सिर्फ 2000 या 2200 रुपए महीना ही देते हैं। घटते लिंगनुपात को देखते हुए हमारी सरकार ने बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएँ लागू की हैं जैसे कि लाडली योजना, इंदिरा गांधी प्रियदर्शिनी विवाह भागुन योजना और अभी जो हमारी सरकार ने और केन्द्रीय सरकार ने आंगनवाड़ी वर्कर और हैलपर का वेतन बढ़ाया है इसके लिए भी मैं उनको बहुत बहुत बधाई देती हूँ। हुड्डा के मकानों में हमारी सरकार ने महिलाओं के लिए जो 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए किया है यह भी सराहनीय कदम है और एक बहुत ही ऐतिहासिक फैसला हमारे मुख्यमंत्री जी ने किया है, वह था गावों में महिलाओं की चौपाल बनाने का। मैं सरकार का ध्यान थोड़ा सा इस ओर दिलाना चाहूँगी कि जिस प्रकार से हमारी जो विधवा बहने हैं उनकी क्वालिफिकेशन को देखते हुए उनके लिए भी नौकरियों में आरक्षण जरूर किया जाये क्योंकि एक महिला जब विधवा हो जाती है तो उसको विधवा पेंशन तो मिलती है जो कि 350 रुपये किंतु वह इस 350 रुपए में अपने परिवार का अपने बच्चों का खाना पीना और पढ़ाई का खर्च वहन नहीं कर सकती। तो मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूँगी कि हमारी ऐसी महिलाओं के लिए भी सरकारी नौकरियों में आरक्षण किया जाये। उनके लिए भी कुछ परसेंट सरकारी नौकरियों में आरक्षण किया जाये। हमारी सरकार का ध्यान स्वास्थ्य की ओर भी पूरी तरह से है। गावों में गरीब लोगों को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है और जिन के पास बी पी

ल कार्डज है उनमे गरीब महिलाओ को जो गर्भवती है उन्हे अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए 700रुपये दिये जाने चाहिए। हमारे वित्त मंत्री जी यहां बैठे है उनसे भी मेरा निवेदन है कि करनाल मे एक मैडिकल कालेज अनाउंस हआ है और उसके बारे में मेरा आज प्र न भी लगा था कि जिसके जवाब मे मंत्री महोदय ने कहा कि फण्डज नही है और जब फंडज आयेंगे तो यह मैडीकल कालेज भुरु हो जाएगा। तो मै वित्त मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि कुछ बजट हमारे इस मैडीकल कालेज के लिए भी आप जरुर रखे। हमारी सरकार उद्योग की तरफ भी बहुत ध्यान दे रही है। हरियाणा मे जो आर्थिक निवे । होगा और कितने ही बेरोजगारो को रोजगार मिलेगा। अंत मे मै यह कहना चाहूंगी कि जो पिछली सरकार के समय गुंडागर्दी का माहौल था, लोग आराम से सो भी नही सकते थे। आज के दिन हरियाणा मे सुखा भांती है और हमारी सरकार ने जो प्र ांसनीय कार्य किये है उसके लिए भी मै सरकार को बधाई देती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए भी धन्यवाद।

श्री अमीर चन्द मक्कड (हांसी): उपाध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए धन्यवाद। इसके साथ साथ कुछ मेरे हल्के की भी समस्याएं है मै उनको भी हाउस के सामने रखना चाहता हूं। हरियाणा के विकास के लिए तथा हरियाणा को नम्बर एक राज्य बनाने के लिए हरियाणा सरकार जो प्रयास कर रही है

उसकी तस्वीर महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में स्पष्ट दिखाई देती है। हरियाणा में विकास के जितने भी कार्य चल रहे हैं। वे नजर आ रहे हैं। मैं यह समझता हूँ कि हमारे मुख्यमंत्री ने जो प्रदेश को एक नम्बर का राज्य बनाने का सपना संजोया था वह पूरा होगा। इसी तरह से अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए भी प्रति हेक्टेयर 42 क्विंटल गेहूँ की पैदावार का भी रिकार्ड हरियाणा ने कायम किया है। 147 लाख टन अनाज की पैदावार बनाकर हरियाणा सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। इसी तरह से पीने के पानी की बात है। हरियाणा सरकार ने यह घोषणा की हुई है कि 40 से 70 लीटर तक पीने का पानी प्रति व्यक्ति उपलब्ध करवाया जायेगा। इस बारे में मैं एक प्रार्थना करना चाहता हूँ कि मेरे हल्के हांसी भाहर में पीने के पानी की बहुत बड़ी दिक्कत है। और जब तक दूसरा वाटर वर्क्स हांसी में नहीं बन जाता तब तक हांसी भाहर के लोगों को स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो सकेगा। मेरी हरियाणा सरकार से यह प्रार्थना है कि जहाँ विकास के इतने बड़े बड़े कार्य हो रहे हैं तो पीने के पानी की समस्या को सबसे पहले निपटाया जाना चाहिए। यदि इंसान को पीने के पानी नहीं मिलता है तो उसकी सेहत भी ठीक नहीं रह सकती। आज हांसी में पीने के पानी की बहुत बड़ी दिक्कत है और कई बार लोग अकायत भी करते हैं मगर अभी तक कोई काम नहीं हुआ है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि दूसरे वाटर वर्क्स का जल्दी ऐस्टीमेट बनवाकर उसके निर्माण का काम शुरू किया जाये ताकि लोगों को पीने के स्वच्छ पानी मिल सके। इसके साथ ही साथ मैं

यह भी कहना चाहूंगा कि जो पानी के नाले हैं उनको भी कवर किया जाना चाहिए। आजकल हमारी जो बहने हैं वे उन नालों पर कपड़े धोने लग गई हैं। सारी गंदगी पानी में मिल जाती है और इससे बिमारियां फैलने का भय बना रहता है। दूसरे प्रकार की गंदगी की सफाई हो सकती है मगर इस प्रकार की गंदगी की सफाई नहीं हो सकती। इसलिए उनको कवर करने का प्रावधान जरूर करवाया जाना चाहिए। हरियाणा देश का सबसे पहला राज्य है जिसने किसानों के अरबों रुपये की बिजली के बिलों का बोझ माफ करके किसानों को राहत दी है। किसानों के कर्जों को माफ करके किसानों को समाज में आगे बढ़ने का मौका दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ करोड़ों अरबों का जो ब्याज किसानों के ऊपर था उसको माफ किया है। केन्द्र की सरकार ने 60 करोड़ रुपये के कर्जों को माफ करने का सराहनीय कार्य किया है। हमारे अपोजीटिव के भाई इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते और लोगों का मन उधर से हटाने के लिए गलत बयान देकर लोगों को भरमाने की बात कर रहे हैं जो कि अत्यंत निंदनीय बात है। 5-7 साल पहले ये लोग कहा करते थे कि कर्जों को माफ करो, कर्जों को माफ करो और जब सरकार ने कर्जों को माफ कर दिये तो बजाए उसकी तारीफ करते ये लोगो को भरमाने की तरफ लगे हुए हैं, यह उनका अच्छा काम नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने लोगों की भलाई के लिए बहुत अच्छे काम किये हैं। इसी तरह से सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण का ऐलान कर रखा है। कर्जों को माफ से महिलाओं को भी भावित मिलती है क्योंकि कर्जों

माफ के अंदर महिलाएं भी बराबर की भारीव है और इससे महिलाओं को भी बड़ी राहत मिली है। मैं समझता हूँ कि हमारी सरकार ने यह बहुत अच्छा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने सड़को का उद्धार किया है और तीन हजार करोड़ रुपये के काम शुरू कर रखे हैं। मैं समझता हूँ कि मेरे हल्के हांसी में कुछ सड़को की रिपेयर की जरूरत है। कुछ नई सड़के बनाने के लिए मैंने लिख कर भी दिया है। माननीय मुख्यमंत्री जी जब हांसी गये थे तो उस वक्त भी मैंने कुछ सड़को के बारे में उनसे निवेदन किया था। घण से जमावडी तक सड़क, लाल पुरा से धुलाना तक की सड़क वाया ढाणी मुज्जफर होकर जाती है यह सड़क बहुत पुरानी है। एक सड़क खरखडा से होकर अनाम मण्डी तक जाती है वह थोड़ी बननी रह गई थी उसको बनवाया जाए क्योंकि किसानों को वहां से आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है इसलिए वह सड़क भी पक्की करवाई जाए। जितनी भी सड़के टूटी हुई है उनकी रिपेयर भी यद्दस्तर पर करवाई जाए ताकि किसानों को आने जाने की सुविधा मिल सके। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ एक बाई पास जो जी टी रोड से चल कर भाहर से होता हुआ जी टी रोड में दोबारा मिलता है उसको भी जल्दी चालू करवाया जाए। उद्योगों के बारे में हरियाणा सरकार बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। बेरोजगारी को दूर करने के लिए उद्योगों के विकास के लिए सरकार ने युद्दस्तर पर कार्य शुरू किया है। पिछली सरकार के वक्त में कुछ उद्योगपति यहां से बाहर चले गये थे। इस सरकार के आने के

बाद वे उद्योगपति वापिस हरियाणा मे आ रहे है। विदे गो से भी उद्योगपति हरियाणा मे उद्योग लगाने के लिए आ रहे है क्योकि हरियाणा की सरकार उद्योगो को बहुत सहूलियते दे रही है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा मे बहुत से उद्योग लग रहे है। हांसी मे एक बहुत बडी स्पीनिंग मिल थी जिससे हजारो मजदूर काम करते थे लेकिन पिछली सरकार ने वह मिल बेच कर हजारो मजदूरों को बेकार कर दिया। पचास एकड़ जमीन वहां पर खाली पडी हुई है। मैं समझता हूं कि हांसी मे इस जमीन पर कोई बडा उद्योग लगाया जाए ताकि हांसी के लोगो को कारोबार मिल सके। अगर कोई बडा उद्योग वहां पर चलाएंगे तो उससे मजदूरों को भी काम मिलेगा। सरकार से मेरा अनुरोध है कि वहां पर कोई बडा उद्योग जरूर लगाया जाए। इसके साथ ही साथ हमारी सरकार पर्यटन मे भी काफी विस्तार कर रही है और अच्छे अच्छे काम कर रही है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन मे यह कहना चाहूंगा की हांसी मे छोटे छोटे बहुत से पार्क है लेकिन कोई भी बडा पार्क नहीं है। इसके लिए हमने मांग भी कर रखी है। मेरा सरकार से निवेदन है कि वहां पर एक बडा पार्क बनाया जाए ताकि वहां पर लोग खुली हवा मे सांस ले सके और धूम फिर सकें। इसी तरह से भाहरो मे निकासी के लिए बडे स्तर पर काम किए जा रहे है। विका के काम किए जा रहे है। मैं यह नहीं कहता कि हांसी में विकास के काम नहीं किए जा रहे है। लेकिन बाकी जगहो के मुकाबले कम हो रहे है। वहां पर कई सडके कच्ची है उनको सरकार द्वारा पक्का करवाया जाए, इसके अलावा गावों मे

नालियो और गलियो को भी पक्का करवाया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, हांसी भाहीदो और दे भाक्तो का भाहर है। हांसी मे 1857 मे जंगे आजादी के वक्त जब दोबारा से अंग्रेज काबिज हो गए थे उस वक्त लोगो को सडको पर लिटा कर गिरडी फेर दी थी जिसके कारण उनके खून से वह सडक लाल हो गई थी। आज भी वह सडक लाल है। हमारे मंत्री जी वहां पर गए थे और उन्होंने उस सडक को दखा भी था। मेरा आपके माध्यम से यह कहना है कि मंत्री जी हांसी के बारे मे भी ध्यान रखे और वहां पर विकास के कार्य करवाएं। उपाध्यक्ष महोदय, अंग्रेजो ने लोगो की भावनाओ को कुचलने के लिए हिंदुओ को दफनाया था और मुसलमानो को जलाया था। उन्होंने धर्म के विरुद्ध काम किए थे। मेरी रिक्वैस्ट है कि भाहीदो के नाम पर वहां पर जो पार्क बनाया गया था उसको डिवैल्प करने के लिए और पैसा दिया जाए ताकि लोग हमारे भाहीदो को याद करते रहे। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी यह सरकार ि शिक्षा के विस्तार के लिए पूरा जोर लगा रही है और एस सीज, एस टीज और बी सीज के गरीब बच्चो को प्रोत्साहन देकर ि शिक्षा की तरफ ध्यान दिया जाए। हमारे यहां पर कालेज तो है लेकिन वहां पर एक तकनीकी कालेज लडकियो के लिए जरुर खोला जाए। हमारी बच्चियां भिवानी और रोहतक मे पढने के लिए जाती है। अगर हमारे वहां पर ही गर्ल्ज कालेज खुल जाएगा तो उनको बहुत ही सुविधा हो जाएगी। हमारी बच्चियां भी अपने पैरो पर खडी हो सकेगी। इसी के साथ उपाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर मुजारे है जो कि 100 सालो से कास्त करते आ रहे है

लेकिन उनको आज तक जमीनो का मालिकाना हक नहीं दिया गया है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उनको उन जमीनो का मालिक बनाया जाए ताकि वे अपना गुजारा ठीक ढंग से कर सकें। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूँ।

संसदीय सचिव (राव दान सिंह, महेन्द्रगढ़): परम आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और साथ ही स्पीकर साहब का आभार व्यक्त करता हूँ। जिनहोने हरियाणा विधान सभा के इस सदन को एक नयी पहचान देकर नवीनीकरण का कार्य पूरा किया है। आदरणीय डिप्टी स्पीकर सर, इस वर्ष के बजट में भारतवर्ष के वित्त मंत्री ने आदरणीय मनमोहन सिंह और यू पी ए की चेयरपर्सन परम आदरणीय सोनिया जी के निर्देशों और ओडिशा के अनुसार एक ऐसा ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बजट इस देश को दिया जिसका आज तक कोई सानी नहीं है। विपक्ष के लोग आज तक यह समझ ही नहीं पाए हैं कि हकीकत में ऐसा कैसे हुआ है। इसलिए हर विपक्ष का आदमी उसकी अपने अपने तौर पर व्याख्या करता है। डिप्टी स्पीकर सर, आज एक नया माहौल, एक नयी दिशा हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री जी और हरियाणा प्रदेश के वित्त मंत्री जी की जोड़ी ने हरियाणा में और मनमोहन सिंह और

आदरणीय सोनिया गांधी जी ने केन्द्र के अंदर देने का प्रयास किया है। डिप्टी स्पीकर सर, राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सरकार की आने वाली गतिविधियों के बारे में एक प्रतिबिम्ब होता है और प्रतिपक्ष एक आईना होता है। विपक्ष सत्ता पक्ष की ओर से किए हुए हर कार्य की व्याख्या आलोचनात्मक विलेशण के तौर पर सही और गलत गुणदोष के आधार पर करता है। लेकिन अफसोस इस बात का है कि यहां परिपाटी और परम्परा इस तरह की है कि जो व्यक्ति विपक्ष में बैठता है वह आलोचना की ही बात करता है। सरकार चाहे अच्छे काम करे लेकिन उसकी सराहना नहीं कर सकता। जबकि हकीकत यह है कि हलवाई से अगर बैर हो तो मिठाई खराब नहीं बतानी चाहिए। यह बात प्रतिपक्ष के लोगों को समझ में आनी चाहिए। माननीय सदस्य श्री औम प्रकाश चौटाला जी इस समय सदन में नहीं हैं। वे इस सदन के बहुत वरिष्ठ मੈम्बर हैं और वे पूर्व मुख्यमंत्री भी रहे हैं। उनको अभिभाषण पर एक टिप्पणी की और कहा कि आखिर किसान कर्जा लेता ही क्यों है? डिप्टी स्पीकर सर, मैं इस बारे में उनको इतना ही कहना चाहता हूँ कि उनसे ज्यादा किसान की व्यथा को कौन जानता है। वह स्वयं किसान के बेटे हैं, किसानों के नेता हैं और किसानों की सत्ता को सीढ़ी बनाकर सत्ता के पिछरे पर पहुंचे हैं लेकिन अगर वे भी इस सदन के माध्यम से यह पूछें कि किसान कर्जा लेता ही क्यों है तो क्या यह ठीक है। मैं उनसे जानना चाहता हूँ कि क्या उनके जमाने में किसान कर्जा नहीं लेता था। हरियाणा में यह बात प्रचलित रही है कि चौधरी देवी लाल ने

कहा कि मैं लिख कर दूंगा कि कर्ज माफ और नीचे देवी लाल। डिप्टी स्पीकर सर, जब ये सारी चीजे थी तो इसका मतलब यह है कि किसान का कर्ज आज का नहीं है बल्कि यह बहुत पुराना चल रहा है। जो आदरणीय मनमोहन सिंह और वित्त मंत्री जी ने 60 हजार करोड़ का कर्ज किसानों के माफ करने का फैसला किया है तो इनको तो इसकी सराहना करनी चाहिए थी। जो हरियाणा के मुख्यमंत्री जी ने और वित्त मंत्री जी ने हरियाणा के किसानों के 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिलों को माफ करने का फैसला किया तो इनको तो उसकी भी सराहना करनी चाहिए थी हालांकि कांग्रेस ने इसका वायदा नहीं किया था। अगर हमारी सरकार ने 830 करोड़ रुपये का कोओपरेटिव बैंकों का किसानों का कर्ज माफ किया है तो इनको तो उसकी भी सराहना करनी चाहिए न कि उसकी नुकनाचीनी करनी चाहिए। डिप्टी स्पीकर सर, इस प्रदे में दो ही अन्नदाता हैं एक भगवान और दूसरा किसान। आप जानते हैं कि आज कृषि लाभ का धंधा नहीं है। आज किसान को चारों तरफ घाटा उठाना पड़ता है। अगर कृषि लाभ का धंधा होती तो फिर टाटा, बिडला, अम्बानी और मितल जैसे कृषि का कार्य करते। इसलिए घाटे की वजह से ही आज किसान अपनी व्यथा पर रोता है। केन्द्र सरकार ने अगर आज किसानों की दयनीय स्थिति को देखकर उसकी आत्महत्याओं के कगार पर पहुंचने की स्थिति को देखते हुए अगर कोई ऐतिहासिक फैसला लिया है तो हमें उसको सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय जहां तक किसानों की बात आती है, मैं समझता हूँ कि

इससे ज्यादा किसान हितैशी कोई दूसरी सरकार नहीं हो सकती। किसान का बेटा जानता है कि उसका बाप फटी धोती पहनकर किस तरह रहता है और रोटी चटनी के साथ मांगी हुई छाछ पीकर उसका बेटा अपनी मां की तार तार ओढ़नी को देखकर और उसकी बहन की बढ़ती उम्र को देखकर उसकी भाादी की चिंता में और अपने भाई और भतीजे की भाादी ब्याह और हारी बिमारी और शिक्षा के प्रबंध के लिए चारों तरफ जब कोई व्यवस्था नहीं देखता है तो उसे कर्ज के अलावा कोई और रास्ता नजर नहीं आता है। यही कारण है कि वह कर्ज लेता है। अगर चौधरी और प्रकाश चौटाला के पास कर्ज न लेने की कोई कैमिस्ट्री थी तो उन्होंने पहले क्यों नहीं बताई। अगर अब भी उनके पास कोई ऐसी कैमिस्ट्री है तो वे इस सदन में बताएं तो यह सदन उसे सहर्ष स्वीकर करेगा। हम भी यही चाहते हैं कि किसान कर्जदार न हो। मैं तो इस बारे में यही कहूंगा कि हम अपने फर्ज को निभाए। अधिकारों के साथ साथ अपने कर्तव्यों की भी बात करें तब जाकर हम कह सकते हैं कि वाकई में हम कुछ बदलना चाहते हैं। किसी भाायर ने कहा है कि 'पीड पर्वत सी हुई अब तो पिधलनी चाहिए, इस धरा से फिर कोई गंगा निकलनी चाहिए' सिर्फ हंगामा खडा करना मेरा मकसद नहीं, हमारी तो कोशिश है कि यह तस्वीर बदलनी चाहिए' आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, हम यहां पर स्वस्था परंपराओं को स्थापित करना चाहते हैं। जब से हरियाणा प्रदेश के अंदर कांग्रेस की सत्ता आई है। आदरणीय सोनिया गांधी जी ने प्रदेश में भूपेन्द्र सिंह हुडडा जी को मुख्यमंत्री व बीरेन्द्र सिंह

जी को वित्त मंत्री बनाया है तब से इन दोनों ने विकास का संकल्प लिया है। पिछले तीन वर्षों की स्थिति की तरफ झाँककर देखें तो पता लगेगा कि किसान की अवस्था कितनी दयनीय थी, कानून व्यवस्था की स्थिति भी चरमराई हुई थी। प्रायः हत्या, डकैती और लूटपाट का आलम था। इन परिस्थितियों में पलायन को रोकना था व नयी व्यवस्था को जगाने की बात थी और जगाया भी है और उसका परिणाम हमें साफ तौर पर नजर आता है कि उद्योगों की लम्बी लाइन लगी है। एक लाख करोड़ के आसपास उद्योगों के प्रोजेक्ट्स आए हुए हैं और 33-34 हजार करोड़ रुपये के उद्योग स्थापित किए जा चुके हैं जिससे हजारों नई नौकरियाँ बनेगी युवाओं का आस बंधी है। मुख्यमंत्री जी ने यह संकल्प लिया है कि मैं हरियाणा को एक नम्बर का प्रदेश बनाऊंगा लेकिन ऐसे मामलों में किसी एक व्यक्ति के संकल्प लेने से बात नहीं बनती। इसमें सभी के सहयोग की जरूरत होती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस सदन से प्रतिपक्ष के लोग हैं या सत्ता पक्ष के लोग हैं सभी कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे तो निश्चित रूप से हरियाणा का नवनिर्माण होगा। नारनौल की ढाणी से तरक्की और विकास की राह चलकर चंडीगढ़ पहुंचेगी तभी हम उसे विकास कह सकते हैं। मात्र बड़े भाइयों के विकास से बात बनने वाली नहीं है। मेरे साथी सदस्यों ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए बहुत से बिंदुओं को छुआ है मैं उन से बातों को दोहराना नहीं चाहता हूँ लेकिन कुछ बातें ऐसी हैं जिनका मैं निश्चित तौर पर जिक्र करना चाहूँगा। जहाँ तक

सिंचाई का सवाल है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की 75 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर आधारित है। मैं जिस क्षेत्र से आता हूँ वे क्षेत्र अधिकतर सुखे की चपेट में रहता है और जहाँ पानी 500 फुट से लेकर 1500 फुट गहराई तक भी नहीं मिल पाता। मेरे क्षेत्र का किसान इतना परिश्रमी है कि सूखी जमीन का सीना चीरकर अनाज पैदा करने की क्षमता तो रखता है लेकिन अपनी बदहाली पर आंसू बहाता है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने सत्ता संभालते ही पहला निर्णय पानी के समान बंटवारे का लिया। यह ऐ बहुत ही बड़ा ऐतिहासिक फैसला था। जिससे मेरे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। मैं चाहता हूँ कि जल्दी से जल्दी यह कार्य किसी तरह से पूरा हो तब जाकर हम मान पाएंगे कि वाकई मैं जिस पानी के समान बंटवारे की बात हम कह रहे थे वह हकीकत के रूप में हमारे सामने होने जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, एसवाईएल का मामला कोर्ट में लंबित है इसलिए मैं उस पर कुछ कहना नहीं चाहता हूँ लेकिन इतना अवश्य कहना चाहता हूँ कि जल आपूर्ति के जितने संसाधन हैं उनको पूरी तरह से जुटाया जाए ताकि मेरे क्षेत्र के लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की जा सके। बिजली की बात आती है तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि बिजली की भारी कमी है। जब प्रदेश में चर्चा होती है तो राज्य के बारे में कहा जाता है कि सब चीजें बहुत अच्छी हैं सिर्फ बिजली की वजह से आपकी बदनामी है और यह बात सत्य भी है। लेकिन सरकार ने पूरे प्रयासों के साथ बहुत बड़ी व्यवस्था करके इस तरफ काम करने का काम किया है। आज 8.57 पैसे

प्रति यूनिट बिजली लेकर किसानों को 25 पैसे प्रति यूनिट बिजली देने का काम किया जा रहा है। एक तरफ तो विकास का इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवैल्प किया जा रहा है और दूसरी तरफ बिजली पैदा करने के कारखाने लगाये जा रहे हैं। जैसे कि कोई आसमान से तारे या तारों की चमकती बिजली को तोड़कर किसानों को बिजली देनी हो। आप अच्छी तरह से जानते हैं कि आज का किसान बहकावे में नहीं आने वाला है। एक समय था जब यह कहा जाता था कि *Indian democracy is not a democracy it's a mobocracy where heads are counted but not the brains.* लेकिन आज उनके ब्रेन भी काउंट किये जाते हैं। आज आम जनता और जमींदार वह बात कह सकते हैं जो आपके कालेज में पढ़े हुए इंजीनियर्स और साइंटिस्ट नहीं बता सकते। इसलिए आज उनको गुमराह नहीं किया जा सकता। आज चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने बहुत सोच समझकर अच्छी भूराज्य की है। हम बिजली के कारखाने लगा रहे हैं और उनके माध्यम से हरियाणा के अंदर बिजली की सप्लाई करेंगे ताकि हरियाणा कृषि के साथ उद्योगों में भी साइमैलटेनिय गली विकास कर सकें। चहुंमुचीह विकास तभी हो सकता है जब बिजली और उद्योग साथ साथ चले। आज जो बिजली परियोजनाएं चल रही हैं जैसे यमुनानगर, खेदड और झाडली में वे डेढ़ दो साल में पूरी हो जाएंगी जब हरियाणा अपने किसानों को 18-20 घंटे प्रतिदिन बिजली दे पायेगा और निश्चित तौर पर इस समस्या का समाधान कर देंगे।

अब मैं सड़क और परिवहन के बारे में कहना चाहता हूँ परिवहन मेरा स्वयं का विभाग भी है। अगर किसी प्रदेश की तरक्की मापनी हो तो उसके इन्फ्रास्ट्रक्चर को उसकी सड़को और परिवहन की व्यवस्था से मापा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश के अंदर सड़को की दो दा चार चार, छ छ और गुडगांव में 8-8 और 12-12 लेन वाली सड़के बनाकर हकीकत में बदल दिया है। आने वाले समय में आप देखेंगे कि गुडगांव चेहरे के तौर पर नजर आयेगा। अगर कोई दुबई से आकर गुडगांव में उतरेगा तो यह लगेगा कि प्रदेश ने वाकई तरक्की की है लेकिन बात गुडगांव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आम गांव से, आम रास्ते से और आम व्यक्ति से जुड़कर के किसी बात को करेंगे तभी हम हकीकत के साथ न्याय कर पायेंगे। सरकार ने यह एक सराहनीय काम किया है। आज सरकार ने हरियाणा में एयर कंडीशनर वोल्वो बसें चलाई है। गुडगांव में लोअर फ्लोरिंग की 15 सिटी बसें चलाई है। सी एन जी की 150 बसें चलाई है। यह एक बहुत बड़ा काम पूरा हुआ है और प्रदेश में रोडवेज ने बड़ी तरक्की की है लेकिन अभी हमारे पास कर्मचारियों की थोड़ी कमी है जिसके कारण रोडवेज में थोड़ी दिक्कत है लेकिन दो महीने बाद भर्ती हो जायेगी तो यह समस्या भी हल हो जायेगी और रोडवेज की सुविधा प्रदान कर देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक पर्यटन की बात है, पर्यटन हरियाणा के अंदर स्वाभाविक तौर पर कम है but we have created a lot out of this. आज हरियाणा में पर्यटन के साथ मैडी टूरिज्म भी बहुत बड़ी चीज है जो हरियाणा को मिल सकती है। गुडगांव में और

फरीदाबाद में सेंट्रल सिटीज के आसपास सिटी होस्पिटल बनायें। जो लोग विदे गो में उपचार करवाने जाते हैं उनका काफी पैसा खर्च हो जाता है वह इलाज हिन्दुस्तान में ही सस्ती दर पर उपलब्ध हो सके और जो विदे गी मुद्रा के तौर पर हमारे प्रदेश को सहयोग दे सके और मुनाफा कमा सके। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भाहरी विकास और ग्रामीण विकास के बारे में बात करना चाहता हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भाहरी विकास और ग्रामीण विकास के बारे में बात करना चाहता हूँ। आज भाहरी विकास के साथ साथ ग्रामीण विकास की भी बहुत जरूरत है। जैसे हरेडा की स्थापना की बात की जा रही है। यह वाकई में ही एक बहुत अच्छी योजना है। किसी गांव के आदमी की भाहर की तरह जीने का मौका मिलेगा उनको भाहर जैसा माहौल देखने को मिलेगा। इसके बाद शिक्षा की बात आती है। जैसे कि कहा गया है कि 'अज्ञानता अभिशाप है' और जब तक आदमी अज्ञानी रहता है तो उसके दुनिया की बात समझ नहीं आ सकती। आज हरियाणा प्रदेश के अंदर प्रत्येक नागरिक को शिक्षित करने का काम किया है। खासकर हमारी बहनों को क्योंकि जब कोई बहन पढती है तो उसके साथ दो परिवार पढते हैं लेकिन जब एक बच्चा पढता है तो एक व्यक्ति ही पढता है। इसी तर्ज पर श्रीमती सोनिया गांधी जी ने जींद रैली में एक महिला कालेज खोलने की घोशणा की थी उसके बाद हमारे प्रदेश में एक महिला विविद्यालय की स्थापना की गई और उसके बाद कई कालेज जैसे रेवाडी में एक महिला कालेज की स्थापना की गई। जहां तक

टैक्नीकल कालेज और इंजीनियरिंग कालेज की बात है महिलाओं को उनमें विशेष आरक्षण दिया गया है। यह बहुत अच्छी बात है। ऐजूसिटी बनाया जा रहा है जो कैम्ब्रिज और आक्सफोर्ड की तर्ज पर बनाया जायेगा यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है। इसलिए निश्चित तौर पर हरियाणा प्रदेश की तरक्की की तरफ जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक खेलों की बात है हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए इसका बजट डबल किया है। जिन खिलाड़ियों को 50 रुपये प्रति दिन डाइट के लिए मिलते थे उसको बढ़ाकर 100 रुपये किया गया है। जो खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के अंदर अच्छा खेल प्रदर्शित करके मैडल जीतकर आते थे उनको 10-10 लाख रुपये तक के इनाम देने की बात की गई है ताकि उनको प्रोत्साहन किया जा सके। यह अपने आप में एक अनूठा उदाहरण है।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक स्वास्थ्य की बात है तो यह बहुत बड़ी चिंता का विषय है। जब तक नागरिक का स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा तब तक आपके सारे कार्यक्रम व्यर्थ हैं। मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूँ कि स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी पहली प्राथमिकता है। स्वास्थ्य से जुड़ी हुई एक और बात चिंतनीय है और इसके अगर मैं ज्वलंत समस्या कहूँ तो कोई अति योक्ति नहीं होगी और वह समस्या है घटता हुआ लिंगानुपात। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके समक्ष अनुरोध के साथ कहना चाहता हूँ कि जहां सरकार ने भ्रूण हत्या रोकने के लिए

अल्ट्रासाउंड रोकने का कानून बनाया है और सजा का प्रावधान किया है तो वही नाकाफी है क्योंकि मात्र सजा के तौर पर हम किसी बात को पूर्णतया लागू नहीं कर सकते। हर व्यक्ति को इसको मन से समझता पड़ेगा क्योंकि हर व्यक्ति जो बड़ा है वह मां की कोख से पैदा हुआ है। एक महिला के कई रूप होते हैं, कहीं मा के रूप में जीजाबाई बनकर अपने बेटे को प्रोत्साहित करती है, कहीं बहन के रूप में लक्ष्मीबाई बनकर अपने अधिकारों के लिए लड़ती है और कहीं पत्नी बनकर सीता के रूप में पतिव्रता बनकर काम करती है। आज भ्रूण हत्या की जाएगी तो कल कोई बड़ा व्यक्ति कहां से पैदा हो पाएगा। इसलिए कहते हैं कि *there is a woman behind every great man*. इस बात को समझना पड़ेगा और लिंगानुपात जो गिरता जा रहा है इसको बढ़ाना पड़ेगा। सरकार ने इस क्षेत्र में प्रोत्साहन के लिए प्रावधान किया है कि जिस गांव में सबसे ज्यादा लिंगानुपात कम होगा उसके लिए एक लाख रुपये और जो गांव पूरे हरियाणा प्रदेश में नम्बर 1 पर होगा उसके लिए 5 लाख रुपये का इनाम देंगे जोकि बहुत बड़ी बात है। इसको और भी आगे बढ़ाना चाहिए। इसके अलावा सरकार ने जो कानून व्यवस्था की बात की तो हरियाणा में अब पूरी तरह से अमन और चैन है, पूरे हरियाणा में भांति है। पहले कानून और व्यवस्था टूटने और चरमराने की जो बात थी वह खत्म हो चुकी है। हरियाणा में आने वाला हर उद्योगपति आज अपने आपको सुरक्षित महसूस करता है और मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूँ कि आज हरियाणा में किसी बदमाश के लिए कोई

जगह नहीं है या तो वे पुलिस के साथ लडते हुए ढेर हो चुके हैं या फिर इस प्रदेश को छोड़कर दूसरी जगह जा चुके हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा एक टीम के रूप में काम करते हुए दिन दौगुनी रात चौगुनी तरक्की करेगा। उपाध्यक्ष महोदय, इन भावों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री नरेन्द्र मलिक (हसनगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया। उपाध्यक्ष महोदय, कई साथियों ने कहा है कि विपक्ष का काम केवल आलोचना करने का है चाहे वह केन्द्र की बात हो या प्रदेश की बात है, पता नहीं ये क्यों भूल जाते हैं कि जब भी कोई अच्छा काम सरकार करती है तो हमने उसकी सराहना की है। माननीय वित्त मंत्री महोदय बैठे हैं, मैं इनको कहना चाहूँगा कि 3 साल के अंदर हमारा 3 गुण प्लान बजट बढ़ा है। इसके साथ साथ मेरे साथी विधायकों को बोलने के लिए सरकार की तरफ से भाव्यद कागज थमा दिया जाता है क्योंकि यह तो महालेखाकार की रिपोर्ट है, हमारी सरकार की तो है नहीं। यह केन्द्र की रिपोर्ट है अगर इसको पूरा पढ़े तो एक भी प्वायंट ऐसा नहीं है जिसमें सरकार की कोई बहुत बड़ी उपलब्धि हो। किसी ने जलापूर्ति के बारे में बहुत बड़ी बड़ी बातें कही, इसमें लिखा है कि दिसम्बर 2004 में जलापूर्ति के अभावग्रस्त 1971 गावों में से 868 गांव मार्च 2007 तक अभाव ग्रस्त रहे।

अभावग्रस्त गावों को जल आपूर्ति करने की प्राथमिकता नहीं दी गई क्योंकि 2005-07 में उन 510 गावों को आवेष्टित किया गया जिनको जल आपूर्ति की कमी नहीं थी। यानि वे 510 गांव लिए गए जहां पहले पानी पूरा जा रहा था उसके बावजूद पैसा वहां खर्च हो रहा है जहां पानी की कमी नहीं तो वह पैसा कहां जाएगा या तो अधिकारियों की जेब में जाएगा या ठेकेदारों की जेब में जाएगा, वह प्रदेश का पैसा तो बेकार गया। दूसरा मैं इस तरफ ध्यान दिलाना चाहूंगा कि जल की उपलब्धता को सुनिश्चित किए बिना नारनौल नगर, मकराना गावों के समूह तथा नंगल दारगु गावों के समूह की जल आपूर्ति स्कीमों को चलाने के परिणामस्वरूप 5.47 करोड़ रुपये की निधियों का व्यर्थ व्यय/अवरोधन हुआ यानि की बेकार में 5.50 करोड़ रुपये खर्च सरकार ने किए। तीसरा मैं इस तरफ ध्यान दिलाना चाहूंगा कि सिंचाई विभाग के साथ अपरिशुद्ध जल के निर्गम के मामले उठाने में विलम्ब के कारण कलायत भाहर के वासी 4.96 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद सुरक्षित पेया जल से वंचित रहे। इसी तरह से 15.99 करोड़ रुपये की लागत पर 4 से 37 माहिनो पीछे सम्पूर्ण की गई जलापूर्ति स्कीमो बिजली के कनेक्शन न मिलने के कारण अकर्मण्य रही यानि कि सिंचाई और बिजली महकमो का तालमेल न होने के कारण सरकार का 16 करोड़ रुपये बेकार हो गया। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह की कितनी बातें मैं गिनवाउ। महालेखाकर की रिपोर्ट में ऐसी ऐसी बातों का जिक्र किया हुआ है और न जाने कितना पैसा बेकार गया है। इस रिपोर्ट में कोई गुण

नही बताया गया है। मेरी बहन बैठी थी उसने कहा कि केन्द्र सरकार ने किसानों का कर्जा माफ किया है जिससे विपक्ष के साथी बौखला गये हैं। विपक्ष के भाई कुछ बोल नहीं सकते। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें कोई भाव नहीं कि केन्द्र सरकार ने किसानों का कर्जा माफ करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इस बारे में लोक सभा में सभी पार्टियों ने एकमत होकर एक डिमांड भी रखी थी जिसे सारा देना देख रहा था। उपाध्यक्ष महोदय, अभी थोड़े दिन पहले मुख्यमंत्री जी का ब्यान आया था कि आढतियों से और साहूकारों से जो पैसा ब्याज पर किसानों ने ले रखा है उस पर भी प्रदे सरकार विचार करेगी। इस बारे में मैं अर्ज करना चाहूंगा कि इसमें जो इफ बट लगा रखी है वह नहीं लगानी चाहिए। उसमें 2.50 एकड़ जमीन वाली कंडीशन नहीं होनी चाहिए, चाहे प्रदे सरकार और ऋण ले ले हमारे यहां एक प्रथा है कि यदि एक बाप के चार बेटे हैं और मान लो बाप के नाम 8 एकड़ जमीन है, उनका बाप मरता नहीं तब तक वे लड़के अपने नाम जमीन नहीं चढ़वाते अगर वह जमीन चार बेटों के नाम हो जाये तो 2-2 एकड़ चारों के हिस्से आती है। ज्यादातर किसानों के साथ ऐसा ही हो रहा है। इसलिए इसमें 2.50 एकड़ वाली कोई कंडीशन नहीं होनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं यह भी कहना चाहूंगा कि उन लोगों की क्या गलती है जिन्होंने महीने दो महीने पहले अपना लोन जमा करवा दिया। उनकी यही गलती है कि उन्होंने समय पर पैसा जमा करवा दिया। इसलिए मैं चाहूंगा कि जिन्होंने समय पर पैसा जमा करवाया था उनको भी कुछ न कुछ

लाभ अब य मिलना चाहिए। उन्होंने जो पैसा जमा करवाया था वह पैसा भी बैंको मे क्रेडिट हो सकता था क्योंकि 60 हजार करोड रुपये भी बैंको पर ही डाल रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरी एक बहन ने यहा बोलते हुए कहा था कि अब रात के समय माताएं और बहने आराम से सो सकती है क्योंकि प्रदे 1 मे लॉ एण्ड आर्डर की स्थिती बेहतर है जबकि चौटाला जी के राज मे माताएं और बहने आराम से नही सो पाती थी। इस बारे में मै उदाहरण अपने हलके से देना चाहूंगा। मेरा पहला उदाहरण यह है कि 6 महीने पहले मेरे गांव मे एक मां बेटे की सोते हुए हत्या कर दी गई थी और हत्या करवाने वाला उसका चाचा का लडका और उस लडके की बहू थी। मैने बार बार एस पी साहब को कहा कि एस पी महोदय इसमें इसकी पत्नी का भी हाथ है। पूरा गांव कह रहा था कि उस औरत का भी कत्ल मे हाथ है। पूरो गांव कभी झूठ नही बोलता लेकिन कोई गिरफ्तारी नही हुई। उसके बाद लडके को गिरफ्तार किया गया। लडके को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस इन्स्पैक्टर कहता है कि यह लडका कातिल है इसके ले जाओ। उपाध्यक्ष महोदय, यदि 302 के हत्यारे को पुलिस छोडेगी तो क्या होगा। उसके बाद पंचायत हुई और प्र गसन पर दबाव बनाया, उसके बाद उस औरत को 120बी धारा के तहत गिरफ्तार किया गया। धारा 302 और 120 बी में गिरफ्तार होने के एक दिन भी उनको पुलिस रिमाण्ड पर नही लिया गया, सीधे ही जेल मे भेज दिया गया। मैने माननीय मुख्यमंत्री जी से भी इस बारे में अनुरोध किया है। यह जो मै बता रहा हूं यह कोई 20 दिन पहले

की बात है। इस्माईला गांव के अंदर एक लडका रात को सो रहा था, सोते सोते उसे काटकर गली में गिराकर जला दिया। आज तक भी उसके हत्यारो को पकडा नहीं गया। यह तो मैं 2-3 उदाहरण ऐसे बता रहा हूं। बीच में इस बारे में कुछ अच्छे स्टैप लिये थे कई मर्डर बड़े लोगो द्वारा किए गए थे और उनका एनकाउंटर भी हुआ लेकिन फिलहाल जो दुलमुल पुलिस की व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था चल रही है यह ठीक नहीं है। पुलिस प्रदेश के अंदर लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति को काबू करने में पूरी तरह सक्षम नहीं है। बहुत भारी परेशानी की स्थिति है। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे कुछ समय पहले प्रदेश में पीले कार्डों के उपर बहुत कुछ आया था और अभी भी उसका सर्वे चल रहा है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि बहुत सारे ऐसे साथी हैं जो इसके पात्र होने के बावजूद इसमें शामिल होने से रह गये हैं। सरकार इसका सर्वे करवा रही है यह बहुत अच्छी बात है। मेरा इस बारे में यही निवेदन है कि इसके लिए जो व्यक्ति रह जाये उनको एक मौका जरूर देना चाहिए ताकि वे अपने आवेदन कर सकें और उसकी इन्क्वायरी हो और बकायदा उससे कोई बचे नहीं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट में हरियाणा के पिछड़े वर्ग के भागिदारों के लिए बहुत अच्छा प्रावधान किया गया है। मैं इसके लिए वित्त मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। लेकिन पिछले साल की जो आपकी लेखाकार की रिपोर्ट है इसके मुताबिक इसमें लॉ के लिए बहुत ज्यादा पैसा आता है और उसमें प्रावधान है कि उसमें 90 दिन के अंदर वह पैसा एप्लीकैंट्स को दे देना चाहिए। आपकी

ऐप्लीके ान आई थी जिसमे से केवल 23 आदमियो को ही लोन दिया गया और वह भी 12 से 14 महीने के अंदर यानि जिससे कोई पैसा मिल गया तो उसके लोन मंजूर कर दिया और बाकी धक्के खाते रहे। मेरा अनुरोध है कि इसके उपर भी एक समय सीमा निर्धारित होनी चाहिए इस तरफ भी सरका को ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही हांसी-बुटाना नहर की बात भी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण मे आई। यह केसा सुप्रीम कोर्ट मे चल रहा है मै तो भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि इसमे फैसला हरियाणा प्रदे ा के हक मे हो।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंअ आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि हांसी बुटाना नहर के बारे मे सी डब्ल्यू सी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है और यह रिपोर्ट हमारे हक मे गई है। हमने अपनी रिपोर्ट मे जो फैक्ट्स दिये थे सी डब्ल्यू सी ने उनही के आधार पर हमारे हक मे अपना फैसला दिया हैं। इस केस की सुनवाई आगामी 29 अप्रैल, 2008 को है। यह मै आपके माध्यम से पूरे सदन के सूचनार्थ बता रहा हूं।

13:00 बजे

श्री नरे ा मलिक: उपाध्यक्ष महोदय, सी डब्ल्यू सी ने जो हरियाणा के हक मे अपनी रिपोर्ट दी है इसके लिए मै भी सरकार को बधाई देना चाहता हूं। इसमे हरियाणा का पक्ष यही है

कि हम अपना पानी लेंगे और अपना पानी हम कहीं से भरी ले इसमें किसी को कोई भी आपत्ती नहीं होनी चाहिए। लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो इसमें पीडे से राजनीति कर रहे हैं। सरकार को उनको क्लीयर करना चाहिए कि कौन ऐसे आदमी है जो इस केस को दक्षिणी हरियाणा को पानी से वंचित रखना चाहते हैं। आज जो बार बार ब्यान देते हैं और प्रकाश चौटाला के जो आदमी हैं उन्होंने यह सब करवा रखा है। वे आदमी आज अपने आपको किसान हितैशी कहते हैं। मंत्री जी ने कहा है कि सतलुज यमुना लिंक नहर की अगली तारीख 12 अप्रैल लगी है हम तो परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि उसका फैसला हमारे हित में हो और हमें हमारा हक मिले। पंजाब सरकार ने जिस तरह का असंवधानिक कदम उठाते हुए उस फैसले को रद्द किया था उसको तो केन्द्र सरकार रोक सकती थी। *****

भाहरी विकास मंत्री (श्री ए सी चौधरी): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो ये आपत्तिजनक भाब्द कहे हैं यह सदन की कार्यवाही में रिकार्ड नहीं होने चाहिए।

श्री उपाध्यक्ष: ये भाब्द सदन की कार्यवाही में रिकार्ड न किए जाएं। मलिक साहब आप वाईड अप करें।

श्री नेरू मलिक: उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली की बात है कोई भाक नहीं है कि सरकार ने अच्छे प्रयास किये हैं और लगभग 5 हजार मैगावाट के नये प्लांट लगा रही है। यह

वाकई सरकार का एक सराहनीय कदम है लेकिन साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हाउस को इस बारे में नहीं बताया गया कि जो हमने दूसरे संस्थाओं में हरियाणा का पैसा लगाया है उनके साथ समझौता किस आधार पर किया गया है। वे किस प्रकार से हरियाणा को पावर सप्लाई करेंगे? आज के दिन बिजली की स्थिति बहुत ही खराब है। गावों में दो तीन घंटे ही बिजली मिलती है। आज जगह जगह पर बिजली के कारण लोग जाम लगा रहे हैं। इसी प्रकार से मैं एक बात और कहना चाहूंगा जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दे 1 के अंदर जमीन के फ्लोर रेट हरियाणा में सबसे ज्यादा है। मुझे मालूम नहीं कि मुख्यमंत्री जी ने ऐसा कैसे कह दिया क्योंकि दिल्ली के अंदर कांग्रेस की ही सरकार है वहां पर पहले 25 लाख रुपए प्रति एकड़ का रेट था लेकिन आज के दिन 75 लाख रुपये प्रति एकड़ हो गया है।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, दिल्ली के रेट अभी आये हैं पहले दिल्ली का रेट 23 लाख रुपए प्रति एकड़ था। दिल्ली सरकार ने यह फैसला अभी एक महीना पहले ही किया है। हम अगर गुडगांव और एन सी आर की बात करें तो वह दिल्ली से भी ज्यादा है। दिल्ली के पास तो वैसे भी जमीन है ही नहीं चाहे वे एक करोड़ का रेट कर दें। जमीन तो हरियाणा के पास है।

श्री नरे 1 मलिक: उपाध्यक्ष महोदय, मेरी तो सरकार से यही नविदन है कि एन सी आर के अंदर आपको अलग से रेट तय

करने चाहिए। मेरा वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि जिस प्रकार आपने तीन कैटेगरी बनाई है उसी प्रकार से एन सी आर के लिए एक करोड़ या डेढ़ करोड़ रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से दिया जाना चाहिए। उनके रेट बहुत उंचे पहुंच गये हैं और दिल्ली में ये रेट 75 लाख रुपए है। हरियाणा प्रदेश में फाईनैलियली भी स्ट्रांग है इसलिए मैं सरकार से निवेदन करता हूँ कि एन सी आर का रेट कम से कम 75 लाख रुपए तो होना ही चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं स्वास्थ्य के बारे में जरूर बात कहना चाहूंगा। रोहतक के अंदर पी जी आई मैडिकल कालेज है वहां पर पीले काड़ वाले लोग तथा गरीब से गरीब आदमी इलाज के लिए जाते हैं लेकिन वहां पर इन लोगों को दवाई के नाम पर एक गोली तक नहीं मिलती है, कोई टेबलेट नहीं मिलती है। अगर यहां के वार्डों की स्थिति देखे तो वहां पर आदमी कराहते रहते हैं लेकिन उनको कोई नहीं पूछता। मेरे पिता जी का एक्सीडेंट हो गया था और उनको इलाज के लिए वहां पर ले जाया गया था। मैंने वहां पर खुद देखा है कि पी जी आई मैडिकल कालेज, रोहतक की हालत आज के दिन बहुत ही खस्ता है। आज इस अस्पताल में दूसरे प्रदेशों के लोग भी इलाज के लिए आते हैं लेकिन इस अस्पताल की हालत बहुत ही खस्ता है इसलिए वहां पर कोई पैट जा कर सैटिस्फाईड नहीं होता है क्योंकि वहां पर कोई भी दवा नहीं मिलती है, न कोई सुविधा और टेबलेट मिलती है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने 100-100 गज के प्लॉट गरीब लोगों को देने की घोषणा की है। जिन गावों की पंचायत के पास जमीन है वहां

तो प्लाट दे देंगे लेकिन जिन गावों में पंचायतों के पास जमीन नहीं है वहाँ के गावों को लोगों को प्लाट कहाँ से देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे याद है कि पिछली बार माननीय वित्त मंत्री महोदय ने यह कहा था कि गावों और भाहरों में अगर गरीब लोगों को प्लाट देने हैं तो उसके लिए सरकार को जमीन के लिए एक हजार करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे। मैं माननीय वित्त मंत्री महोदय से यह निवेदन करूँगा कि वे इस बारे में भी थोड़ा सा स्पष्ट करें कि उन्होंने इसके लिए कितने पैसे का प्रावधान बजट में किया है। वैसे तो यह बजट आने के बाद ही पता लगेगा कि कितना पैसा इस काम के लिए बजट में रखा गया है। गरीबों को अगर प्लाट दिये जाते हैं तो यह बहुत ही अच्छी बात है। उपाध्यक्ष महोदय, पीछे माननीय मुख्यमंत्री जी का बयान आया था कि पिछले चालीस वर्षों में पिछली सरकारों ने कोई काम नहीं किया। **(इस समय माननीय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, मैं यहाँ पर यह कहना चाहूँगा कि हरियाणा को बने करीब 40 वर्ष हो चुके हैं और पिछले 40 सालों के दौरान 30 साल तक तो कांग्रेस पार्टी की सरकारें ही रही हैं। यह अलग बात है कि इस दौरान मुख्यमंत्री चाहे चौधरी भजन लाल जी या दूसरे लोग रहे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी उन सरकारों में मंत्री रह चुके हैं इसलिए इसके लिए इनकी खुद की भी जिम्मेदारी होनी चाहिए और सबसे बड़ी जिम्मेदारी तो कांग्रेस सरकार की बनती है। पीछे की बात सम्भालने की बजाए अब आगे के लिए सम्भाल लें तो यह अच्छा होगा। अध्यक्ष महोदय मैं माननीय वित्त मंत्री महोदय से केवल एक

ही निवेदन करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में अगर एन सी आर के लिए कोई जमीन एक्वायर होती है तो उसका रेट 75 लाख रुपये से कम नहीं होना चाहिए इसके लिए आपकी बहुत ही मेहरबानी होगी। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

श्री सुखबीर सिंह (रोहट): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद। महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया था वह बहुत ही सराहनीय था। हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने पिछले साल में जो काम किये हैं ऐसे काम पूरे हिन्दुस्तान में किसी अन्य मुख्यमंत्री और सरकार ने नहीं किये हैं। हरियाणा राज्य में बिजली पानी के कार्य भी हुए हैं, खेलों को भी बढ़ावा दिया गया है और दूसरे विकास कार्य भी किए गये हैं। मेरे कहने का तात्पर्य है कि हर चीज और हर क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश की सरकार ने यह दिखाया है कि सरकार लोगों के लिए होती है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और वित्त मंत्री महोदय और सारी सरकार ने यह दिखाया है कि यह सरकार केवल अपने पेट के लिए कार्य नहीं करती है बल्कि यह सरकार जनता ने बनाई है और इस सरकार ने जनता के लिए ही कार्य किया है। लेकिन कुछ ऐसी समस्याएँ अभी भी हैं जिनको दूर किया जाना चाहिए। जैसे कि मलिक भाई साहब ने मेरे से पहले बोलते हुए कहा है कि एन सी आर के लिए 75 लाख रुपये प्रति एकड़ करना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय दो साहूकार इकट्ठे हो और एक को हक दिया

जाए और दूसरे का हक काटा जाए यह ठीक नहीं लगता है। अध्यक्ष महोदय अब दिल्ली में ऐसा कर दिया गया है और हमारे यहां पर ऐसा नहीं किया गया है जबकि हमारी जमीन उनसे ज्यादा उपजाऊ है। अध्यक्ष महोदय सरपंचो, पंचो और लम्बरदारो को पैसे दे दिए, गरीब बच्चो को वजीफे के पैसे दे दिए तो हमारे जो वृद्ध है उनकी पैं इन भी 300 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दी जाए। यह जो इस पैं इन के साथी देवी लाल का नाम जोड़ा गया है इसको हटा देना चाहिए। आज वृद्ध आपकी तरफ देख रहा है और आ गा लगाए बैठा है कि आप उनकी पैं इन भी बढ़ाएंगे। अध्यक्ष महोदय, वृद्ध एक दो या ज्यादा से ज्यादा 6 साल तक ही पैं इन ले लेगा, इससे सरकार को क्या फर्क पड़ेगा। पिछली सरकार तो वृद्धो के लिए कुछ नहीं करके गई है लेकिन आप से उनको बहुत उम्मीदें हैं। अध्यक्ष महोदय आज सरकार ने काफी इम्पलाईज को नए स्केल दे दिए हैं, इसी विषय में मुझे ड्राईंग टीचर भी मिले थे तो मेरा आपसे निवेदन है कि आप उनके स्केलो के बारे में भी विचार करें और उनके स्केल बढ़ा दें। इसी तरह से लाल डोर को भी बढ़ाने की बहुत डिमांड है। और मेरा आपसे निवेदन है कि लाल डोरे को भी बढ़ाया जाए। अध्यक्ष महोदय बहुत समय पहले लाल डोरे को बढ़ाया गया था। जहां पर इंडस्ट्रीयल विकास होता है वहां पर तो लाल डोरा बढ़ना चाहिए। इसी तरह से बी पी एल कार्ड के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि इसको तो सोने का हाथी बना दिया है। मेरा इस बारे में कहना है कि जो भी इसके लिए अप्लाई करता है उसका कार्ड बना दिया है। मेरा इस बारे में

कहना है कि जो भी इसके लिए अप्लाई करता है उसका कार्ड बना दो। इस कार्ड पर इसको थोड़े से सस्ते चावल ही मिलेंगे और क्या मिलेगा। इसी तरह से मैं बिजली के बारे में कहना चाहता हूँ। इस सरकार द्वारा 1600 करोड़ रुपए माफ कर दिए गए और केन्द्र सरकार द्वारा 60 हजार करोड़ रुपए किसानों के कर्ज माफ कर दिए। मैं यह कहना चाहता हूँ कि ये जो लाल डोरे के बाहर मकान बने हुए हैं और उन मकानों के ऊपर से जो बिजली की तारे जा रही हैं उनको भी हटाया जाना चाहिए। पिछली सरकार के समय में उन्होंने अपने बोरे भर लिए और साहूकार हो गये। मेरा कहना है कि जो किसानों से ट्यूबवैल के कनेक्शन के लिए सात हजार रुपये प्रति पोल लिए जाते हैं उनको भी माफ किया जाए क्योंकि इससे किसान के ऊपर बोझ पड़ता है। जब किसानों के सरकार ने 1600 करोड़ रुपये बिजली के बिल माफ कर दिए हैं तो इनको भी माफ करना चाहिए। आप किसान को इसके कारण क्यों मारने लग रहे हो। इसी तरह से इसकी सिक्योरिटी भी बहुत ज्यादा है यह भी माफ होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, बाकी तो सरकार नम्बर वन पर चल रही है क्योंकि इसने हरियाण में बदमाश खत्म कर दिए और भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। कोई सोचता भी नहीं था कि हरियाणा में इस तरह से काम किए जाएंगे, हरियाण में भांति बहाल होगी, भ्रष्टाचार समाप्त होगा, लोगों की जेबें भरी जाएंगी और मुख्यमंत्री और मंत्री दिन रात मेहनत करके लोगों के बारे में सोचेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरा विश्वास है कि आगे भी सरकार ऐसी ही बनेगी। हम सरकार से

पूरी तरह से साथ है। औम प्रकाश चौटाला का भी आपने बढिया काम कर दिया है। आप बुद्धिजीवी है, पी एच डी ऐग्रीकल्चर है, विद्वान आदमी है, जमीन से जुडे हुए आदमी है इसलिए आपने उसको सही रास्ता दिखाया है। मेरा आपसे निवेदन है कि आप हमें उसकी ज्यादा भावुक न दिखाया करो और इसको बाहर ही रखा करो। अगर वह आप जैसे बुद्धिजीवी से बात करे तो यह स्टेटस की बात नहीं है। एक राजा दूसरे राजा से ही बात करता हुआ अच्छा लगता है। अगर आप यहां पर स्पीकर नहीं होते तो ऐसा रिजल्ट नहीं मिलता। आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री अर्जन सिंह (छछरौली): स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए टाईम दिया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज यह सरकार बहुत अच्छे तरीके से चल रही है। हम सरकार की यू ही तारीफ नहीं कर रहे हैं बल्कि हम सच्चाई बता रहे हैं। आज कोई किसी की वैसे ही नहीं तारीफ करता, आज हर कोई अपना नफा नुकसान समझता है। अध्यक्ष महोदय, अपोजीशन का काम केवल टीका टिप्पणी करना ही नहीं है बल्कि अगर कोई सही बात हो तो उसको उसकी तारीफ करनी चाहिए। जो गैलरिज में इधर उधर लोग बैठे हुए हैं इन सभी को पता है कि सच्चाई क्या है और सरकार किस तरह से चल रही है। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से आज सरकार काम कर रही है मैं तो वही बता रहा हूँ। लोग

भी आज इस सरकार की तारीफ कर रहे हैं और इस सरकार की नीयत अच्छी बता रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि इस सरकार की नीयत और नीति दोनों बढ़िया हैं। इसके लिए हम आप लोगों को बधाई देना चाहते हैं। यह अच्छी बात है कि सैंट्रल गवर्नमेंट ने किसानों के 60 हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ करने की बात कही है। मेरी सरकार से एक अनुरोध है कि किसानों के कर्ज माफ करना तो अच्छी बात है, यह बहुत अच्छा काम सरकार ने किया है लेकिन जो दूसरे गरीब लोग हैं जो किसान नहीं हैं और जिन पर कर्जा है उनके भी कर्ज माफ होने चाहिए क्योंकि उन्होंने मजबूरी में ही कर्जा लिया है। उन्होंने ए। करने की खातिर लोन नहीं लिया था। किसी ने मकान बनाने के लिए किसी ने अपनी बीमारी के लिए लोन लिया था। मेरा कहना है कि चाहे वे किसी भी कास्ट से संबंधित लोग हों लेकिन वे गरीब तो हैं इसलिए उनका भी कर्जा माफ होना चाहिए क्योंकि उन लोगों के पास उसको वापस देने के लिए आया का सोर्स नहीं है। जब आपने किसानों का कर्जा माफ कर दिया तो जिनके पास आय का अपना कोई साधन नहीं है उन बेचारों का भी कर्जा माफ कर दिया तो जिनके पास आय का अपना साधन नहीं है उन बेचारों का भी कर्जा माफ किया जाए? सरकार को जरूर इनके बारे में सोचना चाहिए। सरकार ने पहले किसानों के बिजली के बिल माफ करके एक बहुत ही अच्छा काम किया था क्योंकि यह बिल देने की स्थिति में किसान नहीं थे। पिछली सरकार ने किसानों को गुमराह कर दिया था इसलिए किसानों ने वे बिल नहीं दिए थे।

अध्यक्ष महोदय मेरा अनुरोध है कि हमारे एरिया में पिछली सरकार के समय में अवैध खनन के कारण सात आठ गांव ऐसे हैं जिनकी फसल बह गयी थी। उनके बिजली के बिलों को माफ करने के बारे में डी सी साहब ने भी, सरकार ने भी और कैप्टन साहब ने भी आवासन दिया था। सर उन्होंने मजबूरी में ही यह बिल रोकें थे क्योंकि उनकी फसल बर्बाद हो गयी थी। पहली फसल तो उनकी फलड में खराब हो गयी थी, दूसरी फसल की उनकी बिजाई नहीं हुई थी और अगली फसल पर बहुत ज्यादा खर्च आ रहा था। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि उनके बिजली के बिलों के बारे में भी सरकार सोचे। उसके बारे में मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील करना चाहूंगा कि उसमें भी थोड़ा सा गौर करें। थोड़े ज्यादा बिल इकट्ठे हो गए हैं इसलिए वे नहीं दे पा रहे हैं। इसके अलावा जो बिजली की तारे लोगों के घरों के ऊपर से होकर गुजरती हैं यह भी एक बहुत बड़ा अन्याय है जिन लोगों के घरों के ऊपर से तारें जा रही हैं उन तारों की वजह से वे अपने घरों में कपड़े नहीं सुखा सकते और हमें 11 करंट का डर बना रहता है। इसके अलावा एक मेरी रिक्वेस्ट यह भी है कि जो गेस्ट टीचर लगाने का काम सरकार ने किया है वह भी बहुत ही अच्छा काम किया है। पहले तो इसमें जो यह नीति अपनाई कि जिस गांव में लगना था उसी गांव का टीचर लिया, वहां से नहीं मिला तो ब्लॉक से लिया, ब्लॉक से भी नहीं मिला तो जिले से लिया इस बात का भी बहुत अच्छा संकेत जनता में गया है। मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूँ कि जो टीचर अच्छा काम कर रहे

है उनको ऐडजस्ट कर दिया जाए तो बहुत ही अच्छा रहेगा। इस बारे में भी गौर होना चाहिए, यह मेरा निवेदन है जिन लोगों के धरो में गेस्ट टीचर लगे हैं उनके धरो में खुहाली आई है और वे सरकार की तारीफ करने में लगे हुए हैं। वैसे सरकार की तारीफ कोई नहीं करता है यह तो आपका गुण है कि आप लोग अपनी तारीफ करवा रहे हो। किसान ही खुहाली का माध्यम है। अगर किसान के घर खुहाली है तो मजदूर की भी तरक्की हो जाएगी। अगर किसान की जेब में पैसा है तो वह बाजार जाएगा और बाजार से सामान खरीदकर लाएगा इस प्रकार बाजार में भी रौनक आएगी। पिछली सरकार ने लोगों का विवास उठ चुका था। लोग यह सोचने लगे थे कि क्या होगा, कैसे होगा? मैं बधाई देना चाहता हूँ कि इन्होंने हर धर में पीपल का पेड लगवाया है जिनसे कि दिन रात आक्सीजन मिल रही है। यह नहीं है कि मैं आपकी तारीफ कर रहा हूँ। मैं विपक्ष के साथियों की भी तारीफ कर सकता हूँ। जो भी लोग अच्छा काम करते हैं मैं उनकी तारीफ करता हूँ। चौटाला जी ने साठे पांच साल सरकार चलाई, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया और आज सच्चाई भी नहीं सुन सकते हैं। आप लोग काम कर रहे हैं तो अच्छा है नहीं करोगे तो जनता आपको भी रिजल्ट देगी। पिछली सरकार पापुलर, जीरी, गन्ने, और गेहूँ के दाम सब अपने धर ले गई और इस सरकार ने रेट बढ़ाकर जनता को दिए हैं, किसान को दिए हैं। जनता को आप पर भरोसा है इसलिए ही आपको चुनकर भेजा है। मैं तो अपील करता हूँ कि जिस नियत से आप काम कर रहे हैं वह उसी नियत से काम करते

रहे। सारी दुनिया तो गीगवान से भी खुश नहीं होती लेकिन जिस नियत से आप लोग काम कर रहे हैं आप बधाई के पात्र हैं। हम लोगो को भी जनता ने चुनकर भेज रखा है। (विधन) मैं भी ए पास हूँ। लेकिन मैं ऐसा मानता हूँ कि मेरी पार्टी इंसानियत है। मैं कभी पार्टी को नहीं मानता। मैं तो जो सच्चा इंसान है, अच्छा है उसी कद्र करता हूँ। अगर कोई गलत काम करता है और वह सिकी पार्टी में हो तो हम गलत का विरोध करेंगे। जो वार्निंग दी जा रही है उनकी हमें कोई परवाह नहीं है। मरना तो सभी को जरूर है यहां पर तो कोई नहीं रहता।

श्री अध्यक्ष: कौन मार रहा है।

श्री अर्जन सिंह: मैं तो विपक्ष के भाईयो से कहता हूँ कि अगर वे सच्चाई नहीं कह पाते तो सुन तो सकते हैं। हम तो अन्याय का विरोध करेंगे और न्याय के पक्ष में बोलेंगे। अन्याय को सहना भी गलत है, उन्होंने तो टीका टिप्पणी करना ही आता है। वे तो पहले से ही सोचकर आते हैं कि हमें भागना ही है। अगर वे हमारे पक्ष की बात नहीं कर सकते तो टीका टिप्पणी करने का मतलब यह है कि वे प्रदेश की खुशहाली को देखकर खुश नहीं है।

श्री अध्यक्ष: आप वाईड अप करें।

श्री अर्जन सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूँ। जब चौटाला जी की सरकार थी तो वे किसानो के

हितैशी बनने की बात करते थे लेकिन उनकी सच्चाई का लोगो को पता है। पिछली सरकार के समय में लोगो का उन पर से विवास खत्म हो गया था क्योंकि सुबह ही सारे परिवार के लोग लोगो के ट्रैक्टर, मोटर साईकल में तेल माना भुरु कर देते थे लेकिन सीपी का रिजर्व लगा होता था क्योंकि जब लोगो के पास पैसे होगी तभी तेल डलवाएंगे। उनके समय में पापुलर का भाव 150-200 रुपए प्रति क्विंटल होता था और एक ट्राली 12 हजार रुपए में जाती थी। लोग मजबूर हो गए थे कि जाये तो जाए कहां क्योंकि किराया, आढती और ट्रैक्टर निकाल कर सिर्फ खुंटे ही किसान के पास बचते थे लेकिन सरकार के समय में एक ट्राली 70-80 हजार रुपए में जा रही है और सभी लोग खुहाल हो गये हैं। पिछली सरकार के समय में 50 हजार रुपए प्रति ट्राली का किसान को नुकसान हो रहा था। लेकिन आज चारों तरफ खुहाली छाई है लोगो के घरों में चिनाई लगी हुई है, लोग मोटर साईकल और कार खरीद रहे हैं और विवाहों में भी कारें दे रहे हैं। पिछली सरकार के समय में एक कीले का रेट 2.50 लाख रुपए होता था लेकिन आज एक कीले का जमींदार भी खुहाल है क्योंकि उसके एक कीले की कीमत 20-35 लाख रुपये बिना खेत में जाए बिना खेत में काम किए वह मालिक बना बैठा है। मैं क्या क्या गिनवाउ। हमारे बाहर जाने से पहले लोगो को सच्चाई का पता लग जाता है क्योंकि हमारे पत्रकार भाईयो को सब पता है इनके माध्यम से जनता को सच्चाई का पता चल जाता है

इसलिए मैं इनका धन्यवाद देता हूँ। स्पीकर सर, मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

Mr. Speaker: Now the House is adjourned till 9:30 A.M on Thursday, the 12th March, 2008.

13:30 Hrs.

(The Sabha then adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 12 March, 2008.)